E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -118 | प्रयागराज, गुरूवार 17 जुलाई 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

ट्रम्प बोले-यूएस को इंडियन मार्केट में पहुंच मिलने वाली है,ट्रेड डील पर बातचीत चल रही,इंडोनेशिया पर 19फीसदी टैरिफ लगाया

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार को कहा कि अमेरिका भारतीय मार्केट में पहुंच हासिल करने के लिए एक समझौते पर काम कर रहा है। इसके अलावा, उन्होंने इंडोनेशिया के साथ एक नए व्यापार समझौते की घोषणा की। इसके तहत इंडोनेशिया से आने वाले सामान पर अमेरिका 19फीसदी टैरिफ लगाएगा।ट्रम्प ने भारत को लेकर कहा- हमें इंडियन में मार्केट में पहुंच मिलने वाली है। पहले हमें इन देशों में कोई पहुंच नहीं थी। हमारे लोग वहां व्यापार नहीं कर पाते थे। अब टैरिफ के जरिए हम पहुंच हासिल कर रहे हैं।' ट्रम्प ने बताया कि इंडोनेशिया के राष्ट्रपति जोको विडोडो से बात करने के बाद एक व्यापार समझौता हुआ है। इस समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिकी इंपोर्ट पर कोई टैरिफ नहीं लगाएगा, जबकि अमेरिका, इंडोनेशिया के निर्यात पर 19फीसदी टैरिफ लगाएगा।ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा- हमने इंडोनेशिया के साथ समझौता किया। मैंने उनके बहुत लोकप्रिय और मजबूत राष्ट्रपति से बात की। अब हमें इंडोनेशिया में पूरी पहुंच मिलेगी। हम कोई टैरिफ नहीं देंगे। उन्होंने आगे कहा- इंडोनेशिया हमें अपने बाजार में एक्सेस दे रहा है, जो पहले कभी नहीं थी। यह समझौते का सबसे बड़ा हिस्सा है। इसके बदले वे 19फीसदी टैरिफ देंगे और हम कुछ नहीं देंगे। यह दोनों पक्षों के लिए अच्छा सौदा है। ट्रम्प ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर इस समझौते को 'पक्का' बताया। उन्होंने कहा कि इस समझौते के तहत इंडोनेशिया अमेरिका से 15 अरब डॉलर की एनर्जी, 4.5 अरब डॉलर के कृषि प्रोडक्ट्स और 50 बोइंग जेट विमान खरीदेगा।ट्रम्प ने यह भी बताया कि इंडोनेशिया के पास हाई क्वालिटी वाला कॉपर (तांबा) है, जो अमेरिका के लिए फायदेमंद होगा। हालांकि, मंगलवार दोपहर तक इंडोनेशिया सरकार ने इस बारे में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की थी। सीएनएन के मुताबिक, पिछले साल इंडोनेशिया ने अमेरिका को 2 करोड़ डॉलर का तांबा एक्सपोर्ट किया था, जबकि चिली ने 60 करोड़ डॉलर और कनाडा ने 40 करोड़ डॉलर का तांबा एक्सपोर्ट किया था। दो दिन पहले रूस पर 100फीसदी टैरिफ की धमकी दी.ट्रम्प ने सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा।ट्रम्प ने मंगलवार को बीबीसी से बात करते हुए कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से नाखुश हैं, लेकिन उनके साथ रिश्ते पूरी तरह टूटे नहीं हैं। जब उनसे पुतिन पर भरोसे के बारे में सवाल किया गया, तो ट्रम्प ने कहा, 'मैं किसी पर भी पूरी तरह भरोसा नहीं करता।'

टेस्ला भारत में 8 चार्जिंग स्टेशन लगाएगी,इनमें एक बार में 252 गाड़ियां चार्ज हो सकेंगी, टाटा-महिंद्रा से मिलेगी चुनौती

नयी दिल्ली। टेस्ला का पहला शोरूम मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स में खुल गया है। अभी कंपनी ने भारतीय बाजार में अपनी सबसे पॉपुलर कॉम्पैक्ट इलेक्ट्रिक एसयूवी मॉडल वाई को उतारा है, जिसकी एक्स-शोरूम कीमत 60 लाख रुपए से शुरू होती है। इसके अलावा कंपनी ने स्टोर से करीब 6किलोमीटर दूर एक सर्विस सेंटर और गोडाउन भी खोला है। कंपनी ने स्टोर ओपनिंग के साथ ही मुंबई और दिल्ली में 8 चार्जिंग स्टेशन सेटअप लगाने की घोषणा भी की है। इन स्टेशन्स पर एक बार में 252 इलेक्ट्रिक गाड़ियां चार्ज हो सकेंगी। कंपनी भारत में अन्य मॉडल लॉन्च करने के साथ अन्य प्रमुख शहरों में स्टोर भी खोलेगी। इसके साथ ही कंपनी ने अपनी अग्रेसिव अप्रोच से भारतीय बाजार में मौजूद बड़े प्लेयर्स को जता दिया है कि वह कड़ी टक्कर देने के लिए तैयार है। टेस्ला स्टोर लोगों के लिए एक एक्सपीरियंस सेंटर के तौर पर काम करेगा। यानी यहां न सिर्फ कंपनी की इलेक्ट्रिक गाड़ियां बेची जाएंगी, बल्कि लोग टेस्ला की टेक्नोलॉजी और फीचर्स को भी करीब से देख सकेंगे। 2024 में आई भारत की नई इवी पॉलिसी के मुताबिक, अगर टेस्ला 4,150 करोड़ रुपए निवेश करता है, तो इम्पोर्ट ड्यूटी 70फीसदी से घटकर 15फीसदी जाएगी। इससे भविष्य में कंपनी की कारों की कीमतें कम हो सकती हैं। कुछ समय पहले खबर आई थी कि टेस्ला गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु और तेलंगाना जैसे राज्यों में फैक्ट्री लगाने पर विचार कर रही है, लेकिन फिलहाल कंपनी भारत में सिर्फ इंपोर्टेड कारें बेचने पर ध्यान दे रही है।टेस्ला के भारत में आने की बड़ी वजहें 1. ग्लोबल सेल्स में कमी से नए मार्केट की तलाश साल 2024 में ग्लोबल मार्केट में; खासकर अमेरिका, यूरोप और चीन में टेस्ला की सेल्स गिरी हैं। जर्मनी और इटली में तो ये 76फीसदी और 55फीसदी तक गिर गईं। भारत, दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट है और यहां इवी का मार्केट शेयर सिर्फ 5फीसदी के आसपास है। इसलिए यहां टेस्ला को नए ग्रोथ अवसर नजर आ रहे हैं। भारत में इवी डिमांड बढ़ रही है। भारत में 2024 में 19.93फीसदी की ग्रोथ के साथ 99,165 इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकीं। 2.नई ईवी ने आयात शुल्क को 100फीसदी से घटाकर 70फीसदी किया, बशर्ते कंपनी ईवी क्षेत्र में रु4,150 करोड़ निवेश करे। तीन साल में लोकल लेवल पर मैन्युफैक्चरिंग शुरू करने पर इसे 15फीसदी कर दिया जाएगा। इससे टेस्ला को मॉडल वाई जैसी इलेक्ट्रिक गाड़ियों को कम टैक्स के साथ इम्पोर्ट करने का मौका मिला। 3. प्रीमियम ईवी सेगमेंट में डिमांड भारत में लग्जरी इवी की मांग बढ़ रही है। टेस्ला की मॉडल वाई (रु 59.89-67.89 लाख) इस सेगमेंट को टारगेट करती है, जो बीएमडब्लू आई एक्स 1 और मर्सिडीज ईक्युए से टक्कर लेगी। भारतीय ईवी मार्केट को 2030 तक 28 लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक गाड़ियां बिकने की उम्मीद है। भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा ऑटो मार्केट है और ईवी की मांग यहां तेजी से बढ़ रही है। सरकार भी इलेक्ट्रिक व्हीकल्स को बढ़ावा दे रही है। ऐसे में टेस्ला का आना इस सेक्टर में एक नई क्रांति ला सकता है। शुरू में टेस्ला की ऊंची कीमत और इम्पोर्टेड ड्यूटी के कारण इसका असर प्रीमियम सेगमेंट तक सीमित रहेगा। मास-मार्केट ब्रांड्स टाटा, महिंद्रा जैसी कंपनियों पर तुरंत असर होने की उम्मीद कम है।टेस्ला के सामने 5 प्रमुख चुनौतियां 1. हाई इम्पोर्ट ड्यूटी और कीमतः टेस्ला की गाड़ियां कम्प्लीट्ली बिल्ट यूनिट के रूप में आयात होंगी। इन पर इम्पोर्ट ड्यूटी और जीएसटी लगने से कीमतें प्रीमियम सेगमेंट में पहुंच जाती हैं, जो मास-मार्केट ग्राहकों के लिए महंगी होंगी। इस सेगमेंट में सेल्स लिमिटेड हैं। 2. सीमित चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चरः टेस्ला ने मुंबई और दिल्ली में 8 सुपरचार्जिंग स्टेशन की योजना बनाई है। ग्रामीण और छोटे शहरों में चार्जिंग की कमी टेस्ला की ज्यादा रेंज का फायदा कम कर सकती है। 3. कस्टमर बिहेवियरः भारतीय ग्राहक सर्विस, लागत और रीसेल वैल्यू को प्राथमिकता देते हैं। यहां टेस्ला को अपनी विश्वसनीयता साबित करनी होगी। 4. सर्विस और डीलरशिप नेटवर्कः टेस्ला की डायरेक्ट-टु-कंज्यूमर सेल्स मॉडल (ऑनलाइन बिक्री) भारत में नई है और इसका सर्विस नेटवर्क अभी सीमित है। बीएमडब्लू, मर्सिडीज, और टाटा जैसे ब्रांड्स का देशभर में मजबूत डीलर और सर्विस नेटवर्क टेस्ला के लिए चुनौती है।5. लोकल मैन्युफैक्चरिंग में देरीः टेस्ला की गुजरात/कर्नाटक में प्रस्तावित गीगाफैक्ट्री 2026-2027 से पहले शुरू होने की संभावना कम है। तब तक ज्यादा कीमत वाली इम्पोर्टेड गाड़ियों पर निर्भर रहना होगा। टेस्ला का भारत में किन कारों से कॉम्पिटिशन होगा? टेस्ला को भारत में टाटा मोटर्स और महिंद्रा एंड महिंद्रा जैसी स्थानीय कंपनियों से चुनौती मिलेगी। इनके अलावा बीवाईडी,बीएमडब्लू, ऑडी और मर्सिडीज जैसे ब्रांड्स भी टेस्ला को टक्कर देंगे। टेस्ला की टेक्नोलॉजी और ब्रांड वैल्यू इसे अलग बनाती है, लेकिन स्थानीय कंपनियों की कीमत और सर्विस नेटवर्क बड़ी चुनौती होगी। टाटा मोटर्सः भारत में ईवी मार्केट के 60फीसदी से ज्यादा शेयर के साथ सबसे बड़ा प्लेयर। टाटा नेक्सन ईवी जैसे मॉडल टेस्ला को टक्कर देंगे। महिंद्रा एंड महिंद्राः महिंद्रा की बीई6 और एक्सवीई 9ई मॉडल्स टेस्ला के लिए कॉम्पिटिशन होंगे। महिंद्रा की मजबूत ब्रांड लॉयल्टी और किफायती प्राइसिंग टेस्ला को टक्कर दे सकती है।एमजी मोटर्सः विंडसर और साइबस्टर जैसी कारें टेस्ला के प्रीमियम सेगमेंट में चुनौती पेश कर सकती हैं। भारत में इसका 22फीसदी मार्केट शेयर भी एक फैक्टर है। ?बीवाईडी : चीनी कंपनी बीवाईडी की ऑटो 3, सेल, और ई6 मॉडल्स टेस्ला के प्रीमियम और टेक्नोलॉजी-फोकस्ड सेगमेंट में मुकाबला करेंगे। हालांकि, भारत में इसकी मौजूदगी सीमित है। हुंडईः इस साउथ कोरियन कंपनी के आयोनिक 5 और क्रेटा इलेक्ट्रिक जैसी कारें टेस्ला के प्रीमियम ईवी सेगमेंट में टक्कर दे सकती है। इसका विस्तृत डीलरशिप नेटवर्क भी एक फैक्टर है। बीएमडब्लू, ऑडी, मर्सिडीजः यूरोपियन ब्रांड्स बीएमडब्लू की आई4 और आईएक्स, ऑडी की ई-ट्रॉन और मर्सिडीज की ईक्यू सीरीज जैसी लग्जरी ईवीएस टेस्ला की कारों से प्रीमियम मार्केट में मुकाबला करेंगी।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा की मौत की सजा टली,दोनों देशों के धर्मगुरुओं ने की बातचीत,हत्या के मामले में कल गोली मारी जानी थी

सना। यमन में मौत की सजा पाने वाली केरल की नर्स निमिषा प्रिया की मौत की सजा फिलहाल टाल दी गई है। उसे 16 जुलाई को सजा-ए-मौत दी जानी थी। न्यूज एजेंसी एएनआई ने मंगलवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक एक्टिविस्ट ग्रुप और प्रभावशाली धार्मिक नेताओं ने इस मामले में दखल दिया, जिसके बाद निमिषा प्रिया की मौत की सजा स्थगित कर दी गई है। इससे पहले निमिषा को मौत की सजा से बचाने के लिए डिप्लोमैटिक लेवल पर भी कई कोशिशें की गई थीं। खबर यह भी है कि पीड़ित का परिवार अभी तक क्षमादान या ब्लड मनी स्वीकार करने के लिए सहमत नहीं हुआ है।रिपोर्ट के मुताबिक भारत में कंथापुरम के ग्रैंड मुफ्ती एपी अबूबकर मुसलियार और यमन के चर्चित सूफी विद्वान शेख हबीब उमर बिन हाफिज इस मसले पर बातचीत कर रहे हैं। इसमें यमन के सुप्रीम कोर्ट के एक जज और मृतक के भाई भी शामिल हैं। यमन के शेख हबीब को बातचीत के लिए मुफ्ती मुसलियार ने मनाया। ऐसा भी पहली बार हुआ है जब पीड़ित परिवार का कोई करीबी सदस्य बातचीत को तैयार हुआ है। यह बातचीत शरिया कानून के तहत हो रही है,***आगे की खबर पेज संख्या 7 पर...***

भारत के धर्मगुरु | यमन के धर्मगुरु

पटना में रनवे टच करके दोबारा उड़ा विमान,4 चक्कर लगाकर दोबारा लैंडिंग कराई,173 यात्रियों की जान आई हलक में

पटना। दिल्ली से आने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई2482 मंगलवार को पटना एयरपोर्ट पर लैंड करने के बाद दोबारा उड़ गई। फिर, तीन-चार चक्कर लगाने के बाद फ्लाइट ने दोबारा लैंड किया। इस दौरान दिल्ली से पटना आ रहे करीब 173 यात्रियों की सांसें 5 मिनट तक अटकी रहीं। दोबारा लैंडिंग के बाद यात्रियों ने राहत महसूस की। सूत्रों के अनुसार, मंगलवार की रात करीब 9 बजे दिल्ली से पटना आने के बाद पायलट ने विमान की लैंडिंग कराई। हालांकि, विमान टचिंग पॉइंट को थोड़ा ओवरशूट कर गया था। पटना एयरपोर्ट का रनवे छोटा है। पायलट को लगा कि रनवे पर विमान को नहीं रोक पाएंगे तो उन्होंने दोबारा विमान को ऊपर उठा लिया। ऐसा होता देख यात्री परेशान हो गए।यात्रियों को लगा कि कोई इमरजेंसी हो गई। क्रू मेंबर ने यात्रियों से कहा कि कोई इमरजेंसी नहीं हुई है। तकनीकी कारणों की वजह से विमान को फिर से टेकऑफ किया गया है। चार-पांच मिनट में लैंडिंग हो जाएगी। यात्री धैर्य रखें।फिलहाल पटना एयरपोर्ट के रनवे की लंबाई 2,072.64 मीटर है। इसे ,584.96 मीटर और बढ़ाकर 3657.6 मीटर करने की तैयारी चल रही है। यह कवायद केंद्र सरकार के सर्कुलर के बाद तेज हुई है। दरअसल, केंद्र सरकार ने अहमदाबाद हादसे के बाद देशभर के सभी एयरपोर्ट की सुरक्षा को लेकर एडवाइजरी जारी की है। उसमें रनवे की लंबाई और सुरक्षा को लेकर खास निर्देश दिया गया है।रनवे बढ़ाने की जरूरत हैं- पटना एयरपोर्ट के डायरेक्टर रह चुके एक अधिकारी ने बताया, 'फिलहाल विमान रनवे पर होगा या फिर कोई

यूपी एसटीएफ ने हथियार और गांजा तस्करों को किया गिरफ्तार कानपुर से लेकर महाराष्ट्र तक कनेक्शन

लखनऊ।उत्तर प्रदेश एसटीएफ ने दो बड़ी सफलताएं हासिल की हैं। पहली कार्रवाई में, चित्रकूट से एक अंतरराज्यीय हथियार तस्कर को हथियारों के जखीरे के साथ गिरफ्तार किया गया, जो महाराष्ट्र में हथियारों की सप्लाई करता था। उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) को दो अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता मिली है। एसटीएफ ने एक ओर जहां अंतरराज्यीय अवैध हथियार तस्करी में लिप्त एक शातिर आरोपी को चित्रकूट से गिरफ्तार किया है। वहीं दूसरी ओर कानपुर से गांजे की तस्करी कर रहे चार तस्करों को रंगे हाथों दबोच लिया है। दोनों मामलों में भारी मात्रा में अवैध हथियार, कारतूस और मादक पदार्थ बरामद हुए हैं। एसटीएफ की टीम ने चित्रकूट के मानिकपुर क्षेत्र से एक शातिर हथियार तस्कर मोशेश साल्वी (निवासी ठाणे, महाराष्ट्र) को गिरफ्तार किया है। आरोपी से भारी मात्रा में हथियार और कारतूस बरामद हुए हैं। इसके पास से 1 रिवाल्वर (.32 बोर), 1 तमंचा (.315 बोर), 30 कारतूस (.32 बोर पिस्टल), 31 कारतूस (.32 बोर रिवाल्वर), 9 कारतूस (9 एमएम), 1 कारतूस (.315 बोर), मोबाइल फोन, 1140 रुपये नगद और ड्राइविंग लाइसेंस बरामद हुआ है।पूछताछ में तस्कर मोशेश साल्वी ने खुलासा किया कि वह बिहार के मुंगेर से हथियार खरीदकर मुंबई समेत पूरे महाराष्ट्र में ऊंचे दामों पर सप्लाई करता था। अब तक सैकड़ों हथियार बेच चुका है। इस पर मानिकपुर थाने में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।दूसरी बड़ी कार्रवाई में एसटीएफ ने कानपुर-इटावा हाईवे के पास निर्माणाधीन रिंग रोड से एक ट्रक में गांजा की खेप लेकर आ रहे चार तस्करों को गिरफ्तार किया है। इन आरोपियों की पहचान कन्नौज निवासी शाने आलम, अली उर रहमान, ब्रजेश और दिलीप के रूप में हुई है। इनके पास से 76 किलो गांजा, ट्रक (ळङ 74 ँऊ 0175), 2 मोबाइल फोन, आधार कार्ड, वोटर कार्ड और 1130 रुपये नगद बरामद हुए हैं।आरोपी ब्रजेश ने बताया कि वह ट्रक में उड़ीसा से गांजा लाता था और शाने आलम से 10,000 रुपये प्रति ट्रिप लेता था। शाने आलम और अली उर रहमान कानपुर में गांजा अधिक कीमत पर बेचते थे। आरोपियों पर थाना सचेण्डी, कानपुर में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

प्रयागराज में स्कूल बस में बच्चों से मारपीटःसीट विवाद में अभिभावक ने मारा थप्पड़, नाराज छात्र बस लेकर पहुंचे थाने

प्रयागराज। गंगानगर झूंसी स्थित एक निजी विद्यालय की बस में मंगलवार को छात्रों से मारपीट का मामला सामने आया। थरवई थाना क्षेत्र के चिरौंड़ा तिराहे के पास सीट को लेकर विवाद हुआ। कुछ स्थानीय अभिभावक बस में चढ़े और बच्चों से मारपीट की। घटना से नाराज छात्रों ने बस चालक को उतारकर खुद बस लेकर फूलपुर कोतवाली पहुंच गए। थाने में बस और बच्चों को देखकर पुलिसकर्मी भी आश्चर्यचकित रह गए। बच्चे और बस करीब एक घंटे तक कोतवाली परिसर में रहे।इस दौरान विद्यालय प्रबंधन की ओर से एक शिक्षिका कुछ अधिवक्ताओं के साथ कोतवाली पहुंची। बच्चों को आश्वासन दिया गया कि आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इसके बाद बच्चे शांत होकर बस से अपने घर लौट गए।फूलपुर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि घटना थरवई थाना क्षेत्र की होने के कारण संबंधित पक्षों को वहीं भेज दिया गया। अभी तक न कोई लिखित शिकायत मिली है और न ही कोई मुकदमा दर्ज हुआ है। सभी बच्चे सुरक्षित अपने घर पहुंच गए हैं।

पीडीए कर्मचारी संगठन चुनाव की वोटिंग 23 को,अध्यक्ष, उपाध्यक्ष पद पर कांटे की लड़ाई मतदान के बाद शाम को नतीजे

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण 'कर्मचारी संगठन' चुनाव 2025 के लिए 23 जुलाई को वोटिंग होगी। नामांकन प्रक्रिया शुरु होने के बाद से उम्मीदवारों ने भरे पर्चे भर दिए हैं। प्रयागराज विकास प्राधिकरण कर्मचारी संगठन के सामान्य निर्वाचन की प्रक्रिया प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अमित पाल शर्मा के निर्देशन में शुरु हुई। अध्यक्ष, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, महामंत्री, कोषाध्यक्ष सहित अन्य पदों पर पर्चे दाखिल हुए हैं। अध्यक्ष पद के लिए नामांकन करने वाले प्रमुख उम्मीदवारों में कुंवर आनंद सिंह, दौलत रामपाल, आलोक अग्रवाल, राजेश कुमार सिंह आदि हैं। महामंत्री पद के लिए नामांकन दाखिल करने वालों में आशुतोष तिवारी, विजय शंकर शुक्ला आदि हैं। चुनाव प्रक्रिया की शुरुआत 11 जुलाई से हुई। नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी की तिथि 14 जुलाई थी। मतदान प्रक्रिया 23 जुलाई को 10 सुबह बजे से शाम पांच बजे तक चलेगी। मतदान के पश्चात शाम 6 बजे से मतगणना होगी। जीते हुए प्रत्याशी को प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे। पीडीए कर्मचारी संगठन सामान्य निर्वाचन के लिए निर्वाचन अधिकारी संजीव कुमार, उपाध्यक्ष (विशेष कार्याधिकारी), मोहम्मद फरहान, (सहायक नगर नियोजक) को उप निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया है।

बंधवा हनुमान मंदिर से पानी उतराःयमुना का जलस्तर 81.45 मीटर तक पहुंचा, मंदिर अभी श्रद्धालुओं के लिए बंद

प्रयागराज। संगम नगरी में स्थित प्रसिद्ध बंधवा हनुमान मंदिर में अब बाढ़ का पानी उतर गया है। कल यानी मंगलवार को यमुना नदी के जलस्तर में अचानक हुई वृद्धि के कारण मंदिर परिसर में पानी भर गया था और भगवान लेटे हनुमान जी को जल स्नान हुआ था। लेकिन राहत की बात ये है कि अब जलस्तर में गिरावट दर्ज की गई है और मंदिर का पूरा परिसर खाली हो चुका है। हालांकि, सावधानीवश मंदिर को अभी भी आम श्रद्धालुओं के लिए बंद रखा गया है। कल दोपहर के समय यमुना नदी के जलस्तर में काफी तेजी से बढ़ोतरी देखी गई थी।नैनी गेज स्टेशन पर यमुना का जलस्तर 81.45 मीटर रिकॉर्ड किया गया, जो खतरे के निशान 84.734 मीटर से लगभग 3.28 मीटर नीचे था, लेकिन कल सुबह की तुलना में यह लगभग 12 सेमी अधिक था। इसी कारण किला घाट की ओर से पानी मंदिर परिसर में तेजी से घुस आया और हनुमान जी की मूर्ति जलमग्न हो गई। इसे श्रद्धालुओं ने 'प्राकृतिक जलाभिषेक' के रूप में देखा। लेकिन बुधवार को जब यमुना का जलस्तर घटकर फिर 12 सेंटीमीटर की गिरावट के साथ 81.45 मीटर तक पहुंचा, तब पानी धीरे-धीरे मंदिर से निकलने लगा और अब पूरा परिसर खाली हो चुका है।प्रशासन की ओर से सभी तटबंधों की निगरानी की जा रही है और सभी बांध सुरक्षित बताए गए हैं।

प्रयागराज में मोबाइल चोरी होते ही अकाउंट खाली

प्रयागराज। इन दिनों साइबर ठगी के कई अजीबोगरीब केस सामने आए हैं। साइबर अपराध की दुनिया में एक नया और अत्यंत खतरनाक ट्रेंड सामने आया है। मोबाइल चोरी होते ही पीड़ित के बैंक खाते से बड़ी रकम निकाल निकल जाती है। शहर और देहात क्षेत्र में ऐसे कई केस सामने आने के बाद प्रयागराज साइबर सुरक्षा की टीम ने सतर्कता अभियान शुरू किया है। इसके बाद पुलिस टीम सभी विभागों में जाकर लोगों को सतर्क और जागरूक कर रही है। उत्तर प्रदेश पुलिस के साइबर सुरक्षा वक्ता जय प्रकाश सिंह का कहना है कि जांच कर इस तरह की धोखाधड़ी के पीछे छिपे एक तकनीकी लूपहोल को पहचान की है। इसे मामले को आला अफसरों के संज्ञान में लाएं हैं। संबंधित अधिकारियों को ईमेल भेजकर पूरा मामला बताया गया है।वे बताते हैं कि इस धोखाधड़ी की प्रक्रिया अत्यंत संवेदनशील है, जिसे सार्वजनिक रूप से साझा करना उचित नहीं होगा, क्योंकि इससे अपराधियों को इसका दुरुपयोग करने का रास्ता मिल सकता है।भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों से मोबाइल चोरी किया जाता है। चोर उसमें लगी सिम निकालकर अपने फोन में डालते हैं। तकनीकी तरकीबों से वे खाते की जानकारी हासिल करते हैं और बिना ओटीपी के भी पैसे ट्रांसफर कर देते हैं।प्रयागराज में भारतीय सेना के एक सेवानिवृत्त जवान के साथ इस तरह की घटना सामने आई है, जिसमें 1 जुलाई 2025 से 5 जुलाई 2025 के बीच 3 लाख रुपये उनके खाते से निकल गए।इससे बचने का सबसे सरल और प्रभावी उपाय है सिम कार्ड लॉक एक्टिवेट करना। मोबाइल की सेटिंग में जाकर 'एछ्र ऍ थ्दम्' ऑन करें। इससे यदि कोई आपके फोन से सिम निकालकर दूसरे डिवाइस में लगाएगा, तो वह बिना सही पिन डाले सिम का उपयोग नहीं कर पाएगा।

आरसीबी के बॉलर यश दयाल की गिरफ्तारी पर रोक,यौन शोषण केस में हाईकोर्ट बोला- एक-दो दिन मूर्ख बनाया जा सकता है, 5 साल नहीं

प्रयागराज।क्रिकेटर यश दयाल की गिरफ्तारी पर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। कोर्ट ने कहा- आपको एक दिन, दो दिन के लिए मूर्ख बनाया जा सकता है। मगर 5 साल के रिश्ते में किसी को मूर्ख नहीं बनाया जा सकता। यौन उत्पीड़न की एफआईआर के खिलाफ यश दयाल ने याचिका दाखिल की थी। मंगलवार को न्यायमूर्ति सिद्धार्थ वर्मा व अनिल कुमार की खंडपीठ ने सुनवाई की। हाईकोर्ट ने इस मामले में विपक्षी पार्टी को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। क्रिकेटर पर एक युवती ने शादी का झांसा देकर यौन शोषण का आरोप लगाया है। शिकायतकर्ता के मुताबिक दोनों की मुलाकात लगभग पांच साल पहले हुई थी। 27 साल के दयाल के खिलाफ 6 जुलाई को गाजियाबाद के इंदिरापुरम पुलिस स्टेशन में बीएनएस की धारा 69 (धोखे से यौन संबंध बनाना) के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।यश दयाल के वकील गौरव त्रिपाठी ने बताया- यौन शोषण की एफआईआर को क्रिकेटर ने कोर्ट में चैलेंज किया था। मैंने ही याचिका दाखिल की थी। कोर्ट ने गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। विपक्षी को नोटिस जारी कर बुलाया गया है। उनका जवाब आने के बाद आगे की कार्रवाई होगी। मामले में अगली सुनवाई 4-6 हफ्ते में होगी।आईपीएल चैंपियन आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने यौन शोषण का आरोप लगाने वाली युवती के खिलाफ प्रयागराज पुलिस में शिकायत दी थी। पुलिस कमिश्नर जोगेंद्र कुमार से कहा- जिस युवती ने मुझ पर आरोप लगाया है, वो गलत है। मुझे फंसाया जा रहा है। युवती ने मेरा आईफोन और लैपटॉप चोरी कर लिया है। जबरन शादी का दबाव बना रही है। उसने इलाज के बहाने मुझसे पैसे लिए। मैंने जब उससे पैसे वापस मांगे तो वह शादी का दबाव बनाने लगी। मामले की जांच कर रहे खुल्दाबाद इंस्पेक्टर सुरेंद्र वर्मा का कहना है कि शिकायत पर जांच की जा रही है। अभी एफआईआर दर्ज नहीं की गई है। सबूत मांगे गए हैं। क्रिकेटर ने 8 जुलाई को प्रयागराज पुलिस को शिकायत दी थी। यश दयाल ने खुद पर एफआईआर होने के एक दिन बाद 8 जुलाई को गाजियाबाद पुलिस को जवाब भेजा। डेढ़ पेज के जवाब में लिखा- मेरी युवती से सिर्फ दोस्ती थी। इसके अलावा कोई संबंध नहीं थे। शादी का कोई वादा नहीं किया था, न ही शादी की कोई बात हुई थी।युवती ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि मैं इंदिरा नगर के एक अपार्टमेंट में रहती हूं। मेरी शिकायत यश दयाल के खिलाफ है, जो कि एक क्रिकेटर हैं। मैं उनके साथ पिछले 5 साल से रिलेशन में थी। यश ने शादी का झूठा वादा कर मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। उन्होंने मुझे अपने परिवार से मिलवाया। उन्होंने मुझे बहू के समान दर्जा दिया। मैंने इस रिश्ते को पूरी सच्चाई और समर्पण के साथ निभाया, लेकिन सच्चाई यह थी कि उन्होंने इस रिश्ते को सिर्फ शारीरिक और भावनात्मक शोषण के लिए इस्तेमाल किया। जब भी मैंने यश की धोखेबाजी और दूसरी लड़कियों से संबंध पर बात की, तो उन्होंने मेरे साथ शारीरिक हिंसा की। फिर माफी मांगकर मुझे बहलाया, लेकिन इस व्यवहार से मैं इमोशनली टूट गई। मेरा कॉन्फिडेंस कमजोर हो गया। उसने मुझे इकोनॉमिकली और मेंटली अपने पर निर्भर कर लिया।मैं लंबे समय तक डिप्रेशन में रही। मैंने अपना इलाज भी करवाया, लेकिन नॉर्मल जिंदगी जीना मुश्किल हो गया है। मैंने कई बार सुसाइड की भी कोशिश की क्योंकि मैं मेंटल पेन नहीं झेल पा रही हूं, लेकिन यश और इनका परिवार झूठी सांत्वना देते रहे कि इस घर में तुम ही आओगी और बहलाते रहे। पीड़िता ने एफआईआर में लिखवाया- मुझे यह भी पता चला कि मेरे साथ रहते हुए यश अन्य लड़कियों के साथ भी रिश्ते में थे। यह जानकर गहरा मानसिक आघात लगा। मैं पूरी तरह से टूट गई। मैंने मुश्किल से खुद को संभाला। मैंने सब कुछ भगवान के इंसाफ पर छोड़ दिया। लेकिन सारा सच जानने के बाद मुझे सच और आत्मसम्मान के लिए लड़ना आवश्यक हो गया। मैं नफरत नहीं सिर्फ न्याय मांग रही हूं। मेरी आवाज सुनी जाए। जब सिस्टम सच के साथ खड़ा होता है, तब हर चुप रहने वाली लड़की को ताकत मिलती है। मेरे पास आवश्यक साक्ष्य (चैट, वीडियो, कॉल फोटो) भी हैं, जो हमारे रिश्ते को दिखाते हैं। मैं उन्हें दिखाने के लिए तैयार हूं।यश दयाल ने 2 साल पहले अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर मुस्लिम विरोधी स्टोरी लगाई थी। विवाद बढ़ने पर उन्होंने स्टोरी डिलीट कर दी। बाद में दयाल ने सफाई में कहा था- 'मेरे इंस्टाग्राम अकाउंट से 2 स्टोरी पोस्ट की गई, लेकिन मैं बताना चाहूंगा कि दोनों स्टोरी मैंने पोस्ट नहीं की थी।'यश दयाल आईपीएल में अपने वैरिएशन के लिए जाने जाते हैं। प्रयागराज के रहने वाले दयाल नई गेंद और डेथ ओवर्स की गेंदबाजी में माहिर हैं। वे आईपीएल में अब तक 43 विकेट ले चुके हैं। दयाल 2 अलग-अलग टीम से आईपीएल टाइटल जीत चुके हैं।2022 में गुजरात टाइटंस की ओर से पहली बार आईपीएल चैंपियन बने। जब गुजरात ने राजस्थान रॉयल्स को 5 विकेट से हराया था।2025 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से दूसरी बार आईपीएल चैंपियन बने। बेंगलुरु ने पंजाब को 6 रन से हराकर खिताब जीता था।यश दयाल पहली बार 2023 में चर्चा में आए थे, जब केकेआर के रिंकू सिंह ने उनके एक ओवर में 5 छक्के मारकर कोलकाता को जीत दिलाई थी। 27 साल के यश ने 2022 में गुजरात की ओर से डेब्यू किया था। तब उन्होंने 9 मैचों में 11 विकेट लेकर अपनी टीम को पहले ही सीजन में चैंपियन बनाया। 2024 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दयाल को अपने खेमे में शामिल किया। तब दयाल ने 15 विकेट झटके, इनमें एमएस धोनी का वह विकेट भी शामिल रहा, जो उन्होंने चिन्नास्वामी स्टेडियम में लिया था। उसी विकेट की बदौलत आरसीबी ने प्लेऑफ में जगह बनाई थी। उस विकेट का इनाम यश दयाल को मेगा ऑक्शन में मिला, जब उन्हें आरसीबी ने 5 करोड़ रुपए में रिटेन कर लिया। 2025 के 15 मैचों में 9.72 की इकोनॉमी से बॉलिंग करते हुए दयाल ने 13 विकेट लिए।

सुचना

सूचित हो कि मेरे भूमि की पूर्ण रजिस्ट्री जो मौजा-भिखनापुर परगना तहसील चायल जिला कौशाम्बी की अराजी संख्या 296 से सम्बंधित हैं और दिनांक 13-7-1994 को पुस्तक न. 1 के खंड 249 पृष्ट 67-80 पर क्रमश 2482 पर दर्ज हैं और वीरेंद्र कुमार आदि के नाम थी जो कहीं खो गयी हैं बहुत खोजने पर भी प्राप्त नहीं हो सकीय उधर रजिस्ट्री मेरे द्वारा बेची/बंधक नहीं की गयी हैं। यदि किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो प्रकाशन के 14 दिन के अंदर निचे लिखे पते पर आपत्ति दर्ज कराये।

रीता देवी पत्नी नरेश कुमार साहू .
अधिवक्ता प्रद्युम्न श्रीवास्तव
एडवोकेट मो. 945059664

NOTICE

It is inform that previous sale deed of my land which belong to mauza bhikhanapur tehsil va pargana chail district kaushambi. Arazi no 296 registered at book -1 part 249 page 67-80 serial 2482 bi in the name of virendra kumar and other have not sell or mortgage the same if any one having objection registered it address below within 14 days from the publication.

Rita devi w/o Naresh kumar sahu
c/o pradduman Srivastava advocate
Mobile no 9450596647

सीएम तक पहुंची डिप्टी सीएमओ डॉ. हेमंत की शिकायत,प्रयागराज में डीएम ने दिए हैं जांच के आदेश, इसके पहले ही बनी थी जांच कमेटी

प्रयागराज। स्वास्थ्य विभाग में गड़बड़झाला व भ्रष्टाचार की शिकायत कोई नई बात नहीं है। लेकिन जब विभाग के जिम्मेदार अधिकारी ही इसमें शामिल हों तो आखिर जांच कैसे पूरी हो? अब प्रयागराज में तैनात डिप्टी सीएमओ डॉ. हेमंत सिंह की शिकायत सीधे मुख्यमंत्री तक पहुंची है। वित्तीय अनियमितता किए जाने व विभिन्न योजनाओं में बजट में मनमानी किए जाने की शिकायत पर जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मांदड़ ने जांच कमेटी तो गठित कर दी है लेकिन अब ऐसे में सवाल यह उठता है कि उनकी जांच पूरी कैसे होगी? कुछ महीने पहले भी शिकायत पर सीडीओ रहे गौरव कुमार ने इस प्रकरण में जांच के आदेश सीएमओ प्रयागराज को दिए थे लेकिन जांच हुई ही नहीं। क्योंकि जांच कमेटी में सीएमओ आफिस में तैनात एसीएमओ व डिप्टी सीएमओ थे। सीडीओ ने जांच न होने का कारण भी भी सीएमओ से पूछा लेकिन कुछ नहीं हुआ। अब जिलाधिकारी ने जांच कमेटी बनाई है, अब ऐसे में सवाल उठता है कि अब जांच निष्पक्ष हो पाएगी या नहीं?डॉ. हेमंत सिंह 12-13 वर्षों से प्रयागराज में ही तैनात हैं। इसके पहले वह चाका सीएचसी पर वर्षों तक अधीक्षक रहे। पैरवी के बाद वह प्रयागराज के सीएमओ आफिस में बतौर डिप्टी सीएमओ बन गए। एक भाजपा नेता ने मुख्यमंत्री से शिकायत की। जिसमें कहा गया कि डॉ. हेमंत सिंह एनसीडी (गैर संचारी बीमारी) सेल व आरबीएसके (राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम) के नोडल हैं। हर बिल पर कमीशन मांगते हैं। शिकायत भी यह मांग की गई है डॉ. हेमंत सिंह से संबंधित बिल वाउचर की जांच करा ली जाए तो सब स्पष्ट हो जाएगा। वहीं, एक वरिष्ठ अधिवक्ता ने भी उच्चाधिकारियों से शिकायत की थी। जिसमें अधिवक्ता ने कहा था, डॉ. हेमंत सिंह चाका में अधीक्षक थे और एचआरए लेते रहे।3 जून को जिलाधिकारी सर्किट हाउस में जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक कर रहे थे। आरबीएसके के नोडल अधिकारी व डिप्टी सीएमओ डॉ. हेमंत सिंह की लापरवाही पर डीएम ने उनकी जमकर क्लास लगाई थी। दरअसल, काफी दिनों से 2 दिव्यांग बच्चों की सर्जरी नहीं हो पा रही थी, इस पर डीएम ने जब कारण पूछा तो डॉ. हेमंत सिंह जवाब नहीं दे सके। इस पर डीएम ने कहा, जब तक दोनों बच्चों का ऑपरेशन नहीं हो जाता है तब तक के लिए डॉ. हेमंत सिंह का वेतन रोका जाए।इस संबंध में सीएमओ डॉ. एके तिवारी का कहना है कि डीएम के आदेश पर डॉ. हेमंत सिंह के मामले की जांच हो रही है। इसके पहले सीडीओ की तरफ से जांच के लिए निर्देशित किया गया था कि लेकिन शिकायतकर्ता ने एफिडेविट नहीं दिया था इसलिए जांच नहीं हो सकी थी।

गंगा-यमुना का जलस्तर बढ़ा,नागवासुकी, दारागंज, सलोरी के हजारों घर बाढ़ की चपेट में, प्रशासन जरूरी साम्रगी उपलब्ध करा रहा

प्रयागराज। उत्तराखंड और हिमालयी क्षेत्रों में लगातार हो रही भारी बारिश का असर अब प्रयागराज में भी साफ नजर आने लगा है। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है, जिससे संगम नगरी के निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बनते जा रहे हैं। खासतौर पर नागवासुकी, छोटा बघाड़ा, सलोरी, दारागंज और कछारी इलाकों में पानी भरना शुरू हो गया है। इन इलाकों के सैकड़ों परिवार दहशत में हैं और राहत की बाट जोह रहे हैं। हालांकि अभी नदियां 84.73 मीटर के खतरे के निशान से नीचे बह रही हैं, लेकिन जलस्तर में तेजी से हो रही वृद्धि प्रशासन के लिए चिंता का विषय बन गई है। इसी को देखते हुए प्रशासन ने अलर्ट मोड में काम शुरू कर दिया है। संभावित बाढ़ प्रभावित इलाकों से लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाने की कवायद तेज हो गई है। राहत शिविर बनाए जा चुके हैं और जरूरी सामग्री जैसे भोजन, दवाएं और पीने का पानी उपलब्ध कराया जा रहा है।बाढ़ नियंत्रण कक्ष को 24 घंटे सक्रिय रखा गया है, जहां जल निगम, जलकल विभाग, स्वास्थ्य विभाग और एनडीआरएफ की टीमें समन्वय के साथ काम कर रही हैं। बिजली विभाग ने कुछ जलमग्न इलाकों में एहतियात के तौर पर बिजली की आपूर्ति बंद कर दी है। हर साल नागवासुकी इलाके में करीब 300 से ज्यादा घर बाढ़ से प्रभावित होते हैं, जबकि छोटा बघाड़ा, सलोरी, दारागंज और राजापुर के कछारी मोहल्लों में हजारों लोग परेशान होते हैं। इस बार जलस्तर में तेजी से हुई वृद्धि ने संकट और बढ़ा दिया है। बच्चे स्कूल नहीं जा पा रहे, राशन और दवाओं की आपूर्ति बाधित हो गई है और गंदगी फैलने से बीमारी का खतरा भी बढ़ गया है। हालांकि नगर निगम की सफाई टीमें लगातार काम कर रही हैं। अगर जलस्तर की यह गति बनी रही, तो आने वाले कुछ दिनों में कई मोहल्ले पूरी तरह से जलमग्न हो सकते हैं।

यूपीपीसीएल अध्यक्ष बिल वसूली में लापरवाही पर लिया एक्शनःगायब अधीक्षण अभियंता की वेतन कटौती, तो कम वसूली पर अवर अभियंता निलंबित

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड के अध्यक्ष डॉ. आशीष गोयल ने बिना सूचना ड्यूटी से गायब रहने पर अमेठी के अधीक्षण अभियंता का एक दिन का वेतन रोकने का आदेश दिया है। वहीं, सुल्तानपुर जिले के उपकेंद्र गंगापुर भूरया में अत्यंत कम बिल वसूली पर वहां के अवर अभियंता को सस्पेंड कर दिया। जबकि अन्य जिम्मेदारों को हटाने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को डिस्कॉम की समीक्षा बैठक में डॉ गोयल ने सुल्तानपुर के गंगापुर भूरया उपकेंद्र में बिजली बिल वसूली में भारी कमी और शत-प्रतिशत बकाया रहने पर कड़ा एक्शन लेते हुए अवर अभियंता को निलंबित करने और अन्य जिम्मेदार कर्मियों को स्थानांतरित करने का आदेश दिया है। डॉ. गोयल ने कहा कि जहां बिजली बिल जमा नहीं हो रहा, बकाया 100फीसदी है और बिजली चोरी की शिकायतें हैं, वहां आपूर्ति व्यवस्था कैसे सुचारु रहेगी? उन्होंने जिम्मेदार अधिकारियों पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि बिना सूचना गायब रहना गंभीर लापरवाही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।अध्यक्ष ने निर्देश दिए कि मीडिया में भ्रामक या असत्य खबरें प्रसारित होने पर तत्काल सही तथ्यों के साथ खंडन भेजा जाए। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी।17, 18 और 19 जुलाई को प्रस्तावित बिल रिवीजन कैंपों की सफलता के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश दिए गए। उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए कैंपों में पेयजल, बैठने की व्यवस्था और अन्य सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया। शक्ति भवन से अधिकारी कैंपों का निरीक्षण करेंगे।कम राजस्व वसूली वाले क्षेत्रों में एसडीओ और अवर अभियंताओं पर कार्रवाई के आदेश दिए। पश्चिमांचल में ट्रांसफॉर्मर क्षति बढ़ने पर निदेशक (तकनीकी) से स्पष्टीकरण मांगा है। साथ ही, स्थानीय फॉल्ट को न्यूनतम समय में ठीक करने और उपभोक्ताओं को बिजली आपूर्ति की सटीक जानकारी देने पर जोर देने का निर्देश दिया।डॉ. गोयल ने बिजली चोरी रोकने और बिल वसूली के लिए तेजी से प्रयास करने को कहा। सही बिल समय पर उपलब्ध कराने और गलत बिल की शिकायतों का तुरंत समाधान करने के निर्देश दिए। गर्मी को देखते हुए सभी क्षेत्रों में पर्याप्त और नियमित बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया।कांवड़ यात्रा के दौरान बिजली आपूर्ति और सुरक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाने के निर्देश दिए। साथ ही, जुलाई से सभी कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति शतप्रतिशत अनिवार्य करने को कहा है। एलएमवी-10 श्रेणी में मीटर लगाने के निर्देश दिए हैं, जिसमें अनुपालन न करने वालों पर सख्ती होगी।अध्यक्ष ने सभी अधीक्षण और अधिशासी अभियंताओं को अपने क्षेत्रों में गहन समीक्षा और दौरे करने के निर्देश दिए, ताकि राजस्व वसूली और अन्य कार्यों में तेजी आए। बैठक में विद्युत आपूर्ति, राजस्व वसूली, ट्रांसफॉर्मर क्षति, आरडीएसएएस और बिजनेस प्लान की विस्तृत समीक्षा हुई। प्रबंध निदेशक पंकज कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

प्रयागराज में बाढ़ बनी अंतिम यात्रा में बाधा,सड़कों पर अंतिम संस्कार करने को मजबूर लोग, वैकल्पिक इंतजाम नहीं

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोत्तरी के चलते संगम नगरी बाढ़ के गंभीर हालात से जूझ रही है। गंगा-यमुना के संगम तटवर्ती क्षेत्रों में पानी इस कदर फैल गया है कि अब दारागंज स्थित श्मशान घाट भी पूरी तरह जलमग्न हो चुका है। इसके कारण लोगों को अपने स्वजन के अंतिम संस्कार के लिए भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।दारागंज श्मशान घाट प्रयागराज का प्रमुख घाट है, जहां न सिर्फ शहर बल्कि आसपास के क्षेत्रों से भी लोग अंतिम संस्कार के लिए आते हैं। लेकिन अब घाट तक पहुंचने का रास्ता पानी में डूब गया है। घाट परिसर में चारों तरफ पानी भरने के कारण शवों का अंतिम संस्कार संभव नहीं हो पा रहा है। ऐसी स्थिति में मजबूर होकर परिजन अब श्मशान घाट जाने वाली सड़क पर ही लकड़ियां रखकर अंतिम क्रिया कर रहे हैं।अंतिम संस्कार के लिए पहुंचे बैजनाथ त्रिपाठी बताते हैं कि वह अपने रिश्तेदार का शव लेकर आए थे, लेकिन घाट पानी में डूबा मिला। मजबूरी में उन्हें श्मशान घाट जाने वाली सड़क पर ही चिता सजानी पड़ी। स्थानीय निवासी मंगल कुमार ने बताया कि प्रशासन से कोई खास मदद नहीं मिल रही, लोग खुद ही अपने इंतजाम से अंतिम संस्कार कर रहे हैं। बाढ़ की विभीषिका का आलम यह है कि पूरा संगम क्षेत्र जलमग्न हो चुका है। इससे धार्मिक गतिविधियां तो प्रभावित हो ही रही हैं, अब अंतिम संस्कार जैसी आवश्यक प्रक्रिया भी कठिन होती जा रही है। कई स्थानों पर शवों को लेकर लोग नाव के सहारे घाट की ओर बढ़ रहे हैं, लेकिन घाट तक पहुंचना ही मुश्किल हो गया है। जब तक जलस्तर में कमी नहीं आती, तब तक सड़कों पर अंतिम संस्कार लोगों की मजबूरी बनी रहेगी। प्रशासन की ओर से अब तक कोई वैकल्पिक व्यवस्था नहीं की गई है।

जल्द बदलेगा जीरो रोड बस स्टैंड का नक्शा,पीडीए ने नक्शा किया तैयार,जल्द कार्य शुरू होने की उम्मीद

प्रयागराज। संगम नगरी शहर के बीचों बीच स्थित जीरो रोड बस स्टैंड का नक्शा जल्द ही बदलने वाला हैं। इसके लिए 2022 में योजना बनायी गई थी,लेकिन अब इस पर कार्य की शुरुआत होने जा रही है। प्रयागराज विकास प्राधिकरण में इसके लिए नक्शा बनकर तैयार हो गया है। नक्शा के अंतिम मंजूरी मिलने का इंतजार है। इसके बाद निर्माण कार्य शुरू हो जाएगा। जीरो रोड बस स्टैंड को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की तैयारी है।महाकुंभ के पहले होने वाले कार्यों में जीरो रोड बस स्टैंड का सौंदर्यीकरण भी शामिल था। इसके लिए 2022 से योजना को तैयार किया जा रहा था, लेकिन महाकुंभ तक इसका निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। आखिरकार अब जाकर जीरो रोड बस स्टैंड के सौंदर्यीकरण का नक्शा पीडीए तक पहुंच गया है। ऐसे में उम्मीद है कि नक्शा को हरी झंडी मिलते ही निर्माण कार्य शुरू कर दिया जाएगा। पीडीए के अधिकारी भी इसको लेकर तेजी से सक्रियता दिखा रहे हैं।प्रयागराज विकास प्राधिकरण में तैयार नक्शे के हिसाब से जीरो रोड बस अड्डे पर लोगों को मल्टी प्लेक्स का निर्माण किया जाएगा। जहां पर लोगों की सभी जरूरतों के हिसाब से सामान उपलब्ध होंगे। यह एक प्रकार से सुपर मार्केट जैसा होगा। जिससे जीरो रोड बस अड्?डा आने वाले यात्रियों को उनकी जरूरत की हर वस्तुएं आसानी से मिल सकेंगी। इसके लिए पूरा लेआउट उसी प्रकार से तैयार किया गया है। हालांकि अभी पीडीए के अधिकारी इस बारे में कुछ भी बोलने से बच रहे हैं। उनका कहना है कि नक्शा को मंजूरी मिलने के बाद ही इस बारे में कुछ भी कहना सही होगा।

पवन समाजसेवी व्यौहारी जनपद पंचायत अंतर्गत खुलेआम हो रहा भ्रष्टाचार सरपंच सचिव द्वारा सरकारी खजाने को लूट कर बंदर बांट कर रहे हैं

म.प्र/शहडोल व्यौहारी। ग्राम आखेटपुर हरिजन बस्ती डुंगरी टोला में लगभग 5 लाख 10 हजार लागत से बना हुआ था जो बनने के बाद एक महीने के अंदर कई टुकड़ों में टूट कर बिखर गया लगभग 15 मी से ज्यादा पवन समाजसेवी एवं बालक दास चर्मकार के पुत्र पांच और विनोद चर्मकार पांच और ग्राम वासियों द्वारा बताया गया आखेटपुर डोंगरी टोला हरिजन बस्ती कि लगभग 5 लाख 10 हजार के लागत से बनाने के बाद 15 मीटर लंबा 1 महीने के अंदर रोड टूट गया कई टुकड़ों में यह रोड गुणवत्ता विहीन बनाया गया था और ना तो बेस डाला गया था ग्रामीण जनों को आबा गबन में काफी परेशानी हो रही है सरपंच सचिव को इतनी खुली छूट किन के संरक्षण है कि बड़े-बड़े घोटाले व्यौहारी जनपद पंचायत अंतर्गत कई गांव 90इ गांव में खुलेआम सरपंच सचिव द्वारा सरकारी पैसे का खुलेआम बंदर वाट किया जा रहा है भ्रष्टाचार हो रहा है कई जगह अधिकारी जांच में भी जाते हैं उसके बाद भी कार्रवाई नहीं होती और सरपंच सचिव द्वारा खुलेआम सरकारी खजाना अपने जेब में भर रहे हैं शासन प्रशासन मौन बने बैठे हैं ' दुर्गेश कुमार गुप्ता'

जूनियर वर्ग ताइक्वांडो जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन सम्पन्न

रायबरेली। खेल निदेशालय उत्तर प्रदेश लखनऊ के तत्वाधान में जिला खेल कार्यालय रायबरेली के द्वारा जूनियर वर्ग ताइक्वांडो जिला स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 250 बालकों ने प्रतिभा किया। जिसमें मैच का परिणाम इस प्रकार है बालक वर्ग 23 से 25 से के0जी0 कम मोहम्मद उमर खान प्रथम स्थान, अनजनेतम पार्थ द्वितीय स्थान, मोहम्मद इजान तृतीय स्थान, मोहम्मद सिराज चतुर्थ स्थान रहा। इसी प्रकार 25 से 27 के0जी0शौर्य पाल प्रथम स्थान, संबंध कुमार द्वितीय स्थान, शिवांश कश्यप तृतीय स्थान, रुद्र कुमार यादव चतुर स्थान, निर्णायकों का नाम मोहम्मद परवेज खान, अमित श्रीवास्तव, कामरान सिद्दीकी, विवेक श्रीवास्तव, संदीप कुमार, सुश्री सोनाली, शिवानंदी आदि निर्णायक रहे। प्रतियोगिता का मैच का उद्घाटन अभिषेक वर्मा न्यायिक मजिस्ट्रेट सदर रायबरेली एवं उनकी पत्नी महिमा चौधरी एवं अभय कुमार सिंह साईं केंद्र प्रभारी रायबरेली के द्वारा किया गया। उपरोक्त प्रतियोगिता का संपूर्ण संचालन धीरेंद्र कुमार पुरुषोत्तम जिला खेल कार्यालय रायबरेली के द्वारा किया गया। मुख्य अतिथि के द्वारा खिलाड़ियों को खेल प्रति उत्साह बढ़ाया एवं बढ़िया खेल प्रदर्शन करने में प्रेषित किया गया। इस प्रतियोगिता का सफल बनाने हेतु बाबूलाल, मंजू, नरेश कुमार निषाद, जीवन रक्षक सहयोग प्रदान किया गया साथ ही विभाग की ओर से दिए गए दिशा निर्देशों तथा उच्च अधिकारियों के अनुपालन में प्रतियोगिता को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। प्रतियोगिता के अवसर पर वरिष्ठ खिलाड़ी गण उपस्थित रहे।

युवा कांग्रेस संगठन सृजन अभियान बैठक जनपद गौतमबुद्धनगर

नोएडा। युवा कांग्रेस संगठन सृजन बैठक सैक्टर 93 युवा कांग्रेस कार्यालय पर आयोजित

किया गया। संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत जनपद गौतम बुद्ध नगर में जिला पर्यवेक्षक कोऑर्डिनेटर बनाए गए युवा कांग्रेस प्रदेश महासचिव अश्वनी गुर्जर ने युवा कांग्रेस गौतमबुद्धनगर तीनों विधानसभा के पदाधिकारी के बीच संगठन की समीक्षा की जिसमें गौतमबुद्धनगर युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष जावेद खान के नेतृत्व में युवा कांग्रेस गौतमबुद्ध नगर की बैठक का सफल आयोजन संपन्न हुआ। जिसमें मुख्य रूप से एडवोकेट दिनेश अवाना कोऑर्डिनेटर मुजफ्फरनगर शहर कांग्रेस, गाजियाबाद संगठन सृजन अभियान कोडिनेटर राज़ कुमार पंडित,जावेद खान युवा कांग्रेस जिला अध्यक्ष गौतम बुध नगर, बुलन्दशहर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष इसराईल गहलोत, नोएडा विधानसभा युवा कांग्रेस अध्यक्ष नीरज अवाना, ज़ेवर विधानसभा अध्यक्ष गौरव चौधरी,प्रदेश महासचिव उत्तर प्रदेश युवा कांग्रेस पश्चिम शाहबुद्दीन वरिष्ठ कांग्रेस नेता राम भरोसे शर्मा, जिला कांग्रेस कमेटी गौतमबुद्धनगर सोशल मीडिया जिलाध्यक्ष हेमचंद नागर,राम गुप्ता, श्याम दीक्षित,सुमन राय, सैयद मजहर हुसैन,मधु राज,डा सीमा,राम कुमार शर्मा,व पीसीसी सदस्य मोहम्मद चांद, महेदी, सलमा रजा, गुलअफशा, परमवीर लोहिया, राजू भाटी, रणवीर भाटी ,गौरव आधाना , श्याम बाबू,मनीष अवाना व समस्त कार्यकारी के सदस्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

काम की खबर- किस्तों में भी कर सकेंगे गृहकर का भुगतान,नगर निगम ने लोगों की सहूलियत के लिए शुरू की व्यवस्था, बड़े बकायदारों को भी मिलेगा लाभ

प्रयागराज। प्रयागराज नगर निगम की तरफ से गृहकर और

जलकर एक साथ जमा करने में अगर दिक्कत हैं, तो अब परेशान होने की जरूरत नहीं है। नगर निगम की तरफ से किस्तों में उसे जमा करने की व्यवस्था शुरू कर दी गई ह। जिससे बकायदार आसानी से गृहकर और जलकर को नगर निगम में जमा कर सकेंगे। इससे लोगों पर पड़ने वाला बोझ भी कम हो सकेगा। नगर निगम में कई ऐसे बकायदार हैं जिनका गृहकर और जलकर अधिक होने के कारण उसको जमा नहीं कर पाते हैं। इसको देखते हुए निगम की तरफ से लोगों को राहत देने के लिए स्कीम की शुरुआत की गई है। जिसमें लोग अब आसानी से छोटी किस्तों में गृहकर और जलकर को जमा कर सकेंगे। नगर निगम के मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके मिश्रा ने बताया कि इससे लोगों को कर जमा करने में सुविधा होगी। इसके साथ ही नगर निगम को भी टैक्स कलेक्शन करने के टारगेट को पूरा करने में मदद मिलेगी। यह सुविधा जनता के साथ ही निगम के लिए भी लाभदायक होगा। पिछले वर्ष डेढ़ सौ करोड़ टैक्स वसूलने का था लक्ष्य- नगर निगम की तरफ से पिछले वर्ष डेढ़ सौ करोड़ रुपये टैक्स वसूलने का लक्ष्य रखा गया था। जिससे निगम के राजस्व को बढ़ाया जा सके और जन सुविधा को देखते हुए जरूरी कार्य को समय से पूरा कराया जा सके। इस बारे में मुख्य कर निर्धारण अधिकारी पीके मिश्रा ने बताया कि विभाग की तरफ से बड़े बकायदारों को सुविधा देने के लिए व्यवस्था की जा रही है। जिन्होंने लंबे समय से गृहकर और जलकर जमा नहीं किया है। इस वर्ष भी डेढ़ सौ करोड़ का लक्ष्य रखा गया है। जिसको पूरा करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। जिससे निगम के राजस्व को बढ़ाया जा सके।

जहां लगा था महाकुंभ,वह बाढ़ में डूबा,प्रयागराज में पूरा संगम क्षेत्र पानी में डूबा,कई इलाकों में बाढ़ का खतरा

प्रयागराज। जिस संगम क्षेत्र

में दुनिया का सबसे बड़ा आध्यात्मिक मेला महाकुंभ का आयोजन हुआ, जहां पर स्नान करने के लिए पूरी दुनिया से 67 करोड़ से भी ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे, वह स्थान अब बाढ़ की चपेट में है। जहां महाकुंभ के लिए एक नया शहर महाकुंभनगर बसा था, इस समय वहां सिर्फ चारों तरफ पानी ही पानी दिख रहा है। सेक्टर 20 और 21 जहां सभी अखाड़े बसे थे, साधु संतों का जमावड़ा था, कल्पवासी कल्पवास कर रहे थे, वह स्थान अब पहचान में नहीं आ रहा है।दरअसल, गंगा और यमुना के जलस्तर में हो रही लगातार वृद्धि के चलते यह स्थिति हो रही है। दोनों ही नदियों का जलस्तर डेंजर लेवल के करीब पहुंचने वाला है। इससे कछारी इलाकों में रहने वालों के लिए संकट बढ़ गया है। लोग खुद सुरक्षित स्थानों पर जाने लगे हैं। सलोरी, बघाड़ा, अशोक नगर, नेवादा, राजापुर, तेलियरगंज जैसे इलाकों में बाढ़ का खतरा ज्यादा हो गया है।कल मंगलवार को दोपहर में गंगा और यमुना का जल संगम क्षेत्र में स्थित बड़े हनुमानजी मंदिर में पहुंच गया। पवित्र जल से बड़े हनुमानजी का महास्नान हुआ। हनुमानजी अब जलशयन कर रहे हैं। श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए उनकी चल मूर्ति को उपरी तल पर रखा गया है। इसी तरह अक्षयवट का दर्शन भी अब बंद हो गया है। एंट्री प्वाइंट तक पूरा पानी भर गया है।

आरडीए द्वारा आयोजित समाधान दिवस में शमन एवं ओ0बी0पी0ए0एम0 से सम्बन्धित 23 मानचित्रों का निस्तारण किया गया

अवर अभियन्ता प्रवर्तन कार्यों में करे प्रभावी कार्यवाही-एडीएम फाइनेंस

रायबरेली। जिलाधिकारी/

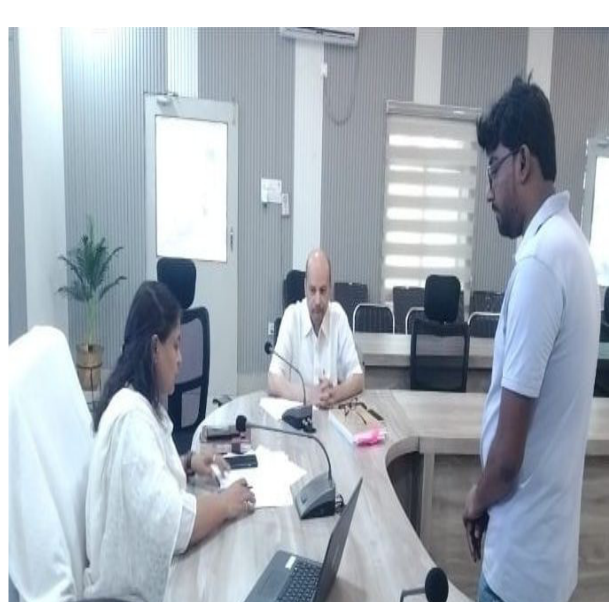

उपाध्यक्ष रायबरेली विकास प्राधिकरण हर्षिता माथुर के निर्देशन व अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0)/सचिव रायबरेली विकास प्राधिकरण अमृता सिंह की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में भवन मानचित्र व शमन मानचित्र की स्वीकृति हेतु समाधान दिवस का आयोजन किया गया, जिसमे शमन एवं ओ0बी0पी0ए0एम0 से सम्बन्धित 23 मानचित्रों का निस्तारण किया गया है, जिसके अन्तर्गत लगभग कुल धनराशि रू0 50.00 लाख प्राधिकरण को प्राप्त होगी। समाधान दिवस में 11 आवेदक आये, जिनकी समस्याओं का निराकरण करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया।

अपर जिलाधिकारी ने सम्बान्धित अवर अभियन्ताओं को प्रवर्तन कार्यों में प्रभावी कार्यवाही करने हेतु भी निर्देश दिये गये।इस अवसर पर अधिशासी अभियंता एम0 अहमद, सहायक अभियंता राजेश कुमार अग्रवाल, अवर अभियंता ओम त्यागी, निष्ठा साहू सहित आरडीए के संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

किसी की बारिश किसी की आफत। जहां एक तरफ कुछ लोगो को बारिश में संगीत सुनाई पड़ता हैं वही कुछ लोग दुआ करतें हैं की बारिश अब न हो जिनके पास आशियाने नहीं होते लेकिन पेट भी पालना होता हैं तो एक तपका जो बाढ़ देखने/घूमने आता हैं वहीं दूसरा तपका घूमने आये लोगो की जरूरतों का सामान बेचता हैं उनके बच्चे खुश होते तो जरूरतमंद का बच्चा खाना खाता हैं। बार्गेनिंग न करना भी एक पुण्य होता हैं बस समय समय की बात होती हैं प्रकृति चलती रहती हैं चलाती रहती हैं आप भी आधुनिक सोच के साथ चलते रहिये बढ़ते रहिये, मुस्कुराते रहिये। (असीम मित्रा) फोटो:इलाहाबादी भौकाल

योगी कब तक रहेंगे... छांगुर के गुर्गों ने दी हिंदुओं से हिसाब-किताब बराबर करने की धमकी!

बलरामपुर। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर में धर्मांतरण के आरोपों से घिरे छांगुर बाबा की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। अब उनके पूर्व मुंशी हरजीत कश्यप ने आरोप लगाया है कि बाबा के समर्थकों ने उन्हें लखनऊ में दिए गए बयान को वापस लेने के लिए जान से मारने की धमकी दी और उन पर हमला किया। इस मामले में कोतवाली उतरौला में 3 नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। हरजीत कश्यप का कहना है कि मीडिया में दिए गए उनके बयान से बौखलाकर यह हमला किया गया है।प्राप्त जानकारी के अनुसार हरजीत कश्यप पुत्र शिव मंगल निवासी ग्राम रसूलाबाद, थाना गैंडास बुजुर्ग ने 3 जुलाई को लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद के माध्यम से मीडिया को एक बयान दिया था। इसमें उन्होंने मधपुर गांव निवासी जलालुद्दीन शाह उर्फ छांगुर पीर पर जबरन धर्म परिवर्तन कराने और मानसिक उत्पीड़न का आरोप लगाया था।हरजीत ने बताया कि इस बयान के बाद पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई से वे संतुष्ट थे, लेकिन 7 जुलाई को जब वे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गैंडास बुजुर्ग में दवा लेने जा रहे थे, तभी उतरौला चौराहा डुमरियागंज रोड पर तीन लोग पहले से घात लगाकर बैठे थे।

पीसीएस ज्योति मौर्या बोलीं-तलाक के बदले 50 लाख मांग रहा,पति को फूटी कौड़ी नहीं दूंगी, कोर्ट में फैसला होगा

बहराइच/प्रयागराज। बहराइच जिले की नानपारा चीनी मिल की प्रबंधक पीसीएस ज्योति मौर्या एक बार फिर चर्चा में हैं। उनके पति आलोक मौर्या ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर गुजारा भत्ता दिलाने की मांग की है। हाईकोर्ट ने याचिका मंजूर कर ली है। 8 अगस्त को सुनवाई होगी। फैमिली कोर्ट के आदेश के खिलाफ आलोक मौर्या ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील दाखिल की है। यह अपील 77 दिन की देरी से दाखिल की गई। इसके लिए उन्होंने डिक्री की अनुपलब्धता के कारण देरी माफ करने का आवेदन भी दिया। पति के तमाम आरोपों पर ज्योति मौर्या से दैनिक भास्कर ने संपर्क किया। इस मसले पर बात करने की कोशिश की। लेकिन उन्होंने साफ मना कर दिया। कहने लगीं- कोर्ट में केस लंबित है, अभी कुछ नहीं बोलूंगी।हालांकि, अनौपचारिक चर्चा में उन्होंने जिंदगी के कुछ दर्द साझा किए। बोलीं- तलाक के एवज में आलोक को 50 लाख रुपए चाहिए। उसे गुजारा भत्ता किस आधार पर चाहिए? जब दोनों बच्चों को मैं पाल रही हूं। कौन सी जिम्मेदारी उठा रहे हैं? मैं एक फूटी कौड़ी नहीं देने वाली। एसडीएम ज्योति मौर्या को कुछ दिन पहले ही नानपारा चीनी मिल की प्रबंधक का दायित्व सौंपा गया है। उन्होंने इस सरकारी चीनी मिल का काम भी संभाल लिया है। हमने नानपारा में ही उनसे संपर्क कर बात करने की कोशिश की।आलोक मौर्या आजमगढ़, जबकि ज्योति वाराणसी की रहने वाली हैं। उनकी शादी करीब 15 साल पहले 2010 में हुई थी। इसके पहले 2009 में आलोक का चयन पंचायती राज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के रूप में हो चुका था। शादी के 2 साल के अंदर ही ज्योति मौर्या सरकारी टीचर बन गईं। टीचर की जॉब मिलने के बाद भी उनकी प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी जारी रही। सचिवालय में समीक्षा अधिकारी पद भी उनका चयन हुआ। फिर उनका चयन एसएससी में भी हुआ। लेकिन, महाराष्ट्र लोकेशन मिलने की वजह से ज्वॉइनिंग नहीं दी। साल-2015 में उनका चयन यूपी-पीसीएस में हुआ और वह एसडीएम बनीं। उसी साल जुड़वां बच्चों की मां भी बनीं। दोनों बेटियां उनके साथ रहती हैं और पढ़ रही हैं।ज्योति मौर्या और आलोक के रिश्ते साल-2014 से ही बिगड़ने लगे थे। हालांकि ज्योति ने इसकी वजह तो नहीं बताई, लेकिन कुछ देर की खामोशी ओढ़ ली। फिर कुछ देर रुकने के बाद कहने लगीं- अब गुजरे जख्म को क्या कुरेदना? हमारे इस सवाल पर कि क्या आपकी सफलता से आलोक को जलन होने लगी थी कि वह सफाई कर्मचारी ही रह गए और पत्नी बड़ी पोस्ट पर है? उन्होंने कहा- ऐसी बात नहीं है। वो आदमी वहां से निकलना ही नहीं चाहता है। बच्चों के होने के बाद रिश्ते में और तल्खी आने लगी थी। ये 2020 तक चलता रहा। फिर अचानक आलोक ने कुछ मैसेज वायरल कर दिए। इसे लेकर मुझ पर कई गंभीर आरोप लगाए।इस सवाल पर ज्योति कहती हैं- मेरे सास-ससुर से मुझे कभी कोई शिकायत नहीं रही। वे काफी अच्छे लोग हैं। जो कुछ परेशानी थी, वो आलोक के चलते थी। आलोक की वजह से जिंदगी में बहुत कुछ झेल रही हूं। मैं तो चाहती थी कि जब साथ नहीं निभ रहा, तो तलाक लेकर अलग हो जाती हूं। पहले वह तैयार भी हो गया था, पर बाद में उसने निर्णय बदल लिया। तलाक के एवज में 50 लाख की डिमांड रख दी है। मैं कोई पैसे नहीं देने वाली हूं। तलाक का केस फैमिली कोर्ट में लंबित है। कोर्ट ही कोई निर्णय लेगा। ज्योति ने कहा कि कोर्ट का निर्णय आने दीजिए, तब मैं अपनी बात रखूंगी।आलोक के हाईकोर्ट में गुजारा भत्ता मांगने की याचिका लगाए जाने पर उनका कहना है- इसका कोई आधार तो होना चाहिए। कानून में साफ है कि पति या पत्नी कोई भी गुजारा भत्ता पा सकता है। लेकिन, इसके लिए कुछ शर्तें तय हैं। जैसे दोनों में कोई एक शारीरिक रूप से दिव्यांग हो और आय का कोई स्रोत न हो। दूसरा आय का स्रोत हो, लेकिन उसकी देनदारी इतनी अधिक हो कि वह अकेले देने में सक्षम न हो। तीसरा बच्चों का पालन-पोषण का खर्च उठाने के एवज में गुजारा-भत्ता मांगा जा सकता है। मेरे केस में ऐसी कोई परिस्थिति नहीं है। दोनों बच्चे मेरे पास रहते हैं। उनका सारा खर्च मैं उठाती हूं। आलोक शारीरिक रूप से भी स्वस्थ हैं। सरकारी जॉब है। इस वजह से आर्थिक परेशानी भी नहीं है। गुजारा-भत्ता मांगे जाने की सूचना मुझे न्यूज के जरिए ही मिली है। मुझे अभी कोर्ट का कोई नोटिस नहीं मिला है। फिर भी मैं अपना जवाब कोर्ट में रखूंगी। आलोक ने पत्नी ज्योति मौर्या पर दूसरे अधिकारी से अफेयर के आरोप लगाए हैं। उसका दावा है कि उसने शादी के बाद पत्नी को पढ़ाया-लिखाया। प्रयागराज में रखकर कोचिंग कराई, सारा खर्च उठाया। जब वह एसडीएम बन गईं, तो मुझसे दूरी बना ली। उसने पहले एक डायरी पेश करते हुए दावा किया था कि इसमें ज्योति के एसडीएम पद पर रहते हुए हर महीने ली जाने वाली रिश्वत की रकम का जिक्र है। हालांकि बाद में वह इस दावे को जांच टीम के सामने साबित नहीं कर पाए और आरोप वापस ले लिए। ज्योति मौर्या ने आलोक पर दहेज उत्पीड़न का केस दर्ज कराया है। ये मामला भी कोर्ट में विचाराधीन है। वहीं, आलोक ने ज्योति पर खुद के मर्डर कराने का गंभीर आरोप भी लगा चुके हैं।

पूर्वांचल में सांपों की तस्करी, अंधविश्वास और काला जादू का गहरा खेल,कई राज्यों में फैला तस्करों का नेटवर्क

महराजगंज। उत्तर प्रदेश में पूर्वांचल क्षेत्र के जंगलों में सांपों की तस्करी का एक चौंकाने वाला

मामला सामने आया है, जो बिहार और बंगाल तक फैला हुआ है। इस तस्करी का मुख्य कारण अंधविश्वास और काला जादू में सांपों के इस्तेमाल को माना जा रहा है। क्षेत्र में सात से आठ प्रजातियों के सांप पाए जाते हैं, लेकिन सबसे अधिक तस्करी रेड सैंड बोआ जो कि दो मुंहा सांप होता है, उसकी हो रही है। यह सांप जहरीला नहीं है, फिर भी सोहगीबरवा सहित पूर्वांचल के जंगलों में पाए जाने वाले इस सांप की मांग बंगाल में ब्लैक मैजिक के लिए बढ़ी है। तस्करी का बढ़ता खतरा पिछले दो सालों में तस्करी के कई मामले सामने आए हैं। पिछले साल वन विभाग की टीम ने दो तस्करों को दो रेड सैंड बोआ सांपों के साथ गिरफ्तार किया था, जो इन्हें बिहार के रास्ते बंगाल ले जाने की फिराक में थे। इसके अलावा, पूर्वांचल में कोबरा, कॉमन करैत और रसेल वाइपर जैसे अत्यधिक जहरीले सांप भी पाए जाते हैं। चिड़ियाघर के मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. योगेश प्रताप सिंह के अनुसार, इन सांपों के काटने से यदि समय पर इलाज न मिले, तो कुछ ही घंटों में जान जा सकती है।राहत की बात यह है कि पूर्वांचल में मिलने वाले 95 फीसदी सांप जहरीले नहीं हैं। इनमें रैट स्नैक (धामिन), चेकर्ड किल बैक (पानी वाला सांप), अजगर, उल्फ स्नैक और रेड सैंड बोआ शामिल हैं। डीएफओ विकास यादव ने बताया कि आबादी वाले क्षेत्रों में रहने वाले सांप आमतौर पर जहरीले नहीं होते, जबकि मरुस्थलीय इलाकों में पाए जाने वाले सांप अधिक खतरनाक होते हैं। उनके अनुसार, आसपास दिखने वाले सांपों में केवल पांच फीसदी ही जहरीले होते हैं।डॉ. योगेश प्रताप सिंह ने चेतावनी दी कि कॉमन करैत, कोबरा से भी अधिक घातक है। यह छोटे दांतों और पतले आकार वाला सांप रात में सबसे अधिक सक्रिय रहता है और काला गेहूंए रंग का होता है।

इसके काटने से देरी होने पर एंटी स्नेक वेनम भी असर नहीं करता। इसके परिणामस्वरूप शरीर में लकवा, उल्टी, पसीना, असहनीय पेट दर्द और हृदय गति धीमी होने के बाद मौत हो सकती है। यह सांप चिड़ियाघर में भी देखा जा सकता है और रेतीले इलाकों में आसानी से मिलता है।वहीं, डीएफओ विकास यादव ने रैट स्नैक की सराहना की, जो किसानों के लिए वरदान साबित होता है। यह सांप हर महीने लगभग 200 चूहों का शिकार करता है, जिससे फसलों को चूहों से बचाया जा सकता है।

गोरखपुर में यह सबसे आम बिना जहर वाला सांप है और प्रकृति के नजरिए से किसानों का सबसे विश्वसनीय मित्र माना जाता है।

नोएडा में फूड डिलीवरी में ब्लंडर, वेज बिरयानी में मिला चिकन

नोएडा। उत्तर प्रदेश में नोएडा के सेक्टर-142 क्षेत्र में एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है, जहां सावन के पहले व्रत के दौरान एक युवक को वेज बिरयानी के बजाय नॉन-वेज बिरयानी डिलीवर होने से उसकी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंची। यह घटना सोमवार को हुई, जब वैभव शर्मा नाम के युवक ने दिनभर के उपवास के बाद ऐप के जरिए मशरूम पनीर वेज बिरयानी का ऑर्डर दिया था।वैभव शर्मा, जो सेक्टर-136 में नौकरी करते हैं, उन्होंने शाम करीब 7:30 बजे एक बिरयानी रेस्टोरेंट से फैमिली पैक वेज बिरयानी मंगवाया, जिसके लिए उन्होंने 1,165 रुपये का भुगतान किया। ऑफिस में पैकेट खोलते ही उन्हें पता चला कि बिरयानी में चिकन के टुकड़े हैं। यह देखकर वह स्तब्ध रह गए, क्योंकि इससे उनके व्रत और धार्मिक भावनाओं का उल्लंघन हुआ।वैभव ने तुरंत इसकी शिकायत पुलिस और फूड सेफ्टी डिपार्टमेंट से की। वह स्वयं बिरयानी रेस्टोरेंट पहुंचे और मालिक से बात की। रेस्टोरेंट मालिक ने अपनी गलती स्वीकार की और बताया कि एक ही समय पर दो ऑर्डर तैयार होने के कारण यह भूल हुई।

नौनिहालों को मौलिक शिक्षा से वंचित करने का कुत्सित प्रयास है विद्यालयों का मर्जर-राजेश शुक्ला

रायबरेली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रान्तीय नेतृत्व के आह्वान पर

आज तीसरे दिन विकास क्षेत्र छतोह के प्रावि भगवतपुर,जगतपुर के प्रावि शंकरपुर,डलमऊ के प्रावि अवस्थीपुर,राही के प्रावि पैंतोमऊ,खीरों के प्रावि निधानखेडा आदि विद्यालयों में ग्रामवासियों,अभिभावकों एवं विद्यालय प्रबंध समिति के पदाधिकारियों के साथ ब्लाक के पदाधिकारियों ने बैठक की,बैठक में एक स्वर से विद्यालयों के मर्जर पर आक्रोश व्यक्त किया गया। जिलाध्यक्ष राजेश कुमार शुक्ला ने कहा कि विद्यालयों का मर्जर करके नौनिहालों को मौलिक शिक्षा से वंचित करने का कुत्सित प्रयास किया जा रहा है। जिला मंत्री मुकेश चंद्र द्विवेदी ने कहा कि यदि मर्जर सकारात्मक कदम है तो फिर गुप-चुप तरीके से एक-एक स्कूल को क्यों आदेश थमाया जा रहा है। हरचंदपुर की ग्राम सभा गुनावर की प्रधान अनुराधा देवी ने कहा हमारी ग्राम सभा के प्रावि महुआखेडा के मर्जर की प्रक्रिया गतिमान है यह जहां भी मर्जर होगा वहां की दूरी दो से ढाई किलोमीटर है,नन्हे मुन्ने बच्चे कहां इतनी दूर जा पाएंगे।छतोह के प्रावि भगवतपुर की अभिभावक जगपता देवी ने कहा कि बच्चे इतनी ही दूर नहीं आ पाते तो दो तीन किलोमीटर कौन बच्चा जा पाएगा। जगतपुर के अभिभावक केशव प्रसाद और प्रेमकली आक्रोशित हैं कि किसी सरकार ने स्कूल बनवाए तो यह सरकार उनको बंद कराने पर क्यों आमादा है। डलमऊ के अवस्थीपुर की विद्यावती और शनी ने कहा कि विद्यालय प्रबंध समिति और अभिभावकों की बात कोई सुनने को तैयार ही नहीं है। अमावां के प्रावि पचवर के अभिभावक हीरालाल ने मर्जर पर आक्रोश व्यक्त करते हुए कहा कि बच्चे खासकर बेटियां किसी भी हालत में तीन किलोमीटर पढने नहीं जा पाएंगे। खीरों के प्रावि निधानखेडा की अभिभावकों ने एक स्वर में कहा कि विद्यालय कहीं नहीं जाना चाहिए। आज की बैठकों में ग्रामीणों ने सरकार द्वारा विद्यालय मर्जर की प्रक्रिया का एक स्वर से विरोध किया।

एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत पूर्व सभासद श्रीमती पार्वती रावत की स्मृति में राजा शारदा में इंटर कॉलेज में टिकट लगाकर पौधारोपण किया

सोनभद्र। आज विधानसभा रावटसगंज नगर मंडल के द्वारा भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष श्री विनय श्रीवास्तव जी के नेतृत्व में उनकी नगर कमेटी एवं पर्यावरण संरक्षण श्री क्रांति सिंह के साथ एक पेड़ मां के नाम के अंतर्गत नगर पालिका के पूर्व सभासद श्रीमती पार्वती रावत की स्मृति में राजा शारदा में इंटर कॉलेज में टिकट लगाकर पौधारोपण किया गया साथ ही अनुसूचित जाति मोर्चा क्षेत्रीय अध्यक्ष सदर ब्लाक प्रमुख देकर श्री विनय श्रीवास्तव जी द्वारा सम्मानित क्षत्रिय अध्यक्ष अनुसूचित जाति मोर्चा सदर ब्लाक प्रमुख जिला रावत ने कहा एक पेड़ मां के नाम आया सम्मान जीवन के एक महत्वपूर्ण अनुभूति की तरह हमेशा याद रहेगा भारतीय जनता पार्टी हमेशा कार्यकर्ताओं का सम्मान करती है और करती रहेगी कार्यक्रम में निवर्तमान मंडल अध्यक्ष श्री राहुल सिंह पटेल जी नगर मंडल महामंत्री अनुपम तिवारी जी संतोष भारती जी राजन गुप्ता जी अभिषेक गुप्ता जी कार्यकर्ता नगर कमेटी के उपस्थित है

सोनभद्र में फर्जी अस्पतालों की जांच की मांग,कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सीएमओ को सौपा ज्ञापन, एंबुलेंस मालिकों पर भी कार्रवाई की मांग

सोनभद्र। सोनभद्र मे फर्जी अस्पतालों और एंबुलेंस सेवाओं के खिलाफ कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आवाज उठाई है। कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे ने 16 जुलाई 2025 को राबर्ट्सगंज स्थित मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय में ज्ञापन सौंपा। दुबे ने बताया कि जिले में कई अस्पताल और नर्सिंग होम मानकों का पालन नहीं कर रहे हैं। उन्होंने 15 जुलाई को राबर्ट्सगंज के एक निजी अस्पताल में हुई एक महिला की मौत का मुद्दा भी उठाया। कांग्रेस नेता ने एंबुलेंस सेवाओं पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि नगर फ्लाईओवर के नीचे खड़ी एंबुलेंस मरीजों को उनकी पसंद के अस्पताल की बजाय अपने चहेते अस्पतालों में ले जाती हैं। कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने मरीजों से सच्चाई छिपाने के मुद्दे को उठाया। युवा कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष सूरज वर्मा ने एंबुलेंस मालिकों की जांच की मांग की। एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि मरीज डॉक्टरों को भगवान मानकर जाते हैं, लेकिन निराशा मिलती है। कार्यक्रम में सोशल आउटफिट डिपार्टमेंट के जिला अध्यक्ष सुशील राव, कांग्रेस नेता राहुल जैन, प्रमोद प्रजापति, रवि कुमार और अंकित साकेत भी मौजूद रहे।

बच्चों में संस्कार जागृत करने की पहल,सोनभद्र के कवि ने स्कूली बच्चों को दी नैतिक शिक्षा का ज्ञान

सोनभद्र। सोनभद्र के चक चपकी गांव के कवि अवध बिहारी अवध ने गुरुकुल विद्या मंदिर इंटरमीडिएट कॉलेज सेवकाडाड़ जरहां में संस्कारशाला का आयोजन किया। उन्होंने विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति और मूल्यों की शिक्षा दी। अवध बिहारी पिछले कई वर्षों से इस विद्यालय में निःशुल्क नैतिक शिक्षा दे रहे हैं। वे विद्यार्थियों को माता-पिता और गुरुजनों के प्रति सम्मान, सत्य, अहिंसा, प्रेम और परोपकार जैसे मूल्यों की शिक्षा देते हैं। अपनी प्रेरक कविताओं और कहानियों के माध्यम से वे विद्यार्थियों को संस्कारवान बनने की प्रेरणा देते हैं। यह कार्यक्रम भारत की प्राचीन गुरुकुल परंपरा को आधुनिक समय में जीवंत करने का प्रयास है। कार्यक्रम में विद्यालय के छात्र-छात्राएं और शिक्षक उपस्थित रहे। अवध बिहारी का यह प्रयास आधुनिक समय में विलुप्त होते संस्कारों को पुनर्जीवित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

विद्युत संबंधित समस्या का निस्तारण के लिए रावट्सगंज डिवीजन पर तीन दिवसीय मेगा कैंप का आयोजन

सोनभद्र। विद्युत संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के निस्तारण के लिए विद्युत विभाग के अधिकारियों के द्वारा 17 अगस्त 2025 से तीन दिवसीय मेगा कैंप का आयोजन किया गया है। उक्त संबंध में सुकृत पावरहाउस उपकेंद्र 33/11 के समस्त उपभोक्ताओं को सूचित करने के लिए जेई सुमित श्रीवास्तव के द्वारा मिडिया को जानकारी साझा करते हुए कहा गया कि यह मेगा कैंप 17, 18, 19 अगस्त तक चलेगा जिसमें संबंधित विभाग के समस्त अधिकारी उपस्थित रहेंगे। जिन उपभोक्ताओं का विद्युत संबंधित कोई समस्या हो जैसे विद्युत बिल सुधार , लोड परिवर्तन, विद्या परिवर्तन नए संयोजन सहित किसी भी प्रकार की समस्या के निस्तारण के लिए उक्त तिथि को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक मेगा कैंप में पहुंचकर अपनी समस्या का निस्तारण करा सकते हैं।

सोनभद्र के जडेरुआ गांव में 6 दिन से बिजली गुल,पानी-मोबाइल चार्जिंग की समस्या से जूझ रहे ग्रामीण

सोनभद्र। सोनभद्र के बिजलीघर पसही के खैरपुर फीडर के अंतर्गत जड़ेरुआ गांव में एक बड़ी समस्या सामने आई है। गांव का 63 केवीए का ट्रांसफॉर्मर करीब 6 दिन पहले जल गया। विभाग की लापरवाही से अब तक इसे बदला नहीं गया है। ग्रामीणों ने इस समस्या की ऑनलाइन शिकायत भी दर्ज कराई। प्रदेश सरकार के 24 घंटे में समाधान के आदेश के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। बिजली न होने से गांव में पेयजल संकट गहरा गया है। लोगों को मोबाइल चार्ज करने में भी परेशानी हो रही है।बरसात के मौसम में अंधेरे के कारण घरों में जानवरों के घुसने का खतरा बढ़ गया है। स्थिति से नाराज ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि अगर 2 दिन के भीतर ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया, तो वे धरना-प्रदर्शन करेंगे। इसकी जिम्मेदारी विद्युत विभाग की होगी।

जोकाही गांव की सड़कों पर जलभराव,नाली न होने से परेशान ग्रामीण,आने जाने में परेशानी प्रधान बोले- बजट नहीं तो काम नहीं

सोनभद्र। सोनभद्र के करमा ब्लॉक स्थित जोकाही गांव में नागरिक बुनियादी सुविधाओं के लिए जूझ रहे हैं। गांव की सड़कों पर नाली न होने के कारण जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इससे आवागमन में गंभीर समस्याएं पैदा हो रही हैं।स्थानीय निवासी अभय कुमार ने बताया कि नाली के निर्माण के अभाव में सड़कों पर पानी जमा हो जाता है। इससे लोगों को आने-जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि नाली का निर्माण होने से यह समस्या हल हो सकती है।जब इस मुद्दे पर ग्राम प्रधान नागेंद्र मौर्य से बात की गई, तो उन्होंने बजट की कमी का हवाला दिया। उनका कहना था कि बजट आने पर ही निर्माण कार्य संभव होगा। अभय कुमार ने प्रधान पर चुनावी वादाखिलाफी का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि चुनाव के समय प्रधान घर-घर जाकर सड़क, नाली और पानी की सुविधाओं का वादा करते हैं। लेकिन जीतने के बाद बजट की कमी का बहाना बनाते हैं।

सोनभद्र के सलखन में नशा मुक्ति केंद्र,भाजपा चोपन मंडल अध्यक्ष ने किया निरीक्षण, इलाज एवं भोजन में मिली लापरवाही, लगाई फटकार

सोनभद्र। बुधवार को भाजपा चोपन मंडल अध्यक्ष भगवान दास (संजय केशरी) ने सलखन स्थित नशा मुक्ति केंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण में केंद्र की कई कमियां सामने आईं। मरीजों के इलाज में गंभीर लापरवाही पाई गई। यहां प्रशिक्षित डॉक्टर की बजाय केवल कंपाउंडर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। मरीजों से बाहर से दवाएं मंगवाकर अतिरिक्त वसूली की जा रही है। भोजन व्यवस्था में भी कई खामियां मिलीं। मेनू बोर्ड पर दिखाए गए भोजन के विपरीत, मरीजों को नाश्ते में सिर्फ चना दिया जाता है। पौष्टिक आहार जैसे फल और अंडे कभी नहीं दिए जाते। कई दिनों से रात और दिन के खाने में सिर्फ कद्दू-आलू की एक ही सब्जी दी जा रही है। दाल भी बेहद पतली परोसी जाती है। मंडल अध्यक्ष ने बताया कि केंद्र के प्रबंधक आदिवासी और गरीब मरीजों का उचित इलाज नहीं कर रहे हैं। वे सिर्फ कागजी कार्रवाई कर अपने एनजीओ के लिए करोड़ों का फंड प्राप्त कर रहे हैं। इस मामले की शिकायत केंद्र और प्रदेश सरकार से की जाएगी। निरीक्षण के दौरान मंडल मंत्री भोला जायसवाल सहित अन्य कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

घोरावल में डीएपी खाद की किल्लत,सहकारी गोदामों में खाद नहीं, किसान प्राइवेट दुकानों से खरीदने को मजबूर,किसानो में आक्रोश

सोनभद्र। सोनभद्र के घोरावल तहसील क्षेत्र में किसानों को डीएपी खाद की गंभीर समस्या का सामना करना पड़ रहा है। समाजवादी पार्टी के पूर्व विधायक रमेशचंद्र दूबे ने बुधवार को करमा बी फैक्स पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया।किसानों ने बताया कि सहकारी गोदामों में डीएपी खाद उपलब्ध नहीं है। इसके कारण उन्हें प्राइवेट दुकानों से अधिक कीमत पर खाद खरीदनी पड़ रही है। सहकारी गोदामों में डीएपी की जगह 20-20-0 डाई दी जा रही है। यह खाद धान की रोपाई के लिए उपयुक्त नहीं है।जब पूर्व विधायक ने एआर कोऑपरेटिव से संपर्क किया, तो उन्होंने शासन से पर्याप्त मात्रा में खाद न मिलने की बात कही। एआरएम ने बताया कि सोनभद्र जिले को साढ़े पांच हजार बोरी डीएपी खाद भेजी गई है।पापी सोसायटी में भी स्थिति खराब है। मृतक आश्रित का अंगूठा खाद मशीन में न होने के कारण किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। किसानों ने निबंधन कार्यालय के एआर कोऑपरेटिव से संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन कोई जवाब नहीं मिला।इस मामले में पूर्व विधायक ने लखनऊ एआरएम आशुतोष से फोन पर बात की। उन्होंने इस बात पर आश्चर्य जताया कि जिले को भेजी गई साढ़े पांच हजार बोरी डीएपी खाद किसानों तक क्यों नहीं पहुंच रही है। इस दौरान गोदाम पर पूर्व विधायक रमेश चंद्र दुबे के साथ सैकड़ों किसान मौजूद रहे।

सोनभद्र के कनहर डैम में बढ़ा जलस्तर 256 मीटर तक पहुंचा पानी, 1200 क्यूसेक पानी छोड़ने के लिए खोले गए 4 गेट

सोनभद्र। छत्तीसगढ़ और झारखंड में हो रही बारिश का असर सोनभद्र के कनहर बांध पर दिख रहा है। बांध का जलस्तर 256 मीटर तक पहुंच गया है। कनहर परियोजना के अवर अभियंता नंदलाल वर्मा ने बताया कि बांध में छत्तीसगढ़ और झारखंड से पानी आ रहा है। जलस्तर बढ़ने के कारण सोमवार को बांध के दो गेट खोले गए। मंगलवार सुबह एक और गेट खोला गया। दोपहर एक बजे के बाद चौथा गेट भी खोलना पड़ा। इन चारों गेटों से 1200 क्यूसेक पानी डिस्चार्ज किया जा रहा है। बुधवार को सहायक अभियंता ने बताया कि अमवार में कनहर नदी के जलस्तर की निगरानी के लिए छत्तीसगढ़ के रामानुजगंज, त्रिशूली और खुरी में कर्मचारी तैनात किए गए हैं। ये कर्मचारी अमवार फील्ड हॉस्टल स्थित कंट्रोल रूम को नियमित रूप से सूचना देते रहते हैं। स्थिति को देखते हुए फाटक को कुछ समय के लिए बंद किया गया था। छत्तीसगढ़ और झारखंड में तैनात कर्मचारी लगातार स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। मॉनिटरिंग के बाद शाम तक फाटक खोलने की संभावना है।

चोपन में अंडरपास में जलभराव से परेशानी,लोगों का आवागमन प्रभावित

सोनभद्र। ओबरा तहसील के चोपन नगर पंचायत में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। कैलाश मंदिर के पास स्थित अंडरपास में जलभराव की समस्या गंभीर हो गई है। यह मार्ग मार्केट और सब्जी मंडी को जोड़ता है। रोजाना हजारों लोग यहां से गुजरते हैं।पैदल चलने वालों को बाइक सवारों का इंतजार करना पड़ता है। बाइक चालकों को इंजन में पानी जाने का डर सताता है। 10 साल पहले चेतन द्वारा बनाया गया यह अंडरपास आज तक समस्या का समाधान नहीं कर पाया है। स्थानीय लोगों की शिकायतों के बावजूद नगर पंचायत ने कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।करवाई रोड संस्था और नगर पंचायत चोपन की ओर से अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। बारिश के मौसम में यह समस्या और भी विकराल रूप ले लेती है। स्थानीय निवासियों को रोजाना इस समस्या का सामना करना पड़ रहा है।

पुलिस ने किया म्योरपुर में 92 किलो गांजा बरामद,ट्रेलर के गुप्त बॉक्स से मिला 22.50 लाख का माल, तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। म्योरपुर पुलिस ने मंगलवार को एक बड़ी कार्रवाई में अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के रासपहरी गांव में एक ट्रेलर से 92 किलो 460 ग्राम गांजा बरामद किया गया। बरामद माल की कीमत लगभग 22 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने बभनी-मुर्धवा रोड स्थित केरल ढाबा के पास खड़े ट्रेलर की जांच की। ट्रेलर के तल में बने गुप्त बॉक्स से चार बोरियों में गांजा मिला। मौके पर बिहार के भोजपुर जिले के निवासी अरुण कुमार सिंह को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में अरुण ने खुलासा किया कि वह गाड़ी मालिक राजकुमार और उसके साथी फुलेन्द्र सिंह के कहने पर उड़ीसा से गांजा लाता है। वह इस माल को प्रतापगढ़, इलाहाबाद, आजमगढ़ और जौनपुर में पहुंचाता है। प्रति चक्कर उसे 40 हजार रुपये मिलते हैं। पुलिस ने मामले में एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20/27ए/29/60 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। साथ ही गाड़ी मालिक राजकुमार और फुलेन्द्र सिंह के खिलाफ भी मामला दर्ज कर लिया गया है। थानाध्यक्ष कमल नयन दूबे के नेतृत्व में टीम ने यह कार्रवाई की।

सोनभद्र में बेमौसम नाला निर्माण से व्यापार प्रभावित,रॉबर्ट्सगंज मेन चौक पर खुदाई से जाम, व्यापारियों ने जताया विरोध

सोनभद्र। रॉबर्ट्सगंज नगर के मेन चौक पर नाला निर्माण से व्यापारियों में नाराजगी है। चंडी तिराहे से शीतला मंदिर होते हुए मेन चौक तक पिछले तीन महीने से नाले का निर्माण कार्य चल रहा है। स्थानीय दुकानदार राजा बाबू सोनकर और पप्पू चौरसिया ने बताया कि खुदाई से उनका व्यापार प्रभावित हुआ है। सड़क पर फैली मिट्टी से आवागमन में परेशानी हो रही है। व्यापारियों का कहना है कि बारिश के मौसम में नाला निर्माण उचित नहीं है। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार संगठन के जिलाध्यक्ष कौशल शर्मा ने कहा कि यह 2020 का प्रोजेक्ट है। पांच साल बाद बरसात के समय में इसका निर्माण संदेहास्पद है। निर्माण में मापदंडों और जन सुविधाओं का ध्यान नहीं रखा गया है। नाली सड़क से ऊंची बन गई है। इससे सड़क के पानी की निकासी की समस्या उत्पन्न होगी। कई घर नाली से नीचे हो गए हैं। सावन के महीने में भीड़भाड़ से जाम की स्थिति बन रही है। दीपक केसरी, संतोष केसरी, जितेंद्र, बाबा जागीर अली, सुनील गुप्ता, मुस्ताक खान और पिंटू मौर्या सहित कई दुकानदारों ने नाली निर्माण का कार्य शीघ्र पूरा करने की मांग की है।

स्लो ओवर रेट के कारण इंग्लैंड पर जुर्माना,वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में 2 अंक कटे, प्लेयर्स पर 10फीसदी फाइन,भारत चौथे स्थान पर पहुंचा

नयी दिल्ली। इंग्लैंड क्रिकेट टीम को भारत के खिलाफ लॉर्ड्स टेस्ट में धीमी ओवर गति के कारण दो अंक का नुकसान हुआ है। इसके साथ ही टीम को अपनी मैच फीस का 10फीसदी जुर्माना भी भरना होगा। इंग्लैंड वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की पॉइंट्स टेबल में तीसरे स्थान पर पहुंच गई है। वहीं भारत चौथे स्थान पर हैं। इस टेस्ट मैच में इंग्लैंड ने भारत को 22 रन से हराया था, लेकिन मैच रेफरी रिची रिचर्डसन ने पाया कि इंग्लैंड ने तय समय में दो ओवर कम डाले। स्टोक्स ने गलती स्वीकारी- इंग्लैंड टीम के सभी खिलाड़ियों की मैच फीस का 10फीसदी जुर्माना लगाया गया। वहीं वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में इंग्लैंड के 2 अंक काटे गए हैं। हालांकि कप्तान बेन स्टोक्स ने इस गलती को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी। आईसीसी के नियमों के अनुसार हर एक ओवर

कम होने पर खिलाड़ियों की 5फीसदी मैच फीस काटी जाती है। साथ ही हर ओवर के लिए 1 डब्लूटीसी अंक भी काटा जाता है। अब क्या स्थिति है डब्लूटीसी अंक तालिका में? डब्लूटीसी में इंग्लैंड के अंक 24 से घटकर 22 हो गए। उनका जीत प्रतिशत 66.67फीसदी से घटकर 61.11फीसदी हो गया। इससे श्रीलंका (66.67फीसदी) दूसरे नंबर पर आ गया है। ऑस्ट्रेलिया पहले नंबर पर है, जिसने अब तक सभी 3 मैच जीते हैं और उसका पीसीटी 100फीसदी है। भारत फिलहाल चौथे स्थान पर है, उसका पीसीटी 33.33फीसदी है। लॉर्ड्स टेस्ट 22 रन से जीता लॉर्ड्स टेस्ट के पांचवें दिन भारतीय टीम दूसरी पारी में सिर्फ 170 रन पर ऑलआउट हो गई। टारगेट 193 रन का था। पहले सेशन में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने ऋषभ पंत, केएल राहुल और वॉशिंगटन सुंदर को जल्दी आउट कर भारत को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद रवींद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी के बीच एक अच्छी साझेदारी बनने लगी थी। लेकिन लंच से ठीक पहले क्रिस वोक्स ने रेड्डी को आउट कर भारत की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। भारत लंच तक 112/8 पर पहुंच गया था।दूसरे सेशन में जडेजा को जसप्रीत बुमराह का साथ मिला। दोनों ने 35 रन की साझेदारी कर मैच को थोड़ा रोमांचक बनाया। लेकिन बुमराह ने एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और 5 रन पर आउट हो गए।इसके बाद मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए और जडेजा का साथ देने लगे। जडेजा ने अर्धशतक जमाकर संघर्ष जारी रखा।तीसरे सेशन में भारत को जीत की हल्की उम्मीद थी, लेकिन ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने सिराज को बोल्ड कर दिया और इंग्लैंड ने 22 रन से मैच जीत लिया।

एलए ओलिंपिक में क्रिकेट का शेड्यूल जारी,12 से 29 जुलाई 2028 तक होंगे मुकाबले, सभी मैच टी-20 फॉर्मेट में होंगे

नयी दिल्ली। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले 12 जुलाई 2028 से शुरू होंगे। जबकि 20 और 29 जुलाई को मेडल मैच खेले जाएंगे। एलए ओलिंपिक की वेबसाइट पर इसका शेड्यूल अपलोड कर दिया गया है। सभी मैच टी-20 फॉर्मेट में खेले जाएंगे। इसके अनुसार, सभी मुकाबले पोंमोना शहर के फेयर ग्राउंड्स स?टेडियम में खेले जाएंगे। लॉस एंजिलिस से लगभग 50 किमी दूर इस जगह पर एक अस्थायी स?टेडियम बनाया जाएगा। भारतीय समय के अनुसार, दिन का पहला मैच रात 9:30 बजे से शुरू होगा, जबकि दूसरा मैच अगले दिन सुबह 7:00 बजे से शुरू होगा। टूर्नामेंट में ज्यादातर डबल हेडर यानी एक दिन में दो मैच होंगे। 14 और 21 जुलाई को कोई मैच नहीं होगा। इस टूर्नामेंट में महिला और पुरुष की 6-6 टीमें हिस्सा लेंगी। इसमें कुल 180 खिलाड़ी हिस्सा लेंगे। हर टीम में 15 खिलाड़ी चुने जाएंगे।लॉस एंजिलिस की मेयर करेन बास ने एक स्टेटमेंट में कहा- 'जब दुनिया इन खेलों के

लिए यहां आएगी, तो हम सभी के लिए खेलों की मेजबानी करते हुए हर इलाके को उजागर करेंगे। हम यह सुनिश्चित करने के लिए काम करेंगे कि हम एक यादगार विरासत छोड़े।' अब तक 2028 ओलिंपिक के लिए क्वालिफिकेशन प्रोसेस के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है। लॉस एंजिलिस ओलिंपिक में अमेरिका का खेलना तय माना जा रहा है, क्योंकि यूएसए को होस्ट होने के नाते मौका मिलेगा। इसका मतलब होगा कि अमेरिका के अलावा पांच और टीमें हिस्सा ले सकेंगी और उन्हें क्वालिफिकेशन प्रोसेस से गुजरना होगा। यूएसए ने पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप होस्ट किया था यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका (यूएसए) ने पिछले टी-20 वर्ल्ड कप मैचों की मेजबानी की थी। ये मुकाबले न्यूयॉर्क, फ्लोरिडा और डलास में खेले गए थे। टूर्नामेंट का पहला मैच यहीं खेला जाएगा था। इतना ही नहीं, भारत और पाकिस्तान हाईवोल्टेज मैच की मेजबानी न्यूयॉर्क ने की थी।क्रिकेट ओलिंपिक गेम्स में 128 साल बाद वापसी कर रहा है। 1900 में यह खेल पहली बार ओलिंपिक में शामिल किया गया था। तब ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस की टीमों ने इसमें हिस्सा लिया था। ग्रेट ब्रिटेन ने गोल्ड और फ्रांस ने सिल्वर मेडल जीता था।

दोनों टीमों के बीच केवल एक ही मैच खेला गया था और इसी मैच को फाइनल घोषित कर दिया गया था।क्रिकेट को कॉमनवेल्थ गेम्स में भी 2 बार 1998 और 2022 में शामिल किया गया। वहीं एशियन गेम्स में 2010, 2014 और 2023 में तीन बार क्रिकेट को जगह मिली। 2023 एशियन गेम्स में भारत ने मेंस और विमेंस दोनों कैटेगरी में अपनी टीमें भेजीं और दोनों में गोल्ड मेडल जीता।

दोबारा प्रेम करने से लगता है डर,पार्टनर प्यार करता है, लेकिन मुझे डर है वो भी एक दिन धोखा देगा, भरोसा कैसे करूं

नयी दिल्ली। सवाल जवाब के माध्यम से समझते हैं मामले को इसमें एक्सपर्ट एक्सपर्टः अदिति सक्सेना, काउंसलिंग साइकोलॉजिस्ट, भोपाल क्या कहना हैं। सवालः मैं अपने मौजूदा पार्टनर से मिलने से पहले एक एब्यूजिव रिलेशनशिप में थी। मेरा करेंट पार्टनर काइंड और समझदार है, लेकिन मुझे उस पर पूरी तरह भरोसा करना मुश्किल लगता है। मुझे अक्सर एंग्जाइटी होती है और जब वह करीब आने की कोशिश करता है, तो मैं उसे दूर धकेल देती हूं। उसमें खूब पेशेंस है, लेकिन मेरे इस बर्ताव से उस पर असर पड़ रहा है। मैं अपने अतीत से उबरने के लिए क्या करूं और उसके साथ एक हेल्दी रिश्ता कैसे बनाऊं? क्या मुझे प्रोफेशनल मदद लेनी चाहिए या यह समय के साथ ठीक हो जाएगा?जवाबः एक अपमानजनक रिश्ते से गुजरना किसी के लिए भी आसान नहीं होता है। चाहे वह इमोशनल शोषण हो, मानसिक तनाव हो या शारीरिक नुकसान, ऐसे अनुभव हमारे मन पर गहरे निशान छोड़ जाते हैं। ये निशान इतने गहरे हो सकते हैं कि जब हम एक नए रिश्ते में कदम रखते हैं, तो अपने दयालु और प्यार करने वाले पार्टनर पर भरोसा करना भी मुश्किल लगने लगता है। अगर आप भी इस स्थिति से गुजर रहे हैं, जहां आपका दिल चाहता है कि आप अपने नए पार्टनर के साथ खुश रहें, लेकिन आपका दिमाग बार-बार आपको डर और शक की ओर धकेलता है, तो यह लेख आपके लिए है। हम यहां उन चुनौतियों की बात करेंगे जो आपके सामने आती हैं, उनके पीछे के कारण समझेंगे, और फिर कुछ ऐसे आसान और कारगर तरीके जानेंगे जिनसे आप अपने नए रिश्ते को मजबूत बना सकते हैं। साथ ही, हम यह भी देखेंगे कि आपके पार्टनर इसमें कैसे आपकी मदद कर सकते हैं, और समय व प्रोफेशनल मदद का क्या रोल हो सकता है। तो चलिए, इस सफर को साथ में शुरू करते हैं।क्या-क्या परेशान करता है? जब आप एक अपमानजनक रिश्ते से निकलकर नए रिश्ते में आते हैं, तो कुछ परेशानियां बार-बार आपके सामने

आती हैं। ये वो मुश्किलें हैं जो आपके रिश्ते को प्रभावित करती हैं।विश्वास की कमीः मान लीजिए आप अपने पार्टनर के साथ बाहर घूमने गए हैं। वे आपके लिए कुछ खास करते हैं, लेकिन आपके मन में एक सवाल उठता है- क्या ये सच में मेरे लिए हैं या सिर्फ दिखावा है? आप उनके फोन को चेक करना चाहते हैं, हालांकि आपको पता है कि यह गलत है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि आपके पिछले रिश्ते में आपका भरोसा बार-बार टूटा है। चिंता और डरः अगर आपका पार्टनर आपको मैसेज करने में थोड़ी देर कर दे, तो आपका दिल तेजी से धड़कने लगता है। क्या वे मुझसे नाराज हैं? क्या वे मुझसे कुछ छिपा रहे हैं? यह डर आपके पिछले अनुभवों का नतीजा है, जो आपको हर पल सतर्क रखता है। भावनात्मक दूरी बनानाः अपने दिल को फिर से टूटने से बचाने के लिए, आप अपने पार्टनर से थोड़ा दूर रहने की कोशिश करते हैं। आप उन्हें अपने मन की बात नहीं बताते, और धीरे-धीरे रिश्ते में एक खालीपन सा आ जाता है। पार्टनर पर प्रभावः आपकी ये परेशानियां सिर्फ आपको ही नहीं, आपके पार्टनर को भी प्रभावित करती हैं। वे कोशिश करते हैं कि आपको अच्छा लगे, लेकिन जब आप उनसे दूरी बनाते हैं, तो उन्हें लगता है कि शायद वे कुछ गलत कर रहे हैं। इससे वे उदास या असहाय महसूस कर सकते हैं। इन चुनौतियों के पीछे क्या कारण हैं?इन परेशानियों को समझने के लिए हमें उनके कारणों पर नज़र डालनी होगी। ये वो वजहें हैं जो आपके मन को प्रभावित करती हैं:अपमानजनक रिश्ते में जो दर्द आपने झेला, उसने आपके दिमाग को सतर्क कर दिया है। आप हर पल यह सोचते हैं कि कहीं फिर से वही न हो जाए। यह एक तरह का सुरक्षा कवच है, जो आपको नए रिश्ते में भी शक करने के लिए मजबूर करता है। पिछले अनुभवों ने आपके मन में कुछ गलत धारणाएं बना दी हैं, जैसे 'कोई भी मुझसे सच्चा प्यार नहीं कर सकता' या 'सब लोग अंत में धोखा देते हैं'। ये विचार आपके नए रिश्ते को कमज़ोर करते हैं। अपमानजनक रिश्ते में आपको बार-बार नीचा दिखाया गया होगा। इससे आपको लगने लगा है कि आप प्यार या सम्मान के लायक नहीं हैं। इसीलिए आप अपने पार्टनर की अच्छाइयों पर भी यकीन नहीं कर पाते। अपने दिल को चोट से बचाने के लिए, आप अनजाने में अपने पार्टनर से दूरी बनाते हैं। यह दूरी आपको सुरक्षित तो लगती है, लेकिन यह आपके रिश्ते में दरार डाल सकती है।इस मुश्किल से कैसे निकलें? अब सवाल यह है कि इन चुनौतियों से निपटने और अपने नए रिश्ते को मज़बूत करने के लिए आप क्या कर सकते हैं। यहां कुछ आसान और कारगर उपाय हैं: अपने अतीत को समझें और स्वीकार करें सबसे पहले यह मान लें कि आपके पिछले अनुभवों ने आपको प्रभावित किया है। यह सोचें कि आपकी चिंता या शक आपके पार्टनर की गलती नहीं, बल्कि आपके अतीत का असर है। अपनी भावनाओं को एक डायरी में लिखें या किसी करीबी से साझा करें- यह आपके मन को हल्का करेगा। खुलकर बात करें अपने पार्टनर से अपनी भावनाओं के बारे में ईमानदारी से बात करें। उन्हें बताएं, 'मुझे तुम पर भरोसा करने में दिक्कत हो रही है, लेकिन यह मेरे पुराने रिश्ते की वजह से है।' इससे वे आपकी मदद कर सकेंगे। प्रोफेशनल मदद लें अगर आपको लगता है कि अतीत का बोझ बहुत भारी है, तो किसी काउंसलर या थेरेपिस्ट से मिलें। वे आपको आपके डर और नकारात्मक सोच से बाहर आकर विश्वास बनाने में मदद करेंगे। अपना ख्याल रखें- खुद को समय दें और ऐसी चीज़ें करें जो आपको खुशी दें। योग करें, सुबह की सैर पर जाएं, या अपनी पसंद का कोई शौक अपनाएं, त्व पेंटिंग या गाना। यह आपके मन को शांति देगा। धीरे-धीरे विश्वास बनाएं छोटे-छोटे कदम उठाएं। जैसे, अपने पार्टनर को कोई छोटी ज़िम्मेदारी दें और देखें कि वे उसे कैसे निभाते हैं। हर सकारात्मक अनुभव आपके भरोसे को बढ़ाएगा। सीमाएं तय करें- अपने पार्टनर के साथ यह साफ करें कि आपको कितना समय और कितनी आज़ादी चाहिए। इससे आप दोनों के बीच गलतफहमियां कम होंगी। अपनों से मदद लें- दोस्तों और परिवार से बात करें। वे आपको हिम्मत देंगे और आपको अकेलापन महसूस नहीं होने देंगे। धैर्य रखें- यह प्रक्रिया धीमी है। अपने और अपने पार्टनर के साथ नरमी बरतें। हर छोटी जीत को सेलिब्रेट करें।आपके पार्टनर का साथ इस सफर को आसान बना सकता है। यहां उनके लिए कुछ सुझाव हैं- धैर्य रखें: उन्हें आपकी स्थिति समझने और जल्दबाज़ी न करने के लिए कहें। खुलकर बात करें: वे भी अपनी भावनाएं साझा करें ताकि आप दोनों करीब आएं। सहानुभूति दिखाएं: उन्हें बताएं कि आपकी दूरी उनकी गलती नहीं, बल्कि आपके अतीत का नतीजा है। सीमाओं का सम्मान करें: अगर आपको अकेले समय चाहिए, तो वे उसे समझें। क्या समय सब ठीक कर देगा? कहते हैं कि समय हर घाव भर देता है, लेकिन सच यह है कि सिर्फ समय काफी नहीं है। आपको अपने दर्द पर काम करना होगा। अगर आप इसे अनदेखा करेंगे, तो यह आपके रिश्ते को और कमज़ोर कर सकता है। प्रोफेशनल मदद जैसे कि थेरेपी, आपके लिए एक बेहतर रास्ता हो सकती है, खासकर अगर आपकी चिंता आपकी रोजमर्रा की जिंदगी को प्रभावित कर रही है।अपमानजनक रिश्ते से निकलकर एक नए रिश्ते में विश्वास बनाना आसान नहीं है, लेकिन यह नामुमकिन भी नहीं। अपने अतीत को स्वीकार करें, अपने पार्टनर के साथ खुलकर बात करें, और ज़रूरत पड़ने पर मदद लें। छोटे-छोटे कदम उठाएं और धैर्य रखें। आप अकेले नहीं हैं, हजारों लोग इस राह से गुजर चुके हैं और एक खुशहाल रिश्ता बना चुके हैं। आप भी यह कर सकते हैं। बस खुद पर भरोसा करें और आगे बढ़ें।

भारतीय टीम ब्रिटेन के राजा किंग चार्ल्स तृतीया से मिली,विमेंस टीम भी पहुंची, कप्तान गिल बोले- हमें बुलाया यह हमारे लिए सम्मान की बात

लंदन। भारतीय मेंस और विमेंस क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड के राजा किंग चार्ल्स तृतीय से सेंट जेम्स पैलेस में मुलाकात की। भारतीय मेंस और विमेंस टीम इस समय इंग्लैंड के दौरे पर है। भारतीय विमेंस टीम जहां पांच टी-20 मैचों की सीरीज 3-2 से जीत चुकी है, जबकि टीम को 3 वनडे मैचों की सीरीज अभी खेलना है। वहीं, भारतीय मेंस टीम 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेल रही है। इंग्लैंड फिलहाल 2-1 से आगे है। उन्होंने दूसरा (लॉर्ड्स) टेस्ट 22 रन से जीता। इस खास मुलाकात में कप्तान शुभमन गिल, उपकप्तान ऋषभ पंत, जसप्रीत बुमराह, केएल राहुल, और मुख्य कोच गौतम गंभीर भी मौजूद थे। टीम को क्लैरेंस हाउस गार्डन में किंग चार्ल्स तृतीय से मिलवाया गया, जहां उन्होंने खिलाड़ियों से बातचीत की। इस खास मौके पर सभी खिलाड़ियों के साथ किंग चार्ल्स ने फोटो सेशन भी किया। मुलाकात पर कप्तान गिल ने कहा, किंग चार्ल्स तृतीय ने हमें बुलाया यह हमारे लिए सम्मान की बात है।विमेंस टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा, किंग चार्ल्स से मिलने का अनुभव खास रहा। यह हमारी उनसे पहली

मुलाकात थी और वे बहुत ही दोस्ताना स्वभाव के हैं। उन्होंने आगे कहा, हम अच्छा क्रिकेट खेल रहे हैं और हमें खुद को दिखाने के बहुत मौके मिल रहे हैं। भारतीय विमेंस टीम ने हाल ही इंग्लैंड विमेंस की खिलाफ पहली बार इंग्लैंड में टी-20 सीरीज अपने नाम की। टीम ने 5 मैचों की सीरीज 3-2 से जीतीं। टीम 16 से 22 जुलाई के बीच 3 वनडे मैच भी खेलेगी।भारतीय टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा, किंग चार्ल्स से मिलना शानदार अनुभव रहा। उन्होंने हमें बुलाया, यह हमारे लिए बहुत सम्मान की बात थी। बातचीत बहुत अच्छी रही। गिल ने बताया, किंग चार्ल्स ने हमें बताया कि पिछले टेस्ट मैच में हमारा आखिरी बल्लेबाज जिस तरह आउट हुआ, वह दुर्भाग्यपूर्ण था। गेंद स्टंप्स पर लुड़क गई। हमने भी कहा कि वो मैच हमारी किस्मत से दूर रह गया, लेकिन आगे के मैचों में उम्मीद है कि भाग्य साथ देगा।दोनों टीमों ने बहुत जुनून के साथ खेला। हमने पूरी मानसिक और शारीरिक ताकत झोंकी। पांच दिन तक चले टेस्ट को जब सिर्फ 22 रन से हारो, तो विजेता को जरूर बहुत खुशी मिलती है। उन्होंने यह भी कहा, जहां भी हम खेलते हैं, वहां हमें भारतीय फैंस का जबरदस्त समर्थन मिलता है, इसके लिए हम खुद को भाग्यशाली मानते हैं। लॉर्ड्स टेस्ट में 22 रन से हार मिली लॉर्ड्स टेस्ट के पांचवें दिन भारतीय टीम दूसरी पारी में सिर्फ 170 रन पर ऑलआउट हो गई। टारगेट 193 रन का था। पहले सेशन में इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने ऋषभ पंत, केएल राहुल और वॉशिंगटन सुंदर को जल्दी आउट कर भारत को मुश्किल में डाल दिया। इसके बाद रवींद्र जडेजा और नीतीश रेड्डी के बीच एक अच्छी साझेदारी बनने लगी थी। लेकिन लंच से ठीक पहले क्रिस वोक्स ने रेड्डी को आउट कर भारत की उम्मीदों को बड़ा झटका दिया। भारत लंच तक 112/8 पर पहुंच गया था।दूसरे सेशन में जडेजा को जसप्रीत बुमराह का साथ मिला। दोनों ने 35 रन की साझेदारी कर मैच को थोड़ा रोमांचक बनाया। लेकिन बुमराह ने एक बड़ा शॉट खेलने की कोशिश की और 5 रन पर आउट हो गए। इसके बाद मोहम्मद सिराज क्रीज पर आए और जडेजा का साथ देने लगे। जडेजा ने अर्धशतक जमाकर संघर्ष जारी रखा।तीसरे सेशन में भारत को जीत की हल्की उम्मीद थी, लेकिन ऑफ स्पिनर शोएब बशीर ने सिराज को बोल्ड कर दिया और इंग्लैंड ने 22 रन से मैच जीत लिया।

जापान ओपन- पीवी सिंधु टूर्नामेंट के पहले राउंड से बाहर,सिम यू-जिन ने हराया; सात्विक-चिराग और लक्ष्य सेन प्री-क्वार्टर फाइनल मे

नयी दिल्ली। ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु टोक्यो में हो रहे जापान ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। उन्हें कोरिया की सिम यू-जिन ने लगातार दो गेम हरा दिया। मेंस डबल्स में सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्?टी की जोड़ी राउंड-16 में पहुंच गई हैं। वहीं मेंस सिंगल्स में लक्ष्य सेन टूर्नामेंट के राउंड-16 में पहुंच गए हैं। दोनों ही गेम में भारतीय जोड़ी हावी रही सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने बुधवार को मेंस डबल्स मैच में कि डोंग-जू और कांग मिन ह्युक की जोड़ी को 21-18 21-10 से हराकर अगले राउंड में अपना स्थान पक्का कर लिया। यह मैच 40 मिनट तक चला। दोनों ही गेम में रेड्डी और शेट्टी की जोड़ी कोरियाई खिलाड़ियों पर हावी रही।

लक्ष्य सेन ने वांग जिनसेंग को हराया लक्ष्य सेन ने पहले राउंड में चीनी खिलाड़ी वांग जिनसेंग को हराकर प्री क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का किया। उन्होंने चीनी खिलाड़ी को 21-11, 21-18 से हराया।पीवी सिंधु को सिम यू-जिन ने हराया विमेंस सिंगल्स में पीवी सिंधु को कोरियाई खिलाड़ी सिम यू-जिन से पहले ही राउंड में हार का सामना करना पड़ा। 37 मिनट तक चले इस मैच में दोनों ही गेम में कोरियाई खिलाड़ी हावी रहीं। उन्होंने पहले गेम में 21-15 और दूसरे में 21-14 से हराया। विमेंस डबल्स में हार वहीं विमेंस डबल्स रुतपर्णा पांडा और श्वेतपर्णा पांडा की जोड़ी मंगलवार को शुरुआती दौर में ही जापान की कोकोना इशिकावा और मायको कावाज़ोई से सीधे गेम में हारकर बाहर हो गई।

भारत के प्रदर्शन से बेहद निराश हूं- गांगुली,लॉर्ड्स टेस्ट हार पर टॉप ऑर्डर को जिम्मेदार ठहराया,22 रन से इंग्लैंड जीता था

नयी दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष सौरव गांगुली ने लॉर्ड्स टेस्ट की हार का जिम्मेदार टॉप ऑर्डर बैट्समैन को बताया है। तीसरे टेस्ट में टीम इंडिया को की इंग्लैंड से 22 रनों की हार मिली थी।193 रन का पीछा कर रही भारतीय टीम 170 रन पर सिमट गई थी। केएल राहुल (39 रन) और रवींद्र जडेजा (नाबाद 61 रन) को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज 20 रन का आंकड़ा पार नहीं कर सका। मंगलवार को इंडियन रेसिंग लीग और एफ4 इंडिया चैंपियनशिप कार्यक्रम में बोलते हुए गांगुली ने कहा कि टीम को 190 रन तो बना ही लेने चाहिए थे। मैं थोड़ा निराश हूं। जिस तरह भारत ने इस सीरीज में बल्लेबाजी की, उन्हें 190 रन बना लेने चाहिए थे। जब आप जडेजा को लड़ते और रन बनाते देखते हैं, तो इस टीम की प्रतिभा को देखकर लगता है कि वे मुझसे ज्यादा निराश होंगे, क्योंकि यह सीरीज में 2-1 से आगे निकलने का मौका था। मुझे यकीन है कि इस ड्रेसिंग रूम में वे 190 रन न बना पाने से निराश होंगे। उन्होंने आगे कहा कि अगर टॉप ऑर्डर थोड़ा भी संघर्ष दिखता, तो यह मैच भारत का होता। दूसरी इनिंग में यशस्वी जायसवाल अपना खाता नहीं खोल पाए थे। जबकि शुभमन गिल 6 और ऋषभ पंत 9, दोहरे अंक तक नहीं पहुंच पाए थे। केएल राहुल ने 39 रनों की पारी खेली, लेकिन आखिर में जडेजा (61 रन नाबाद) अकेले पड़ गए। जडेजा की तारीफ करते हुए गांगुली ने उन्हें 'विशेष खिलाड़ी' बताया। उन्होंने कहा कि जडेजा शानदार रहे हैं। जब तक वह इस तरह बल्लेबाजी और प्रदर्शन करते रहेंगे, वह भारत के लिए खेलते रहेंगे। वह लंबे समय से टीम में हैं।उन्होंने करीब 80 टेस्ट और 200 से ज्यादा वनडे खेले हैं। उनकी बल्लेबाजी, गेंदबाजी और फील्डिंग देख सकते हैं। वह एक विशेष खिलाड़ी हैं और उनकी बल्लेबाजी अनुभव के साथ काफी बेहतर हुई है। वह इस टीम का बहुत महत्वपूर्ण हिस्सा हैं।

लॉर्ड्स टेस्ट हार के बाद सिराज की इंस्टा पोस्टःलिखा- कुछ मैच आपके साथ रहते हैं, नतीजे के लिए नहीं, बल्कि सिखाने के लिए

नयी दिल्ली। भारतीय पेसर मोहम्मद सिराज ने लॉर्ड्स टेस्ट को लेकर इंस्टाग्राम पर इमोशनल साथ मिलकर 193 रन के टारगेट को हासिल कर सकते हैं। सिराज ने 30 गेंदों का सामना किया और

पोस्ट शेयर की है। उन्होंने लिखा कि कुछ मैच आपके साथ रहते हैं, नतीजे के लिए नहीं, बल्कि जो वे सिखाते हैं, उसके लिए।लॉर्ड्स में खेले गए तीसरे टेस्ट में भारत को इंग्लैंड के खिलाफ 22 रनों से हार का सामना करना पड़ा। सिराज भारत की दूसरी इनिंग में आउट होने वाले आखिरी बल्लेबाज थे।10वें विकेट के लिए जडेजा के साथ 23 की साझेदारी की सिराज ने रवींद्र जडेजा के साथ मिलकर 10वें विकेट के लिए 23 रनों की साझेदारी की थी। सिराज की बल्लेबाजी को देख कर लग रहा था कि वे जडेजा के 4 रन बनाए, जबकि जडेजा 61 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, पांचवें दिन चाय के बाद शोएब बशीर की एक गेंद सिराज के बल्ले से टकराकर स्टंप पर जा लगी, जिससे भारत 170 पर सिमट गया और इंग्लैंड ने रोमांचक जीत हासिल की।इग्लैंड तीसरा टेस्ट जीतने के साथ ही पांच टेस्ट मैच की सीरीज में 2-1 से आगे हो गया है। लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट में इंग्लिश टीम को 5 विकेट से जीत मिली थी। उसके बाद बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट को भारत 336 रन से जीता था।

एथलीट फौजा सिंह को टक्कर मारने वाला एनआरआई गिरफ्तार,8 दिन पहले कनाडा से पंजाब लौटा

नयी दिल्ली। पंजाब के जालंधर में 114 वर्षीय एथलीट फौजा सिंह को टक्कर मारने वाले कार ड्राइवर को पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान करतारपुर के दासूपुर गांव के रहने वाले एनआरआई अमृतपाल सिंह ढिल्लों (27) के रूप में हुई है। अमृतपाल सिंह 8 दिन पहले ही कनाडा से लौटा था। पुलिस ने उससे फॉर्च्यूनर (PB 20C 7100) भी बरामद कर ली है। मंगलवार रात को उसे थाना भोगपुर में लाया गया था, जहां उससे पूछताछ की गई। आज कोर्ट में पेश किया जाएगा। फौजा सिंह को 14 जुलाई को गंभीर हालत में जालंधर के निजी अस्पताल में ले जाया गया था। वहां उन्होंने दम तोड़ दिया। अभी तक उनका अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। परिवार के लोगों का कहना है कि उनके बेटे, बेटियां और अन्य रिश्तेदार कनाडा से आ रहे हैं। उनके आने के बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।जालंधर देहात पुलिस के एसएसपी हरविंदर सिंह विर्क ने कहा कि फौजा सिंह ने पंजाब और भारत का पूरे विश्व में नाम रोशन किया था। फौजा सिंह घर से सैर करने के लिए निकले थे। 120 मीटर दूर जब वे जालंधर-पठानकोट हाईवे पर पहुंचे, तो वहां उक्त फॉर्च्यूनर ने उन्हें टक्कर मार दी। मौके पर फौजा सिंह के कुछ परिचितों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती करवाया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। गाड़ी के कुछ हिस्से हमें क्राइम सीन से मिले थे, जिसके आधार पर एक्सपर्ट को वे टुकड़े दिखाए गए। इससे पता चला कि वह गाड़ी पुराने मॉडल की फॉर्च्यूनर है।

आप किसी आइडिया को अच्छा या बुरा नहीं बता सकते

पिछले सप्ताहांत, प्योर लीफ नामक एक चाय कंपनी ने न्यूयॉर्क के एक व्यस्त चौराहे ट ा र न्यूयॉर्कवासियों को मुफ्त आइस्ड टी दी। इसे एक व्यस्त चौराहे के बीच रखा गया, जहां लोग वॉक करते हैं और आसपास की नर्म हरी घास में आराम करते हैं।उन्होंने वहां कुछ बड़े छाते लगाए और उनके नीचे सोफा लगा दिए। इस प्रकार गर्मी में कुछ मिनट बैठने के लिए छायादार जगह बन गई। वहीं उन्होंने अपनी वेंडिंग मशीन लगा दी, जो मुफ्त आइस्ड टी पेश कर रही थी। उस क्षेत्र में टहल रहे लोग पहले मुफ्त चाय लेने के लिए बटन दबाने की कोशिश करते। लेकिन इंटरेक्टिव मशीन मना कर देती। मशीन बार-बार कहती कि 'अपना फोन मशीन के बाईं ओर लगे चार्जिंग पैड पर रखें।' लोग बेमन से फोन चार्ज होने के लिए उस पैड पर रख देते। फिर मशीन कहती, 'टी ब्रेक शुरू करने के लिए यहां दबाएं।' विस्यमकारी तरीके से जैसे ही लोग उन शब्दों को दबाते, चार्जिंग पैड का लोहे का दरवाजा तुरंत लॉक हो जाता। फोन भी इसमें अंदर बंद हो जाता। लोग जोर लगा कर दरवाजा खोलने की कोशिश करते, लेकिन असफल रहते। वो चारों ओर देखते कि कुछ लोग चाय की बोतल से चुस्कियां लगाते हुए उनकी ओर मुस्करा रहे हैं। और उसी वक्त मशीन आइस्ड टी की एक बोतल बाहर निकाल देती। लोग बिना इच्छा के बोतल लेते और इस चिंता के साथ सोफे पर बैठ जाते कि उनका फोन कब वापस मिलेगा? जैसे ही एक मिनट बीतता, नौ मिनट पहले अपना फोन चा?र्जिंग पैड पर रखने वाला कोई दूसरा व्यक्ति मशीन के सामने खड़ा होता और दसवें मिनट पर मशीन खुल जाती। उसका फोन वापस दे देती। व्यक्ति कहता 'वाह, क्या टी ब्रेक था'। आइस्ड टी पीने वाले 78फीसदी लोगों ने सप्ताह के अंतिम दिन फोन से दस मिनट का ब्रेक लेने के बाद बेहतर महसूस किया। और ब्रांड ने इस बात को समझाया कि गैजेट्स से दस मिनट का ब्रेक भी आपको तरोताजा कर सकता है। यह न्यूयॉर्क में हाल ही किया गया एक मार्केटिंग कैम्पेन था, जिसमें वेंडिंग मशीनों का उपयोग करके लोगों को 'वायर्ड' (तकनीकी की) दुनिया से छोटा-सा ब्रेक लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। यह कैम्पेन के संदेश से मेल खाता है कि आराम करने और रिफ्रेश होने के लिए समय निकालना फायदेमंद है। अंततः इस ब्रांड प्रमोशन में इस बात पर जोर दिया गया कि छोटे-से ब्रेक का भी तंदुरुस्ती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। मुझे यह उपाय बेहद कारगर लगा। इसे मैंने अपने कुछ दोस्तों से साझा किया, जो हैदराबाद में ऑफलाइन रीडिंग क्लब चला रहे हैं, ताकि डिजिटल एडिक्ट बच्चों को 'डूम स्क्रॉलिंग' से बचाया जा सके। इसे 'डूम सर्फिंग' भी कहते हैं और यह ऑनलाइन बहुत अधिक समय बिताने से संबंधित है। इस प्रक्रिया में न्यूज फीड और सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रॉल किया जाता है। मेरे दोस्त पहले पढ़ने की आदत को प्रोत्साहित करना चाहते थे। और वे कुछ लोगों को ऑनलाइन पुस्तकें पढ़ाने में सफल भी रहे। लेकिन पढ़ने के बजाय वो बातचीत करने लग जाते थे। इसलिए फिर वे ऑफलाइन मोड पर आ गए। पिछले सितंबर से वे सभी सदस्य हर रविवार की सुबह एक पार्क में एकत्रित होते हैं। चिड़ियों की चहचहाहट के बीच व्यक्तिगत अध्ययन सत्र उन्हें नई जानकारियों और विचार-प्रक्रिया के साथ अगले सप्ताह के लिए तरोताजा कर देता है। ऐसे क्लब लोगों को कम से कम पढ़ने की आदत तो बनाए हुए है और उनकी स्क्रीन देखने की आदत कम कर रहे हैं। ध्यान रखें कि हममें से अधिकतर किसी पुस्तक को केवल सरसरी नजर से देखकर दराज में रख देते हैं। हम उसकी विषयवस्तु को भी भूल जाते हैं। ऐसे में सभी सदस्यों द्वारा एक पुस्तक पढ़ने और हर रविवार उसके विचारों को साझा करने से क्लब सदस्यों को कम से कम 52 पुस्तकों के शीर्षक और उनकी विषयवस्तु तो याद रहेगी। फंडा यह है कि किसी समस्या के समाधान के लिए आए उपाय को कभी भी अच्छे या बुरे में वर्गीकृत नहीं किया जा सकता। इसे सिर्फ ऐसे बांटा सकता है कि यह लागू करने योग्य है अथवा नहीं है। इसलिए हर साधारण से आइडिया पर भी प्रसन्न हों, उसका स्वागत करें।

युद्धों के बावजूद इजराइल का बाजार मजबूत बना हुआ है

क्या आपको पता है 7 अक्टूबर 2023 को इजराइल पर हुए हमलों के बाद से दुनिया का सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाला प्रमुख शेयर बाजार कौन-सा है? इजराइल ?का! शुरुआती झटके के बाद उसका बाजार चार हफ्तों में पूरी तरह से उबर गया और तब से डॉलर के लिहाज से लगभग 80फीसदी ऊपर है। यह उछाल हाल में ईरान के साथ हुए युद्ध के दौरान भी जारी रहा, जबकि ज्यादातर भू-राजनीतिक विशेषज्ञों को लगा था कि व्यापक संघर्ष की उनकी आशंकाएं सच होने वाली हैं। वहीं शेयर बाजार लगातार यही संकेत दे रहा था कि संघर्ष जल्द ही समाप्त हो जाएगा और इजराइल सैन्य और आर्थिक दोनों ही रूपों में प्रबल होगा। यह संदेश मूल्य-आय अनुपातों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिया, जो पिछले 21 महीनों में 40 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं, जबकि शेष विश्व में यह 20 प्रतिशत रहा। सऊदी अरब तथा यूएई के नेतृत्व वाले पड़ोसी खाड़ी बाजारों में भी मामूली गिरावट ही आई। गाजा से ईरान तक इजराइल द्वारा किए गए कई सैन्य हमलों के लिए अंतर्राष्ट्रीय आलोचनाओं के बावजूद विदेशी खरीद में वृद्धि ने इसके शेयर बाजार में तेजी को बढ़ावा दिया है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद के मुश्किल हालात में स्थापित इजराइल उन कुछ देशों में से है, जो विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में आ गए हैं। लगभग 200 देशों में से कोई 40 को आईएमएफ द्वारा विकसित अर्थव्यवस्थाओं के रूप में वर्गीकृत किया गया है। अग्रणी वैश्विक सूचकांक प्रदाता (एमएससीआई) द्वारा विकसित वित्तीय बाजारों के रूप में वर्गीकृत देशों की संख्या और भी कम है। इजराइल मध्य-पूर्व का एकमात्र देश है, जिसने विकास के इन मील के पत्थरों को पार किया है, और जो दोनों मोर्चों पर परिवर्तन करने वाला एकमात्र देश है। इसकी 550 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था अब दुनिया की सबसे बड़ी 30 अर्थव्यवस्थाओं में से एक है। इजराइल के कई संस्थापक प्रतिबद्ध समाजवादी थे। उन्होंने एक कल्याणकारी राज्य का निर्माण शुरू किया था और नए प्रवासियों का उदारतापूर्वक स्वागत किया था, जिसके परिणामस्वरूप 1980 के दशक में वित्तीय संकट पैदा हुआ। स्कैंडिनेविया के वेलफेयर-स्टेट्स की तरह इस संकट ने उसे आर्थिक सुधारों, पूंजीवाद और अधिक राजकोषीय अनुशासन अपनाने के लिए मजबूर किया। सरकारी कंपनियों को बेच दिया गया, करों को सुव्यवस्थित किया गया और व्यापार के लिए सीमाएं खोल दी गईं। वर्ष 2000 के दशक की शुरुआत से इजराइल ने सरकार के खर्च को जीडीपी के 50 से घटाकर 40 प्रतिशत कर दिया है, और सार्वजनिक ऋण को जीडीपी के 90 प्रतिशत से घटाकर 70 प्रतिशत से कम कर दिया है। सरकार ने कुछ स्मार्ट निवेश भी किए, जिससे वेंचर कैपिटल उद्योग को बढ़ावा मिला और तकनीकी क्षेत्र को गति मिली। आज इजराइल अपने जीडीपी का 6 प्रतिशत से भी ज्यादा रिसर्च एंड डेवलपमेंट पर खर्च करता है- यह किसी भी अन्य देश से ज्यादा है और वैश्विक औसत से दोगुने से भी अधिक है। इस आर-एंड-डी का एक असामान्य रूप से बड़ा हिस्सा (लगभग आधा) विदेशी बहुराष्ट्रीय कंपनियों से आता है, जिनमें से कई रक्षा-संबंधी उद्योगों से जुड़ी हैं। इसी से आयरन डोम और इंटरसेप्टर रॉकेटों का जाल बनाया गया है, जिन्होंने कथित तौर पर 85 प्रतिशत से ज्यादा मिसाइलों और हाल के संघर्षों में इजराइल पर दागे गए ड्रोनों के एक बड़े हिस्से को नष्ट किया है। रक्षा क्षेत्र से प्राप्त लाभों ने इजराइल को हवाई यातायात नियंत्रण से लेकर साइबर सुरक्षा तक एक ग्लोबल-लीडर बना दिया है। किसी भी अन्य देश की तुलना में प्रति व्यक्ति अधिक स्टार्ट-अप के साथ इसकी व्यावसायिक संस्कृति मध्य-पूर्व के बजाय कैलिफोर्निया के ज्यादा करीब है। जनरेटिव एआई के उभरते क्षेत्र में इसके 73 स्टार्ट-अप्स हैं, जो दुनिया में तीसरे सबसे अधिक हैं। इसके निर्यात का आधा हिस्सा तकनीकी उत्पादों का है, जिसकी बराबरी कुछ ही उन्नत अर्थव्यवस्थाएं कर सकती हैं। जबकि इसके पड़ोसी देश अभी भी तेल का ही निर्यात करते हैं। तकनीकी से संचालित इजराइल में प्रति व्यक्ति जीडीपी वर्ष 2000 से लगभग तिगुनी बढ़कर 55,000 डॉलर से अधिक हो गई है, जो अमेरिका के स्तर का 50 से 70 प्रतिशत है। जबकि सऊदी अरब की प्रति व्यक्ति जीडीपी अमेरिका की तुलना में एक-तिहाई ही है और 25 साल पहले की स्थिति के बराबर है। इजराइल की अर्थव्यवस्था के प्रति बाजार का आशावादी रुख अब विश्लेषकों के पूर्वानुमानों में दिख रहा है, जो आने वाले वर्षों में 4फीसदी की वृद्धि का अनुमान लगा रहे हैं। एक विकसित राष्ट्र के लिए यह अपेक्षाकृत मजबूत पूर्वानुमान है। (ये लेखक के अपने विचार हैं रुचिर शर्मा)

सरकारी बंगलों का मोह क्यों नहीं छोड़ पाते गणमान्यजन?

अगर भारत के मुख्य न्यायाधीश के आधिकारिक आवास को खाली कराने के लिए सर्वोच्च न्यायालय को कार्यपालिका की मदद मांगनी पड़े तो यह एक उदास कर देने वाला परिदृश्य है। हाल ही में जब यह विवाद सामने आया तो पूर्व मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने सेवानिवृत्त होने के आठ महीने बाद भी बंगला खाली नहीं करने को लेकर यह दलील दी कि दो उनकी दो डिफ्रेंटली-एबल्ड बेटियों के लिए ए?क अनुकूल आवास ढूंढने में उनके परिवार को दिक्कत हो रही है। उनकी दोनो बेटियां व्हीलचेयर का सहारा लेती हैं, जिसके लिए विशेष रैम्प और चौड़े दरवाजों की दरकार है। जाहिर है कि दिल्ली में देश के शीर्ष-कुलीनों की आश्रयस्थली लुटियंस जोन के बाहर ऐसे लम्बे-चौड़े बंगले मिलना लगभग नामुमकिन है। पूर्व सीजेआई चंद्रचूड़ और उनके परिवार के प्रति पूरी सहानुभूति है। लेकिन यह सवाल पूछा जा सकता है कि अपने विशेष जरूरतों वाले परिवार के लिए उन्होंने पहले से ही उस दिन की तैयारी क्यों नहीं की, जब उन्हें रिटायर होने के बाद बंगला खाली करके सर्वोच्च अदालत के अपने उत्तराधिकारी को सौंपना था? लेकिन वे अकेले नहीं हैं। बहुत से केंद्रीय मं?त्री और सांसद भी अपना कार्यकाल समाप्त होने के बाद भी तब तक लुटियंस में बने रहते हैं, जब तक कि उनसे बंगला खाली करने का आग्रह न किया जाए। रालोद के संस्थापक दिवंगत अजीत सिंह और लोजपा नेता चिराग पासवान का ही उदाहरण लीजिए। उन्होंने भी बंगला खाली करने से इनकार कर दिया था। उनका कहना था कि इन बंगलों को उनके लोकप्रिय पिताओं के स्मारक के तौर पर परिवर्तित कर दिया जाए। जहां अजीत सिंह पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह के पुत्र थे, वहीं चिराग पूर्व केंद्रीय मंत्री रामविलास पासवान के बेटे हैं। बड़े नाटकीय हालात निर्मित होने के बाद उन्हें घर खाली करना पड़ा। हालांकि चिराग पासवान उसके बाद एनडीए में शामिल होकर मंत्री बने और उन्होंने लुटियंस में फिर से जगह मिल गई। पूर्व शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक अपनी गाय-भैंसों के साथ बंगले में रहते थे। लेकिन मंत्रिमंडल से छुट्टी होने के छह माह बाद सरकार को ही हाउसिंग अधिकारियों को भेजकर उन्हें वहां से निकलवाना पड़ा। मजे की बात है कि उस बंगले पर संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया की भी नजर थी। उन्होंने इसका कारण इस बंगले से भावनात्मक लगाव होना बताया, क्योंकि जब उनके पिता दिवंगत माधवराव सिंधिया कांग्रेस सरकार में मंत्री थे तो ज्योतिरादित्य इसी बंगले में पले-बढ़े थे। उन्होंने जैसे-तैसे यह बंगला अपने नाम आवंटित भी करा लिया। हालांकि निशंक के बंगला खाली करने और उसकी साज-सज्जा पूरी होने तक उन्हें करीब एक वर्ष लुटियंस के बाहर रहना पड़ा। कांग्रेस के पूर्व नेता गुलाम नबी आजाद के पास आज कोई आधिकारिक पद नहीं है, लेकिन वे अभी तक सरकारी बंगले में जमे हुए हैं। माना जा सकता है कि कांग्रेस छोड़ने के बाद राहुल गांधी की लगातार आलोचना करने के लिए उन्हें यह उपहार दिया गया है! यकीनन, लुटियंस के बंगलों का अपना एक सम्मोहन है। एक बार कोई वहां आया तो उसे छोड़ना नहीं चाहता। आखिरकार इस जोन में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और सत्ताधारी दल के अति-महत्वपूर्ण लोग जो रहते हैं। औपनिवेशिक काल के इन महलनुमा बंगलों में बड़े-बड़े हरी घास के गलीचे हैं।सड़कों पर कतारबद्ध घने पेड़ और गोलाकार सर्कल हैं, जो वसंत में अनेक रंग के फूलों से भर जाते हैं। जहां शेष दिल्ली की जनता टूटी सड़कों, पानी की किल्लत, कचरे की दुर्गंध, चोरी और अन्य अपराधों से जूझती है, वहीं लुटियंस में केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की हमेशा चौकीदारी रहती है। दुनिया के कुछ ही ऐसे लोकतांत्रिक गणराज्य हैं, जिन्होंने अपने मंत्रियों, सांसदों, जजों और शीर्ष अधिकारियों के लिए इस तरह से किराया-मुक्त आवासीय क्षेत्र बना रखे हैं। इस तरह के विशेषाधिकारों से एक अभिजात्य-मानसिकता पैदा होती है। सत्ताधारियों में अधिकार-सत्ता का भाव उत्पन्न होता है। वहीं लुटियंस की किलेबंदी में समानता का सिद्धांत पूर्णतः लुप्त हो जाता है। पूर्व सीजेआई के मामले ने लुटियंस नामक इस औपनिवेशिक स्थान को लेकर पुरानी बहस को फिर से जन्म दे दिया है। दुःखद है कि राजधानी में कुछ सड़कों के नाम जरूर बदल दिए गए हैं, लेकिन अंग्रेजों द्वारा बसाई गई नई दिल्ली को नए नजरिए से विकसित करने की इच्छाशक्ति कभी नहीं दिखाई गई है। लुटियंस में बैरिकेडिंग और बढ़ती सुरक्षा के चलते सार्वजनिक स्थान सिकुड़ते जा रहे हैं। इंडिया गेट पर भी अब खाना, चटाई और पालतू जानवर तक ले जाने पर पाबंदी लगा दी गई है। लुटियंस जोन से आम आदमी बहुत दूर है! (ये लेखिका के अपने विचार हैं आरती जेरथ)

हमारे शहर की 'एनटीई' जल्द ही हमारे जीने का तरीका बदल देगी

पूरी दुनिया में आमतौर पर सिर्फ दिन के वक्त को ध्यान में रखकर शहरों को डिजायन किया गया है। लेकिन जब इन शहरों को बेहतर कुशलता से चलाने के लिए अधिक पैसे की जरूरत पड़ी तो उन्होंने पाया कि शाम 6 बजे से लेकर सुबह के 6 बजे तक के समय में बड़ी मात्रा में धन छिपा है। इसे लोकप्रिय रूप में 'नाइट टाइम इकोनॉमी' (एनटीई) के नाम से जाना जाता है।हालांकि, कई जगहों पर 24 घंटे का शहर थोड़ा बदनाम है, लेकिन कई शहरों ने समझा है कि एनटीई विकास के क्षेत्रों का वास्तविक चालक हो सकता है। कम से कम उन चुनिंदा स्थानों के लिए, जहां स्थानीय लोग और आगंतुक बार-बार आते जाते हैं। न्यूयॉर्क, लंदन और बर्लिन जैसे कई वैश्विक महानगरों ने इस विचार का अनुसरण किया, लेकिन एम्स्टर्डम इस क्षेत्र का अग्रणी है। मैं अचानक इस बारे में बात क्यों कर रहा हूं? दरअसल हैदराबाद जल्द ही 24 घंटे की अर्थव्यवस्था को अपनाने वाला भारत का पहला शहर बनने जा रहा है। राज्य सरकार समग्र एनटीई नीति को अंतिम रूप दे रही है, जिसका उद्देश्य सूर्यास्त के बाद शहर की पूर्ण आर्थिक क्षमता का उपयोग करना है। सरकार रात की समस्त गतिविधियों की देखभाल के लिए समर्पित हैदराबाद नाइट टाइम इकॉनोमी अथॉरिटी (एनटीईए) स्थापित कर रही है। इसमें अग्रणी होने के लिए एम्स्टर्डम ने क्या किया? ये उन पहले शहरों में से है, जिन्होंने एनटीई का आर्थिक-सांस्कृतिक महत्व समझा। ये कई कारणों से सफल हुआ, जिनमें सक्रिय स्थानीय निकाय, समर्पित 'नाइट मेयर' शामिल हैं, जो स्वतंत्र अधिवक्ता की भांति रातभर की गतिविधियों पर नजर रखता है। नीदरलैंड के किसी भी शहर में, खासकर रात्रिकालीन संस्कृति को सम्मिलित करने वाली पहली योजना के नाते एम्स्टर्डम का 'नाइट विजन' एतिहासिक दस्तावेज है। ये रात्रिकालीन संस्कृति से शहर के लगाव, इसकी सामाजिक-आर्थिक बेहतरी के लिए इसके जरूरी होने की मान्यता, दोनों को दिखाता है। नाइट मेयर की भूमिका क्या है? ये शहरी निकाय, रात्रिकालीन व्यवसायों, स्थानीय निवासियों व अन्य हितधारकों के बीच सेतु का कार्य करता है। मेयर व उसका कार्यालय सुरक्षा, शोर, परिवहन, जोनिंग (इलाका) जैसे ?मुद्दों का समाधान करते हुए सुनिश्चित करता है कि रात्रिकालीन अर्थव्यवस्था व शहर की जरूरतों के बीच संतुलन रहे। सफल एनटीई को टॉयलेट से लेकर परिवहन तक, हर चीज पर विचार करना होता है। एनटीई को गलत ना समझें: एम्स्टर्डम की इनटीई सिर्फ क्लबर्स के लिए ही नहीं है। साधारण क्लब्स तो इसमें तब तक प्रवेश नहीं कर सकते, जब? तक कि वे अन्तरराष्ट्रीय आगंतुकों को किसी सभ्य स्थान पर आकर्षित करने के लिए कुछ अनोखा प्रदान ना करें। ऐसे कड़े कायदों और नियंत्रण के कारण ही एम्स्टर्डम ने एम्स्टेल नदी के किनारे सांस्कृतिक रूपरेखा तैयार की है और एनटीई को सफल बनाया है। हालांकि रात्रिकालीन गतिविधियां मनोरंजन संबंधी तस्वीर पेश करती हैं, यहां तक कि भारतीयों में भी, लेकिन हैदाराबाद की यह पहल मनोरंजन तक ही सीमित नहीं है। इसमें स्वास्थ्य देखभाल, परिवहन, आईटी सर्विस, खुदरा और पर्यटन जैसे क्षेत्र भी शामिल हैं। नीति तैयार कर रहे जानकार मानते हैं कि यह शहरी अर्थव्यवस्था में एक बड़े बदलाव की तस्वीर दिखाती है।एनटीई के आर्थिक प्रभावः वर्ल्ड सिटीज कल्चर फोरम के अनुसार एम्स्टर्डम में 500 रात्रिकालीन प्रतिष्ठानों ने 5 हजार रोजगार दिए। 15 लाख विजिटर आए, जिन्होंने स्थानीय अर्थव्यवस्था में सालाना 1.25 अरब यूरो का योगदान दिया।

लंदन ने 13 लाख रात्रिकालीन रोजगार पैदा किए। वर्तमान में हैदराबाद एनटीई का कारोबार 8500 करोड़ रु. है, जो 2032 तक तीन गुना होकर अनुमानतः 26,011 करोड़ पहुंच सकता है। इससे रोजगार भी बढ़ेंगे।

हैदराबाद ने ये शुरू किया है तो इसे मुम्बई, दिल्ली पहुंचने में वक्त नहीं लगेगा। इंदौर, अहमदाबाद जैसे टियर-2 शहर भी हाथ पर हाथ रखकर बैठने वाले नहीं हैं। फंडा यह है कि हम सभी को इस उभरते हुए विचार में सहभागिता निभानी चाहिए, क्योंकि यह भविष्य में हमारे जीने के तरीके को बदलने जा रहा है।

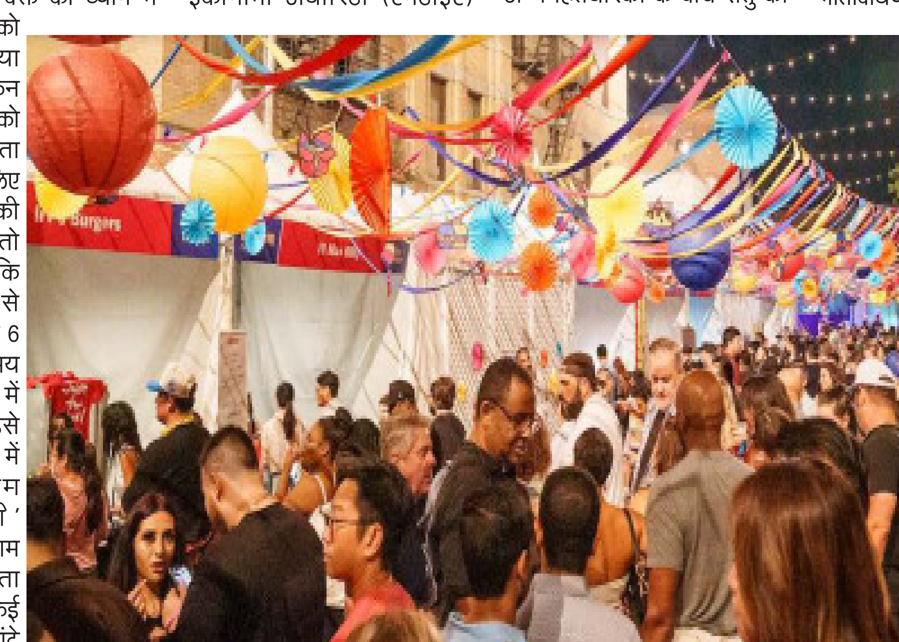

जहां नैतिक कहानियां होगीं, वहां 'इंटेग्रिटी फी?' की जरूरत नहीं

कई दशक पहले, मैं और मेरा कजिन किसी के पेड़ से ढेर सारे जामुन लेकर घर पहुंचे। हमारे नाना (जो कि तहसीलदार कार्यालय में दूसरे सबसे ताकतवर व्यक्ति थे) दरवाजे पर बैठे थे और उन्होंने पूछा, तुम्हारे हाथों में क्या है? फिर उन्होंने हमसे वो जामुन अपने पास रखवा दिए और अंदर जाकर पहले खाना खाने को कहा। अगले 15 मिनट में हम नहाए क्योंकि पेड़ पर चढ़ने के कारण हमारे कपड़े गंदे हो गए थे, खाना खाया और लौट आए। हम उन अंकल को देखकर चौंक गए, जिनके घर से हम जामुन लाए थे। वे हमारे नाना के साथ बैठकर बातें कर रहे थे। हमें लगा वो हमारे बारे में शिकायत कर रहे हैं, इसलिए हम दोनों में से किसी ने बाहर जाने की हिम्मत नहीं की। यह भांपकर कि हम छिपे हुए हैं, नाना ने हमें बुलाया और हम सिर झुकाए बाहर चले आए। वहां से गुजर रहे एक डाकिए को कहकर नाना ने उन अंकल को बुला लिया था। नाना जानते थे कि जामुन का पेड़ उनके घर में है। हमने नमस्ते किया। अंकल ने भी हमारा अभिवादन स्वीकार किया। वे उठे, हमारे सिर को सहलाया और बिना कुछ कहे बाहर चले गए। हमने राहत की सांस ली। तब नाना ने हमें एक मेहनती, लेकिन गरीब लकड़हारे की कहानी सुनाई। लकड़हारा एक नदी किनारे पेड़ काट रहा था। उसकी कुल्हाड़ी उसके हाथ से छूटकर पानी में गिर गई। वह बहुत परेशान था, क्योंकि वही उसकी आजीविका का एकमात्र साधन था। उसकी निराशा भरी पुकार सुनकर एक देवी प्रकट हुईं और पूछा कि उसे क्या चाहिए। उसने कोई दौलत मांगने के बजाय बताया कि उसने अपनी कुल्हाड़ी खो दी है। उसकी ईमानदारी देखकर देवी ने मदद की पेशकश की। सबसे पहले उसे एक चमचमाती सोने की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने पूछा, क्या यह तुम्हारी है? लकड़हारे ने कुल्हाड़ी की सुंदरता और कीमत के बावजूद जवाब दिया, नहीं। दूसरी बार उसे चांदी की कुल्हाड़ी मिली। देवी ने वही सवाल पूछा। लकड़हारे ने अपनी ईमानदारी पर अडिग रहते हुए फिर से मना कर दिया। देवी बेहद प्रभावित हुईं और आखिरकार लकड़हारे को उसकी असली लोहे की कुल्हाड़ी वापस लौटा दी, जिसे लकड़हारे ने कृतज्ञतापूर्वक स्वीकार कर लिया। लेकिन देवी ने उसे सोने और चांदी की दोनों कुल्हाड़ियां देकर भी पुरस्कृत किया। लकड़हारा न केवल धन-संपत्ति, बल्कि ईमानदारी के गुण से भी समृद्ध होकर घर लौटा। नाना ने उन जामुनों के बारे में हमसे कभी बात नहीं की। लेकिन वो कहानी आज भी हमारे जेहन में ताजा है। आज आप किसी भी बच्चे के पास जाकर कहें, 'मैं तुम्हें एक कहानी सुनाता हूं' और शुरू करें- 'एक था राजा और एक थी रानी' तो वो तुरंत कहेगा, 'दोनों मर गए, खतम कहानी', और भाग जाएगा। लेकिन हमारे जमाने में रोज ही कोई न कोई कहानी सुनाई जाती थी और उसकी शुरुआत हमेशा उसी पहले वाक्य से होती थी। लेकिन दूसरा वाक्य हमेशा ही 'पीछे की बदल गई पूरी कहानी' हुआ करता था। हमने किस दिन कैसा व्यवहार किया है, इसी के आधार पर हमारे बड़े हमें कोई न कोई कहानी सुनाते थे। शनिवार को हम दोनों कजिन्स को यह कहानी याद आई और हम हंस पड़े क्योंकि डोनाल्ड ट्रम्प के अमेरिकी प्रशासन ने शुक्रवार को जनवरी 2026 से प्रभावी होने जा रहा 250 डॉलर (21,450 रुपए) का वीज़ा इंटेग्रिटी शुल्क लगा दिया है। कुछ लोगों का कहना है कि यह शुल्क केवल कुछ शर्तों पर ही वापस किया जा सकता है, जिसमें वीज़ा की शर्तों का पूरा पालन और वीज़ा की समाप्ति के पांच दिनों के भीतर प्रस्थान शामिल है। याद रखें, यह हर आवेदक से उसके अच्छे व्यवहार के लिए सुरक्षा जमा राशि जमा करने के लिए कहने जैसा है। मुझे यह सोचकर डर लग रहा है कि क्या रेलवे और अस्पताल भी कल से रिफंडेबल इंटेग्रिटी शुल्क तो नहीं मांगने लगेंगे? फंडा यह है कि हम अपनी महान नैतिक कहानियों को खत्म न होने दें।

दूसरा वाक्य बदलें और अपने बच्चों को उनके जीवन के पहले 13 वर्षों तक हर रोज सोने से पहले नई, कल्पनाशील कहानियां सुनाएं, ताकि एक हाई इंटेग्रिटी वाली नई दुनिया उभरे और सरकारें इंटेग्रिटी फीस लगाने की हिम्मत न करें।

यमन में भारतीय नर्स निमिषा की मौत की सजा टली,दोनों देशों के धर्मगुरुओं ने की बातचीत,हत्या के मामले में कल गोली मारी जानी थी

मुफ्ती कांथापुरम ने न्यूज एजेंसी से बात करते हुए कहा- इस्लाम में हत्या के बदले दीया (मुआवजा) देने का भी रिवाज है। मैंने उनसे दीया स्वीकार करने की अपील की क्योंकि यहां पार्टी इसके लिए तैयार है। इस बारे में बातचीत चल रही है। कंथपुरम ने आगे कहा कि निमिषा की मौत की सजा कुछ दिनों के लिए टाल दी गई है। हमने इंसानियत के नाते उसकी माफी की मांग की है। अगर ऐसी मांग मान ली जाती है, तो भारत में मुसलमानों के लिए बहुत आसानी होगी। यहां मुसलमान और हिंदू सभी एक मंच पर रहते हैं।भारतीय नर्स निमिषा 2017 से जेल में बंद हैं, उन पर यमन के नागरिक तलाल अब्दो महदी को ड्रग का ओवरडोज देकर हत्या करने का आरोप है। निमिषा और महदी यमन में एक प्राइवेट क्लिनिक में पार्टनर थे। आरोप है कि महदी ने निमिषा का पासपोर्ट अपने कब्जे में ले रखा था और उसे प्रताड़ित करता था।भारत के पास यमन में स्थायी राजनयिक मिशन (दूतावास) नहीं है। 2015 में राजनीतिक अस्थिरता के कारण राजधानी सना में भारतीय दूतावास बंद कर दिया गया था और इसे जिबूती में ट्रांसफर कर दिया गया था। भारत सरकार यमन सरकार से मुख्य रूप से 'नॉन-रेजिडेंट राजदूत' के जरिए बात करती है। फिलहाल भारत सरकार रियाद में मौजूद राजदूत के जरिए बातचीत कर रही है। निमिषा की सजा पर सुप्रीम कोर्ट ने चिंता जताई थी भारत सरकार ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा था कि वो निमिषा के मामले में ज्यादा कुछ नहीं कर सकती है। अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणि ने कोर्ट को बताया था- हम एक हद तक ही जा सकते हैं और हम वहां तक पहुंच चुके हैं।इस मामले में 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' के वकील ने कोर्ट को बताया था कि उसे बचाने का एकमात्र रास्ता यह है कि मृतक का परिवार 'ब्लड मनी' (मुआवजा) स्वीकार कर ले। पीड़ित के परिवार को 10 लाख अमेरिकी डॉलर (लगभग 8.5 करोड़ रुपए) की पेशकश की गई थी, लेकिन उन्होंने इसे ठुकरा दिया। परिवार ने कहा था कि यह मामला उनकी इज्जत से जुड़ा हुआ है।यमन में गृह युद्ध की वजह से भारत ने अपने नागरिकों को वहां से निकालने के लिए 'ऑपरेशन राहत' शुरू किया। यह ऑपरेशन अप्रैल-मई 2015 तक चला, जिसमें 4,600 भारतीयों और करीब एक हजार विदेशी नागरिकों को यमन से निकाला, लेकिन इनमें सिर्फ निमिषा ही भारत नहीं लौट पाईं। 2016 में महदी ने निमिषा के साथ शारीरिक उत्पीड़न करना शुरू कर दिया। उसने निमिषा के क्लिनिक का प्रॉफिट भी हड़प लिया। जब निमिषा ने इस बारे में सवाल किया तो दोनों के रिश्ते खराब हो गए। महदी निमिषा को यमन से बाहर नहीं जाने देना चाहता था, इसलिए उसने निमिषा का पासपोर्ट अपने पास रख लिया।निमिषा ने पुलिस में महदी की शिकायत भी दर्ज कराई, लेकिन पुलिस ने निमिषा को ही 6 दिनों की हिरासत में ले लिया, क्योंकि महदी ने एडिटेड फोटो दिखाकर निमिषा का पति होने का दावा किया।निमिषा काफी परेशान हो चुकीं थीं। जुलाई 2017 में महदी से पासपोर्ट लेने के लिए निमिषा ने उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया, लेकिन इसका असर नहीं हुआ। फिर निमिषा ने महदी को ओवरडोज दे दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, निमिषा ने महदी के शरीर के टुकड़े कर वाटर टैंक में फेंक दिए। इसके बाद पुलिस ने निमिषा को गिरफ्तार कर लिया। यमन की सुप्रीम ज्यूडिशियल काउंसिल ने निमिषा को महदी की हत्या के आरोप में मौत की सजा सुनाई। निमिषा ने यमन की सुप्रीम कोर्ट में माफी की अपील दायर की, जिसे 2023 में खारिज कर दिया गया। राष्ट्रपति रशद ने भी 30 दिसंबर 2024 को सजा को मंजूरी दे दी। निमिषा को बचाने के लिए क्राउड फंडिंग से जुटाई गई ब्लड मनी निमिषा को माफी दिलाने के लिए उनकी मां ने अपनी संपत्ति बेचकर और क्राउड फंडिंग के जरिए 'ब्लड मनी जुटाने की भी कोशिश की। 2020 में निमिषा को सजा से बचाने और ब्लड मनी इकट्ठा करने के लिए 'सेव निमिषा प्रिया इंटरनेशनल एक्शन काउंसिल' बनाई गई। केरल के एक जाने-माने बिजनेसमैन ने निमिषा को बचाने के लिए 1 करोड़ रुपए देने का ऐलान किया था। शरिया कानून के मुताबिक, पीड़ित पक्ष को अपराधियों की सजा तय करने का हक है। हत्या के मामले में मौत की सजा है, लेकिन पीड़ित का परिवार पैसे लेकर दोषी को माफ कर सकता है। इसे 'दीया' या 'ब्लड मनी' कहा जाता है, जिसका जिक्र कुरान में भी किया गया है। यमन में दिल के पास गोली मारकर देते हैं सजा-ए-मौत-यमन में सिर्फ गोली मारकर ही मौत की सजा दी जाती है। हालांकि, यहां पत्थर मारना, फांसी देना और सिर कलम करने का भी प्रावधान है, लेकिन इनका इस्तेमाल नहीं किया जाता है।गोली मारने से पहले दोषी को किसी गलीचे या कंबल पर चेहरा नीचे करके लेटा दिया जाता है।इसके बाद डॉक्टर दोषी की पीठ के ऊपर दिल की जगह पर एक निशान लगाता है और फिर जल्लाद ऑटोमैटिक राइफल से उसकी पीठ में गोलियां मारता है। कुछ मामलों में मृत्युदंड से पहले कोड़े मारने की सजा भी दी जाती है।यमन के पीनल कोड के मुताबिक किसास, हुदूद और ताजीर के लिए मृत्युदंड का प्रावधान है??। किसासः आंख के बदले आंख का नियम, इसके तहत हत्या के मामलों में पीड़ित के परिवार को ब्लड मनी लेकर माफी लेने का अधिकार है। हुदूद अपराधः व्यभिचार, समलैंगिकता, धर्मत्याग और डकैती जैसे अपराधों के लिए शरिया के तहत मृत्युदंड दिया जा सकता है। ताजीरः गंभीर अपराधों जैसे आतंकवाद, जासूसी, या देशद्रोह के लिए मृत्युदंड दिया जा सकता है।

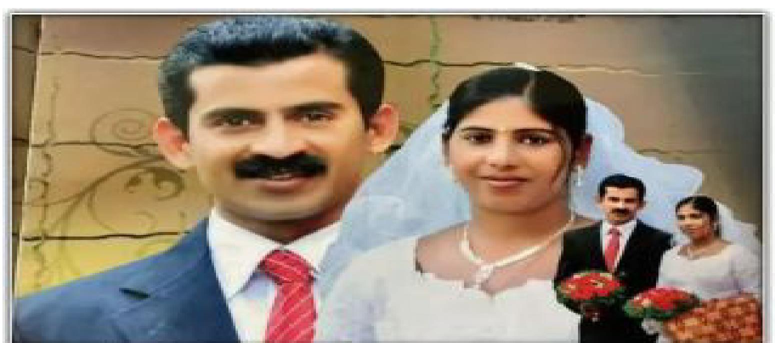

भारत के धर्मगुरु | यमन के धर्मगुरु

'कल के हथियारों से आज की जंग नहीं जीत सकते',सीडीएस बोले- विदेशी टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमें कमजोर बना रही, स्वदेशी एडवांस टेक्नोलॉजी जरूरी

नयी दिल्ली। चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने बुधवार को कहा कि हम कल के हथियारों से आज की लड़ाई नहीं जीत सकते। उन्होंने कहा विदेश से इम्पोर्ट की गई टेक्नोलॉजी पर निर्भरता हमारी युद्ध तैयारियां कमजोर करती है। सीडीएस ने कहा कि यह हमें कमजोर बना रही है। ऑपरेशन सिंदूर ने हमें दिखाया कि हमारे लिए स्वदेशी सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) यानी एंटी ड्रोन सिस्टम क्यों जरूरी है। हमें अपनी सुरक्षा के लिए इन्वेस्टमेंट करना होगा। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तान ने अनआर्म्ड ड्रोन्स का इस्तेमाल किया। अधिकतर ड्रोन्स मार गिराए गए। ये हमारे किसी भी मिलिट्री या सिविल इन्फ्रास्ट्रक्चर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा सके। सीडीएस ने ये बातें दिल्ली के मानेकशॉ सेंटर में अनमैंड एरियल व्हीकल और सी-यूएएस (काउंटर-अनमैंड एरियल सिस्टम) की प्रदर्शनी में कहीं। युद्ध में ड्रोन के इस्तेमाल पर जनरल चौहान ने कहा- मुझे लगता है कि ड्रोन्स इवॉल्यूश्नरी (विकासवादी) हैं और युद्ध में उनका इस्तेमाल बहुत क्रांतिकारी रहा है। जैसे-जैसे उनकी तैनाती और दायरा बढ़ा, सेना ने क्रांतिकारी तरीके से ड्रोन का इस्तेमाल किया। हमारे लड़े गए कई युद्धों में आपने यह देखा है। उन्होंने कहा- हम इम्पोर्टेड टेक्नोलॉजी पर निर्भर नहीं रह सकते, क्योंकि यह हमारे युद्ध और डिफेंस ऑपरेशन के लिए महत्वपूर्ण हैं। विदेशी तकनीकों पर निर्भरता हमारी तैयारियों को कमजोर करती है। उत्पादन बढ़ाने की हमारी क्षमता को कम करती है। इससे अहम मैकेनिकल पाट्र्स की कमी होती है। ण्अए जनरल चौहान ने 3 जून को पुणे यूनिवर्सिटी में 'भविष्य के युद्ध और युद्ध' विषय पर लेक्चर में कहा था, '10 मई रात पाकिस्तान ने भारत को 48 घंटे में घुटने पर लाने की प्लानिंग की थी। उसने कई जगह पर एक साथ हमले किए, लेकिन उसकी योजना 8 घंटे में ही फेल हो गई थी। इसके बाद बड़े नुकसान के डर से सीजफायर के लिए कॉल किया। हमने केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया।' उन्होंने कहा था कि पहलगाम में जो कुछ हुआ उससे कुछ हफ्ते पहले ही पाकिस्तान आर्मी चीफ जनरल असीम मुनीर ने भारत और हिंदुओं के खिलाफ जहर उगला था। पहलगाम में जो हुआ वह क्रूरता थी। ऑपरेशन सिंदूर का मकसद पाकिस्तान से राज्य प्रायोजित आतंकवाद को रोकना था। सीडीएस चौहान ने भारत-पाकिस्तान तनाव के दौरान फाइटर जेट खोने के सवाल पर कहा- जब मुझसे हमारे नुकसान के बारे में पूछा गया, तो मैंने कहा कि ये महत्वपूर्ण नहीं हैं। क्योंकि परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं यह महत्वपूर्ण है। नुकसान और संख्या के बारे में बात करना बहुत सही नहीं होगा। उन्होंने क्रिकेट का उदाहरण देते हुए कहा- मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने जाते हैं और आप एक पारी से हार जाते हैं। तो कितने विकेट, कितनी गेंदें और कितने खिलाड़ी हैं। इसका कोई सवाल ही नहीं है।7 मईः भारत ने 7 मई को रात डेढ़ बजे पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकियों के 9 ठिकानों पर एयर स्ट्राइक की थी। सेना ने कहा था कि इस स्ट्राइक में 100 से ज्यादा आतंकी मारे गए थे। पाकिस्तान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, भारत ने कोटली, बहावलपुर, मुरीदके, बाग और मुजफ्फराबाद में अटैक किया थे। इसमें आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा का हेडक्वॉर्टर और जैश-ए-मोहम्मद के मुखिया मसूद अजहर का ठिकाना भी शामिल था।8 मईः पाकिस्तान ने भारत के पश्चिमी राज्यों में बड़े पैमाने पर ड्रोन अटैक किए, लेकिन भारत के एयर डिफेंस सिस्टम ने लगभग सभी को बेअसर कर दिया था।9 मईः भारत ने 6 पाकिस्तानी सैन्य एयरबेस पर हमले किए थे। 10 मईः अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने शाम 5:30 बजे भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की जानकारी दी थी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में कहा था- रात में यूएस की मध्यस्थता में चली लंबी बातचीत के बाद मुझे बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत और पाकिस्तान तुरंत और पूरी तरह हमले रोकने के लिए तैयार हो गए हैं। ट्रंप के बयान के 30 मिनट बाद विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने शाम 6 बजे प्रेस ब्रीफ किया था। उन्होंने बताया था कि दोनों देश अब एक-दूसरे पर सैन्य कार्रवाई नहीं करेंगे। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी युद्ध विराम पर सहमति जताई थी।

नाटो की भारत पर 100फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी,कहा- इंडियन पीएम हों या चीनी राष्ट्रपति, रूस को जंग रोकने को कहें,वरना नतीजा भुगतना होगा

नयी दिल्ली। नाटो ने भारत, चीन और ब्राजील पर 100फीसदी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। नाटो महासचिव मार्क रूट ने बुधवार को कहा कि अगर आप चीन के राष्ट्रपति, भारत के प्रधानमंत्री या ब्राजील के राष्ट्रपति हैं, तो आपको यह समझना होगा कि रूस के साथ व्यापार जारी रखने का भारी नुकसान हो सकता है। रूट ने बुधवार को अमेरिकी सीनेटरों से मुलाकात के बाद पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि इन तीनों देशों को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर दबाव डालना चाहिए ताकि वह शांति वार्ता को गंभीरता से लें। रूट ने तीनों देशों पर सेकेंडरी प्रतिबंध लगाने की भी धमकी दी है। उन्होंने कहा कि अगर ये देश रूस से तेल और गैस खरीदना जारी रखते हैं तो इन देशों पर 100फीसदी सेकेंडरी प्रतिबंध लगाए जाएंगे।वहीं, रूसी उप विदेश मंत्री सर्गेई रियाबकोव ने अमेरिका और नाटो की धमकियों को खारिज किया। उन्होंने कहा, रूस ट्रम्प के साथ बातचीत के लिए तैयार है, लेकिन इस तरह के अल्टीमेटम मंजूर नहीं हैं। रियाबकोव ने कहा कि रूस आर्थिक दबाव के बावजूद अपनी नीतियां नहीं बदलेगा और ऑप्शनल बिजनेस रूट तलाशेगा। नाटो महासचिव की यह चेतावनी उस समय आई है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेन को नए हथियार देने और रूस के व्यापारिक साझीदारों पर भारी टैक्स लगाने की घोषणा की है। अमेरिका अब यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल जैसे आधुनिक हथियार देने वाला है ताकि वह रूस के हमलों से बच सके।सेकेंडरी प्रतिबंध उन देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं जो सीधे प्रतिबंधित देश पर नहीं, लेकिन उसके साथ व्यापार करने वाले देशों या कंपनियों पर लगाए जाते हैं।इसे आसान भाषा में ऐसे समझिए कि जैसे अमेरिका ने ईरान पर प्रतिबंध लगा रखा है। अगर अब भारत की कोई कंपनी ईरान से तेल खरीदती है, तो अमेरिका कह सकता है कि भारत की कंपनी ने हमारे प्रतिबंधों की अनदेखी की है, ऐसे में हम उन्हें सजा देंगे। अमेरिका, ईरान से व्यापार करने वाली कंपनी को अमेरिकी बैंकिंग सिस्टम से निकाल सकती है, जुर्माना लगा सकती है या व्यापार पर रोक लगा सकती है। इसका असर ये होता है कि सेकेंडरी प्रतिबंध के डर के कारण बहुत सी कंपनियां ऐसे देशों से व्यापार करने से बचने लगती हैं।पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी थी। ट्रम्प ने कहा था- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा था कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा।भारत रूस से कच्चे तेल का एक बड़ा खरीदार है। रूस-यूक्रेन युद्ध के बाद से भारत ने रूस से सस्ता तेल खरीदकर अपनी ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया है। अगर सेकेंडरी प्रतिबंध लागू होते हैं, तो भारत पर इसके बुरे प्रभाव पड़ सकते हैं। तेल आपूर्ति में रुकावटः भारत रूस से अपनी कुल तेल आयात का एक बड़ा हिस्सा खरीदता है। प्रतिबंधों के कारण रूसी तेल की आपूर्ति रुक सकती है। इससे भारत को वैकल्पिक स्रोतों (जैसे सऊदी अरब, इराक) से महंगा तेल खरीदना पड़ सकता है, जिससे तेल की कीमतें बढ़ेंगी। आर्थिक नुकसानः अगर भारत रूस से तेल खरीदना बंद करता है, तो ईंधन की कीमतें बढ़ सकती हैं, जिसका असर आम जनता पर पड़ेगा। अगर भारत रूस के साथ व्यापार जारी रखता है, तो अमेरिका भारतीय कंपनियों या बैंकों पर प्रतिबंध लगा सकता है, जिससे भारत का निर्यात और वित्तीय लेनदेन प्रभावित होगा। ऊर्जा संकटः रूस से तेल आयात बंद होने पर भारत की ऊर्जा सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। वैश्विक तेल बाजार पहले से ही अस्थिर है, और नए प्रतिबंध इस स्थिति को और बिगाड़ सकते हैं। भारत को तेल की कमी से बचने के लिए आपातकालीन योजनाएं बनानी पड़ सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय दबावः भारत को अमेरिका और नाटो के दबाव का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसकी विदेश नीति पर असर पड़ेगा। भारत को रूस और पश्चिमी देशों के बीच संतुलन बनाना मुश्किल हो सकता है। चीन और ब्राजील पर भी असर चीन रूस का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है और रूसी तेल का बड़ा खरीदार। चीन की अर्थव्यवस्था पर सेकेंडरी प्रतिबंधों का असर पड़ सकता है, लेकिन उसकी वैश्विक आर्थिक ताकत उसे कुछ हद तक सुरक्षा दे सकती है। ब्राजील भी रूस से तेल और अन्य सामान खरीदता है। प्रतिबंधों से उसकी अर्थव्यवस्था, खासकर कृषि और ऊर्जा क्षेत्र, प्रभावित हो सकता है।

ट्रम्प ने जेलेंस्की से पूछा-मॉस्को पर हमला कर सकते होःजवाब मिला- बिल्कुल कर सकते हैं, बस हमें हथियार सप्लाई करो

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति व्लोदिमिर जेलेंस्की से पूछा था कि क्या आप मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग पर हमला कर सकते हैं? इसके जवाब में जेलेंस्की ने कहा था- हां, अगर आप हमें हथियार देंगे तो हम ऐसा कर सकते हैं। दोनों नेताओं के बीच यह बातचीत 4 जुलाई को हुई थी, जिसका ब्योरा अब निकल कर सामने आया है।ट्रम्प ने सोमवार को ही ऐलान किया है कि अमेरिका यूक्रेन को पैट्रियट एयर डिफेंस मिसाइलें देगा। उनका कहना है कि ये मिसाइलें यूक्रेन की रक्षा के लिए जरूरी हैं क्योंकि पुतिन 'दिन में बातें करते हैं और रात में बमबारी करते हैं।'सोमवार को रूस पर यूक्रेन से जंग खत्म करने का दबाव डालने के लिए भारी टैरिफ लगाने की धमकी दी। ट्रम्प ने कहा- मैं ट्रेड को कई चीजों के लिए इस्तेमाल करता हूं, लेकिन यह युद्ध खत्म करने के लिए बहुत अच्छा है। ट्रम्प ने कहा कि अगर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 50 दिन में यूक्रेन के साथ शांति समझौता नहीं किया, तो उस पर 100फीसदी टैरिफ लगेगा। ट्रम्प ने बताया कि यह 'सेकेंडरी टैरिफ' होगा, जिसका मतलब रूस से तेल खरीदने वाले देशों, जैसे भारत और चीन, पर भी प्रतिबंध लगेगा। ट्रम्प ने व्हाइट हाउस स्थित ओवल ऑफिस में नाटो महासचिव मार्क रुटे के साथ बैठक की। इस दौरान ट्रम्प ने यूक्रेन को और हथियार देने का भी ऐलान किया। उन्होंने कहा कि यूक्रेन को रूस के हमलों से बचने के लिए हथियारों की जरूरत है। ट्रम्प ने बताया कि उनकी प्लानिंग के तहत यूरोपीय देश अमेरिका से हथियार खरीदकर यूक्रेन को देंगे। यूक्रेन को पैट्रियट मिसाइल सिस्टम, शॉर्ट-रेंज मिसाइलें, हॉवित्जर गोले और मिडिल रेंज की एयर-टु-एयर मिसाइलें दी जा सकती हैं।ओवल ऑफिस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान, ट्रम्प ने पुतिन के प्रति बार-बार अपनी निराशा जाहिर की। ट्रम्प ने कहा, 'मेरी पुतिन से हमेशा अच्छी बातचीत होती है। मैं घर जाता हूं, फर्स्ट लेडी से कहता हूं कि मैंने आज पुतिन से बात की, हमारी बातचीत बहुत अच्छी रही।' 'फिर वो कहती हैं, ओह, सच में, अभी-अभी यूक्रेन के एक और शहर पर हमला हुआ है।' ट्रम्प ने आगे कहा, 'पुतिन ने क्लिंटन, बुश, ओबामा, बाइडेन को मूर्ख बनाया। मुझे बेवकूफ नहीं बना सकते। अब एक्शन लेना जरूरी है। पुतिन को पता है कि क्या डील है।' ट्रम्प ने पुतिन पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा, 'मुझे लगा था कि हमने चार बार शांति समझौता कर लिया था, लेकिन युद्ध चलता रहा। मैं युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं हूं, लेकिन अब मैं वह खत्म करने के लिए काम कर रहा हूं।'राष्ट्रपति ट्रम्प ने बीबीसी से बात करते हुए कहा कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से नाखुश हैं, लेकिन उनके साथ रिश्ते पूरी तरह टूटे नहीं हैं। जब उनसे पुतिन पर भरोसे के बारे में सवाल किया गया, तो ट्रम्प ने कहा, 'मैं किसी पर भी पूरी तरह भरोसा नहीं करता।'एक अधिकारी ने सीएनएन को बताया कि ये 'सेकेंडरी टैरिफ' रूस से तेल खरीदने वाले देशों को निशाना बनाएंगे, क्योंकि अमेरिका और रूस के बीच बहुत कम व्यापार है। इससे रूस की अर्थव्यवस्था पर बड़ा असर पड़ सकता है। नाटो के अमेरिकी राजदूत मैट व्हिटेकर ने कहा- ये प्रतिबंध रूस को सीधेतौर पर निशाना नहीं बनाते, बल्कि उन देशों को प्रभावित करेंगे जो रूस से तेल खरीदते हैं। यह कदम रूस की अर्थव्यवस्था को कमजोर करने के लिए उठाया गया है।नाटो महासचिव बोले- यूक्रेन के साथ आर्म्स डील गेम चेंजर नाटो महासचिव मार्क रुटे ने ट्रम्प के साथ बैठक में इस आर्म्स डील को गेम-चेंजर बताया। उन्होंने जर्मनी, फिनलैंड, डेनमार्क, स्वीडन और नॉर्वे जैसे देशों को हथियारों की आपूर्ति में शामिल होने की संभावना जताई। ट्रम्प ने यूरोप की तारीफ की और कहा, 'मुझे पहले नहीं लगा था कि यूरोप में इतना जोश है, लेकिन उनकी एनर्जी कमाल की है। यूरोप रूस-यूक्रेन जंग रोकना चाहता है। उनकी टीम भावना का स्तर अद्भुत है।' दूसरी तरफ अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन को हथियार भेजने को लेकर ट्रम्प के फैसले के पीछे कई सोच हैं। ट्रम्प यूक्रेन को सीधे हथियार देने की बजाय, यूरोपीय देशों के जरिए उसे हथियार देना चाहते हैं। इस रणनीति के जरिए वे रूस-यूक्रेन युद्ध में अमेरिका की भूमिका को कम करने के अपने चुनावी वादे से पलट रहे हैं। ट्रम्प ने चुनाव के समय यूक्रेन को अमेरिकी समर्थन वापस लेने की कसम खाई थी। रूस और यूक्रेन के बीच 3 साल से ज्यादा समय से जंग जारी है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 24 फरवरी 2022 को यूक्रेन पर मिलिट्री ऑपरेशन का ऐलान किया था। तब से दोनों देश एक-दूसरे पर हमले कर रहे हैं।

राहुल बोले- जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा मिले,पीएम मोदी को लेटर लिखा; कहा- मानसून सत्र में बिल लाया जाए

नयी दिल्ली। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा देने की मांग की है। राहुल ने पीएम मोदी को लेटर लिखकर कहा कि, संसद के आगामी मानसून सत्र में जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने के लिए बिल लाया जाए। राहुल ने अपने लेटर में प्रधानमंत्री मोदी के पुराने दो बयानों का भी जिक्र किया। जब पीएम ने 19 मई 2024 को भुवनेश्वर में और 19 सितंबर 2024 को श्रीनगर की रैली में जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा दिलाने की बात कही थी। इसके अलावा राहुल ने सरकार से लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची में शामिल करने के लिए कानून लाने का भी अनुरोध किया। साल 2019 में अनुच्छेद 370 और 35ए हटाते समय जम्मू-कश्मीर और लद्दाख दो केंद्र शासित प्रदेश बनाए गए थे। सरकार ने उस समय ही राज्य के हालात सामान्य होने पर पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल करने का भरोसा दिया था।जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम, 2019 के तहत जम्मू-कश्मीर राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में पुर्नगठित किया गया था। इसलिए पूर्ण राज्य के दर्जे के लिए संसद में एक कानून पारित कर पुनर्गठन अधिनियम में बदलाव करना होगा। यह बदलाव संविधान की धारा 3 और 4 के तहत होंगे। राज्य का दर्जा देने के लिए लोकसभा और राज्यसभा में नए कानूनी बदलावों का अनुमोदन जरूरी होगा, यानी संसद से इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलना जरूरी है। मंजूरी के बाद इसे राष्ट्रपति के पास भेजा जाएगा। उनकी मंजूरी के बाद जिस दिन राष्ट्रपति इस कानूनी बदलाव की अधिसूचना जारी करेंगे, उसी तारीख से जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा मिल जाएगा। पूर्ण राज्य के दर्जे के बाद जम्मू-कश्मीर में क्या-क्या बदलेगा? पुलिस और कानून-व्यवस्था की जिम्मेदारी राज्य सरकार के पास आ जाएगी। सरकार का पुलिस पर सीधा नियंत्रण होगा।भूमि, राजस्व और पुलिस से जुड़े मामलों पर कानून बनाने का अधिकार भी राज्य सरकार को मिल जाएगा। सरकार चलाने में तब राज्यपाल का दखल नहीं होगा। वित्तीय मदद के लिए केंद्र पर निर्भरता खत्म होगी। वित्त आयोग से वित्तीय सहायता मिलेगी। राज्य की विधानसभा को पब्लिक ऑर्डर यानी सार्वजनिक व्यवस्था और समवर्ती सूची के मामलों में कानून बनाने के अधिकार मिलेंगे। सरकार कोई वित्तीय बिल पेश करती है तो इसके लिए उसे राज्यपाल की मंजूरी लेने की जरूरत नहीं होगी।

'पंचायत' के सचिव जी दिखेंगे मिर्जापुर फिल्म में,जितेंद्र कुमार विक्रांत मैसी को करेंगे रिप्लेस, रवि किशन भी आएंगे नजर

मुंबई। बहुचर्चित वेब सीरीज 'मिर्जापुर' अब बड़े पर्दे पर दर्शकों का मनोरंजन करने को तैयार है। वेब सीरीज इतिहास में यह पहली

बार है, जब सीरीज को फिल्म में कन्वर्ट किया जा रहा है। आगे चलकर उस पर आधिकारिक मुहर भी लगी। सीरीज में मुख्य किरदार गुड्डू और बबलू पंडित को अली फजल और विक्रांत मैसी ने प्ले किया था। जब मिर्जापुर को बतौर फिल्म भी लाने की घोषणा हुई तो यही कहा गया कि फिल्म में भी वो दोनों ही मेन लीड होंगे। मगर अब इससे जुड़े सूत्रों से मिली जानकारियों के तहत विक्रांत मैसी फिल्म में नहीं रहने वाले हैं। सूत्रों से मिली ताजा जानकारी के अनुसार, 'इसे फिल्म में कन्वर्ट किया जा रहा है। साथ ही इस बहुप्रतीक्षित फिल्म में एक बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। विक्रांत मैसी की जगह अब उसमें 'पंचायत' फेम जितेंद्र कुमार, जिन्हें दर्शक प्यार से 'जीतू भैया' के नाम से जानते हैं, मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि विक्रांत मैसी अपने अन्य प्रोजेक्ट्स की व्यस्तता के चलते फिल्म से अलग हुए हैं, जिसके बाद मेकर्स ने जीतू भैया पर दांव लगाने का फैसला किया है। जीतू भइया यानी जितेंद्र कुमार भी ओटीटी स्पेस में काफी लोकप्रिय हैं। इनफैक्ट उन्हें ओटीटी स्पेस का शाहरुख खान भी पुकारा जाता है। ऐसे में बतौर बबलू पंडित मिर्जापुर फिल्म में उनकी कास्टिंग भी ऐप्ट है। मेकर्स की ओर से इस पर अनाउंसमेंट जल्द आने को है।सूत्रों ने बताया, 'फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से मुंबई और बनारस के वास्तविक लोकेशन पर होगी, जो कहानी के मिजाज को और गहराएगी। इसके अलावा, एक महत्वपूर्ण हिस्सा राजस्थान के रेगिस्तानी इलाके में भी फिल्माया जाएगा, संभवतः जोधपुर या जैसलमेर जैसी जगहों पर। फिल्म के लिए लीड एक्ट्रेस की तलाश अभी जारी है। खबरों के मुताबिक, सोनम बाजवा और सोनल चौहान के नामों पर विचार किया जा रहा है। सोनल चौहान की लंबे समय बाद वापसी को लेकर कुछ सवाल उठ रहे हैं, लेकिन मेकर्स इन दोनों नामों पर गंभीरता से विचार कर रहे हैं। पहले अली फजल की व्यस्तता के कारण फिल्म की शूटिंग में कुछ देरी हो रही थी, लेकिन अब उनकी डेट्स मिल चुकी हैं। फिल्म का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। शूटिंग पहले मुंबई में शुरू होगी, जिसके बाद टीम बनारस और फिर राजस्थान का रुख करेगी। उम्मीद है कि फिल्म की शूटिंग अगस्त या सितंबर से शुरू हो जाएगी। विक्रांत के फिल्म में न होने की वजह उनके आगामी प्रोजेक्ट्स हैं। खासकर आध्यात्मिक गुरु श्री श्री रविशंकर की बायोपिक। उस प्रोजेक्ट की व्यस्तता और किरदार की इमेज के चलते माना जा रहा कि विक्रांत ने मिर्जापुर फिल्म को ना कहा है। हालांकि विक्रांत की ओर से इस पर आधिकारिक ऐलान होना बाकी है।मिर्जापुर' फिल्म में दर्शक अपने पसंदीदा किरदारों को एक बार फिर बड़े परदे पर देख पाएंगे। कालीन भैया (पंकज त्रिपाठी), रवि किशन, और बीना त्रिपाठी (रसिका दुगल) जैसे प्रमुख कलाकार अपनी भूमिकाओं को दोहराएंगे। हालांकि, फिल्म की कहानी पहले सीजन के मूल तत्वों को बरकरार रखेगी, लेकिन इसमें नए ट्विस्ट, भरपूर एक्शन और कुछ धमाकेदार फाइट सीक्वेंस जोड़े जाएंगे। रवि किशन की भूमिका को भी कहानी में एक नया आयाम देने के लिए शामिल किया गया है, जिससे दर्शकों को कुछ नया देखने को मिलेगा। गुरमीत सिंह का निर्देशन और पुनीत कृष्णा की कलम वेब

सीरीज के सफल निर्देशन के बाद, गुरमीत सिंह ही फिल्म 'मिर्जापुर' का निर्देशन करेंगे, जिससे दर्शक कहानी के मिजाज से वाकिफ रहेंगे। फिल्म की कहानी पुनीत कृष्णा ने लिखी है, जो वेब सीरीज के भी लेखक रहे हैं। बीच में ऐसी भी खबरें थीं कि पुनीत कृष्णा का एक्सेल एंटरटेनमेंट से कुछ मतभेद हुआ था और वह नेटफ्लिक्स के साथ किसी अन्य प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे, लेकिन अब वह पूरी तरह से 'मिर्जापुर' फिल्म टीम के साथ जुड़ गए हैं। दर्शकों के मन में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठ रहा है कि जब वे वेब सीरीज देख चुके हैं, तो फिल्म में क्या नया मिलेगा। सूत्रों का कहना है कि फिल्म में पहले सीजन के किरदारों और घटनाओं को आधार बनाया जाएगा, लेकिन कहानी को एक नए तरीके से प्रस्तुत किया जाएगा, जिसमें कई रोमांचक एक्शन और फाइट सीक्वेंस होंगे। यह भी बताया गया है कि वेब सीरीज की तरह ही फिल्म में कुछ वयस्क सामग्री भी शामिल होगी, जिसे हटाया नहीं जाएगा।मेकर्स का लक्ष्य है कि 'एनिमल' जैसी फिल्मों के दर्शक इस फिल्म को देखने आएं, जिससे 'मिर्जापुर' की अपनी विशिष्ट ऑडियंस सिनेमाघरों तक पहुंचे। इसका सीधा सा मतलब है कि फिल्म का टारगेट ऑडियंस वही होगा जो वेब सीरीज से जुड़ा है, और उन्हें वही 'मसाला' मिलेगा जिसकी उन्हें उम्मीद है। फिल्म में कुछ नए कलाकार भी शामिल किए जा सकते हैं। कास्टिंग प्रक्रिया अभी भी जारी है, और निर्देशक गुरमीत सिंह भी नए चेहरों की तलाश में हैं ताकि फिल्म में कुछ ताजगी लाई जा सके। सेट लगाने और अन्य प्री-प्रोडक्शन तैयारियों के साथ, 'मिर्जापुर' फिल्म की शूटिंग अगस्त के मध्य से सितंबर तक शुरू होने की संभावना है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर 'मिर्जापुर' के रोमांच को एक नए स्तर पर ले जाने के लिए तैयार है।

कियारा आडवाणी- सिद्धार्थ मल्होत्रा के घर आई नन्ही परी

मुंबई। कियारा

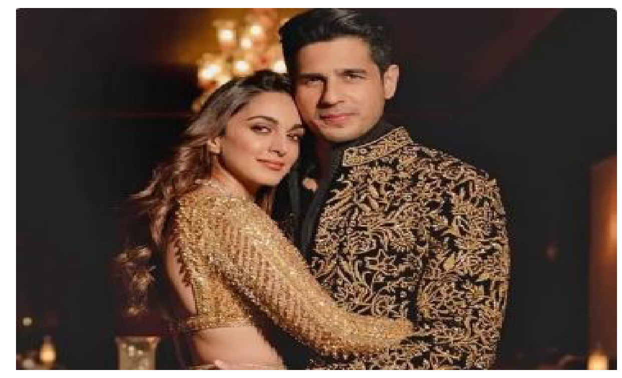

आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा पेरेंट्स बन गए हैं। कियारा ने मंगलवार रात को मुंबई के एचएन रिलायंस हॉस्पिटल में बेटी को जन्म

दिया है। कियारा सोमवार को हॉस्पिटल में एडमिट हुई थीं, जहां उनकी नॉर्मल डिलीवरी हुई है। कियारा आडवाणी और बेबी दोनों हेल्दी हैं। एनडीटीवी की रिपोर्ट के अनुसार, कियारा की डिलीवरी अगस्त में होनी थी, जो अब जुलाई में हुई है। फिलहाल सिद्धार्थ और कियारा की तरफ से इसकी कोई ऑफिशियल अनाउंसमेंट नहीं हुई है। फैंस इस खुशखबरी के बाद कपल की बेटी की पहली झलक का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बताते चलें कि सिद्धार्थ और कियारा ने फिल्म शेरशाह में साथ काम किया था। शूटिंग के सेट पर दोनों ने एक-दूसरे को डेट करना शुरू किया था। सिद्धार्थ और कियारा ने 7 फरवरी 2023 को जैसलमेर के सूर्यगढ़ पैलेस में शादी की थी।ये एक इंटिमेट वेडिंग थी, जिसमें करीबी रिश्तेदार और दोस्त ही शामिल हुए थे। शादी के एक साल बाद फरवरी 2024 में कपल ने खूबसूरत अंदाज में गुड न्यूज शेयर की थी। कपल ने एक छोटे से सॉक्स की तस्वीर के साथ लिखा था, हमारी जिंदगी का सबसे बेहतरीन गिफ्ट जल्द आ रहा है।साल 2019 में फिल्म जुग जुग जियो के प्रमोशनल इवेंट में कियारा आडवाणी ने मां बनने पर बात की थी। उस समय उनकी शादी भी नहीं हुई थी। कोईमोई से बातचीत में कियारा ने कहा था कि वो चाहती हैं उन्हें एक बेटी और एक बेटा हो। उन्होंने कहा था, मैं इस लिए प्रेग्नेंट होना चाहती हूं, जिससे मैं जो चाहूं वो खा सकूं और भूल जाऊं। मुझे बस दो हेल्दी बच्चे चाहिए, जो भगवान मुझे तोहफे में दें। एक लड़का और एक लड़की हो।बताते चलें कि कियारा आडवाणी फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 में रणवीर सिंह के साथ नजर आने वाली थीं, हालांकि प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के बाद कियारा ने फिल्म छोड़ दी थी। वो फिलहाल मेटरनिटी ब्रेक पर हैं।

डायरेक्टर धीरज कुमार का निधन,देव आनंद के साथ हीरा पन्ना में नजर आए थे,कल आधुनिक समाचार ने वेंटिलेटर पर होने की खबर प्रकाशित की थी

मुंबई। फिल्म हीरा पन्ना, रोटी कपड़ा और मकान, बहारों फूल

बरसाओ जैसी कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आए और मिली, घर की लक्ष्मी बेटियां और मायका जैसे शोज प्रोड्यूस कर चुके धीरज कुमार का आज दोपहर निधन हो गया है। सोमवार को सांस लेने की तकलीफ होने पर उन्हें कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था, जहां हालत नाजुक होने पर उन्हें वेंटिलेटर सपोर्ट में रखा गया था। 79 साल के एक्टर-डायरेक्टर को निमोनिया हुआ था। धीरज कपूर का अंतिम संस्कार 16 जुलाई को सुबह 11 बजे विले पार्ले स्थित पवनहंस श्मशान भूमि में होगा। सुबह 6 बजे उनका पार्थिव शरीर कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल से अंधेरी वेस्ट स्थित घर लाया जाएगा। सुबह 10 बजे तक उनके अंतिम दर्शन हो सकेंगे। वेटरन एक्टर, डायरेक्टर और प्रोड्यूसर धीरज कुमार के अस्पताल में भर्ती होने के बाद उनके परिवार ने एक ऑफिशियल स्टेटमेंट जारी कर चाहने वालों से उनके जल्द ठीक होने की दुआ करने की अपील की थी। साथ ही परिवार ने इस मुश्किल घड़ी में उनकी निजता का सम्मान करने की विनती भी की थी। परिवार ने बताया था कि धीरज कुमार को डॉक्टर्स की कड़ी निगरानी में रखा गया था।धीरज कुमार ने बतौर मॉडल अपने करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने राजेश खन्ना को फिल्मफेयर टैलेंट हंट कॉम्पिटिशन में कड़ा मुकाबला दिया था। इस कॉम्पिटिशन में राजेश खन्ना ने पहला स्थान, सुभाष घई ने दूसरा और धीरज कुमार ने तीसरा स्थान हासिल किया था। ये तीनों ही विजेताओं ने हिंदी सिनेमा में कदम रखा और कामयाबी हासिल की। 1970 से 1985 तक धीरज कुमार ने हीरा पन्ना, शिरडी के साईं बाबा, सरगम, मांग भरो सजना, क्रांति, पुराना मंदिर, कर्म युद्ध और बेपनाह जैसी कई फिल्में की थीं। इसके बाद उन्होंने प्रोडक्शन हाउस क्रिएटिव आई की शुरुआत की।

विक्रांत मेस्सी ने छोड़ी रणवीर सिंह की डॉन 3,अब नेगेटिव रोल के लिए विजय देवरकोंडा और आदित्य राय कपूर से बातचीत जारी

मुंबई। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही फिल्म डॉन 3 की कास्टिंग में लगातार दिक्कतें हो रही हैं। कुछ समय पहले ही

कियारा आडवाणी ने प्रेग्नेंसी के चलते लीड रोल छोड़ दिया था। वहीं अब फिल्म में नेगेटिव रोल के लिए साइन किए जा चुके एक्टर विक्रांत मेस्सी ने भी फिल्म से हटने का फैसला लिया है। रिपोर्ट्स के अनुसार, विक्रांत को उनका रोल पसंद नहीं आ रहा था। हाल ही में आई बॉलीवुड हंगामा की रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म से जुड़े करीबी सूत्र ने बताया है विक्रांत मेस्सी को डॉन 3 में उनके किरदार में गहराई की कमी लगी, जिससे उन्होंने इससे हटने का बोल्ड फैसला लिया है। फिल्म में उनका किरदार नेगेटिव था, जो चिकनी-चुपड़ी बातें करने वाला घोटालेबाज है। फिल्म में उनके लीड एक्टर रणवीर सिंह के साथ भी कई एक्शन सीक्वेंस थे। अब फरहान अख्तर को फिर एक बार कास्टिंग के लिए जद्दोजहद करनी पड़ेगी।मेकर्स नए एक्टर की तलाश में जुट चुके हैं। सूत्र के अनुसार, मेकर्स विजय देवरकोंडा और आदित्य रॉय कपूर से इस रोल पर चर्चा कर रहे हैं, हालांकि दोनों की तरफ से अब तक कोई जवाब नहीं मिला है। जिस समय फिल्म बननी शुरू हुई थी, उस समय रणवीर सिंह के साथ कियारा आडवाणी लीड रोल में थीं। लेकिन प्रेग्नेंसी अनाउंस करने के ठीक बाद कियारा ने मेटरनिटी ब्रेक लेने के लिए अचानक फिल्म छोड़ दी। मेकर्स ने उनके इस फैसले का सम्मान किया था। कियारा की जगह अब फिल्म में कृति सेनन को साइन किया गया है। फरहान अख्तर के निर्देशन में बन रही इस फिल्म की शूटिंग जनवरी 2026 से शुरू होने वाली है। पहले मेकर्स 2025 से शूटिंग शुरू करना चाहते थे। बताते चलें कि फिल्म की शूटिंग लंदन में होने वाली है।

कटरीना हुई 42 की,आसान नहीं था कैरियर का रास्ता,पिता ने छोड़ा साथ, मां ने अकेले पालाःमहेश भट्ट ने रातों-रात फिल्म से निकाला

मुंबई। बॉलीवुड की बार्बी गर्ल कटरीना कैफ भले ही आज इंडस्ट्री की टॉप एक्ट्रेसेज में शुमार हैं, लेकिन यहां तक पहुंचना उनके लिए कभी आसान नहीं रहा। जब कटरीना बहुत छोटी थीं, तभी उनके माता-पिता का तलाक हो गया था। पिता ने अलग होने के बाद किसी भी तरह की आर्थिक मदद नहीं की। ऐसे में उनकी मां ने ही अकेले ही सभी आठ बच्चों की परवरिश की। घर की स्थिति को देखते हुए कटरीना कैफ ने महज 14 साल की उम्र में मॉडलिंग शुरू कर दी थी। इसके बाद उन्हें मॉडलिंग के कई प्रोजेक्ट्स मिलने लगे। इसी दौरान कटरीना अपने दोस्तों के साथ भारत घूमने आईं। भले ही यह सिर्फ एक आम ट्रिप थी, लेकिन उन्हें खुद भी नहीं पता था कि यह सफर उनकी जिंदगी की दिशा ही बदल देगा। भारत आने के बाद कटरीना ने फिल्म बूम से डेब्यू किया, लेकिन यह बुरी तरह से फ्लॉप हो गई। महेश भट्ट ने भी अपनी फिल्म से रातों-रात उन्हें निकाल दिया था। ऐसे में कटरीना को लगा कि उनका फिल्मी करियर खत्म हो गया है, लेकिन उनकी किस्मत तब बदली जब सलमान खान उनकी जिंदगी में आए।कटरीना के पिता मोहम्मद कैफ कश्मीरी मूल के थे, जबकि उनकी मां सुजैन टर्कोट ब्रिटिश नागरिक थीं। शादी के बाद कटरीना के माता-पिता हॉन्गकॉन्ग में बस गए। कटरीना का जन्म अपने बड़े भाई सेबेस्टियन और तीन बड़ी बहनों स्टेफनी, क्रिस्टीन और नताशा के बाद हुआ। कटरीना के बाद तीन और छोटी बहनों मेलिसा, सोनिया और इसाबेल का जन्म हुआ। शुरुआत में सब कुछ ठीक था, लेकिन बाद में कटरीना के माता-पिता के बीच मतभेद बढ़ने लगे, जिस कारण दोनों ने तलाक ले लिया। पिता ने आठों बच्चों की जिम्मेदारी मां सुजैन पर छोड़ दी और न ही कभी किसी तरह की आर्थिक मदद दी। ऐसे में सुजैन ने ही अकेले आठों बच्चों का पालन-पोषण किया। कटरीना कैफ ने इंटरव्यू के दौरान कहा था, पिता के न होने से जिंदगी में एक खालीपन होता है, जिससे हर लड़की असुरक्षित महसूस करती है। जब मेरे बच्चे होंगे तो मैं कोशिश करूंगी कि उन्हें मां और पिता दोनों का प्यार मिले।कटरीना की मां सुजैन एक सामाजिक संस्था में काम करने लगीं। इसके चलते उन्हें हर दो साल में देश बदलना पड़ता था। ऐसे में कभी कटरीना चीन चली गईं, तो कभी जापान, फिर फ्रांस, स्विट्जरलैंड, पोलैंड, बेल्जियम, हवाई और फिर जब वह 14 साल की थीं, तब अपने परिवार के साथ लंदन में बस गईं। बार-बार देश बदलने की वजह से कटरीना कभी स्कूल नहीं जा पाईं। उनकी मां ने बच्चों की पढ़ाई के लिए घर पर ही ट्यूटर लगाए थे।घर की आर्थिक स्थिति को देखते हुए कटरीना ने

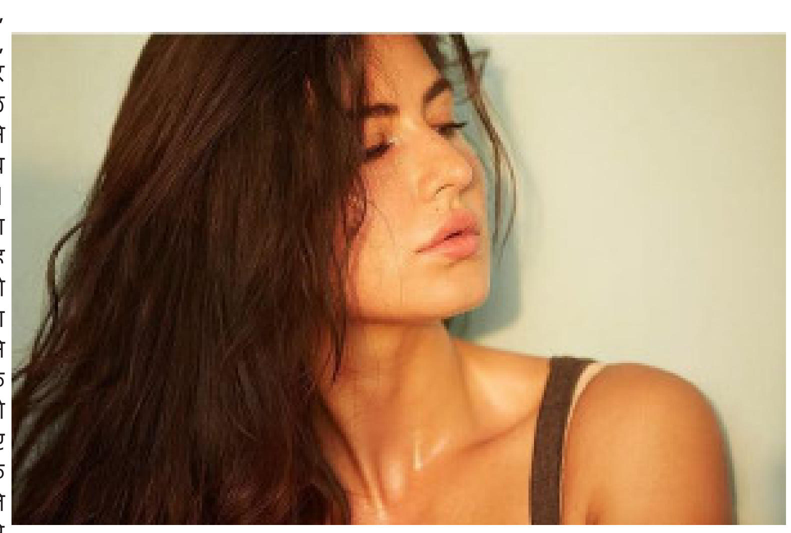

महज 14 साल की उम्र में मॉडलिंग की दुनिया में कदम रख दिया था। उन्होंने हवाई में हुए एक ब्यूटी कॉन्टेस्ट में हिस्सा लिया और उसे जीता भी। इसके बाद कटरीना को ज्वेलरी ब्रांड के लिए मॉडलिंग करने का मौका मिला और फिर उन्हें लगातार मॉडलिंग प्रोजेक्ट्स मिलने लगे। कटरीना का हुनर उन्हें लंदन फैशन वीक तक ले गया और वो लंदन में ही प्रोफेशनल मॉडल के तौर पर काम करने लगीं। कटरीना कैफ मॉडलिंग की दुनिया में काफी अच्छा काम कर रही थीं। इसी दौरान उनके कई दोस्त भी बने। एक दिन सभी ने मिलकर भारत घूमने का प्लान बनाया, जिसमें कटरीना भी शामिल हो गईं। जैसे ही वह भारत आईं, उन्होंने यहां एक फैशन शो में रैंप वॉक किया। इसी दौरान फिल्ममेकर कैजाद गुस्ताद की नजर उन पर पड़ी और उन्होंने उन्हें अपनी फिल्म बूम में कास्ट करने का फैसला किया। हालांकि इसका यह मतलब नहीं है कि यहीं से कटरीना सीधे बॉलीवुड की टॉप हीरोइनों में शुमार हो गईं। इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्हें कई रिजेक्शन और आलोचनाओं का सामना करना पड़ा। कटरीना ने फिल्म बूम (2003) से बॉलीवुड में डेब्यू तो किया, लेकिन अमिताभ बच्चन, गुलशन ग्रोवर और जैकी श्रॉफ जैसे बड़े स्टार्स के होने के बावजूद फिल्म बुरी तरह फ्लॉप हो गई। फिल्म में कटरीना और गुलशन ग्रोवर के बीच बोल्ड सीन्स भी थे, जो काफी चर्चा में रहे। पिता के जाने के बाद से ही कटरीना मां सुजैन टर्कोट का सरनेम ही इस्तेमाल करती आई थीं, लेकिन फिल्मों में आने के लिए उन्होंने पिता का सरनेम इस्तेमाल किया, जिससे लोग इसे आसानी से प्रोनाउंस कर सकें।कटरीना कैफ को महेश भट्ट ने फिल्म साया के लिए साइन किया था। ऑडिशन के दौरान महेश भट्ट को कटरीना की एक्टिंग काफी पसंद आई थी, लेकिन जब फिल्म की शूटिंग का पहला दिन आया, तो हालात कुछ और ही निकले। कटरीना न तो ठीक से एक्टिंग कर पा रही थीं और न ही हिंदी बोल पा रही थीं। यह देख महेश भट्ट काफी नाराज हो गए और उन्होंने पहले ही दिन कटरीना को फिल्म से बाहर कर दिया। इसके बाद फिल्म में कटरीना की जगह तारा शर्मा को जॉन अब्राहम के अपोजिट कास्ट किया गया। एक इंटरव्यू में इस अनुभव को याद करते हुए कटरीना ने कहा था, मैं बहुत रोई थी। मुझे लगा जैसे मेरी जिंदगी खत्म हो गई है। मुझे यह भी लगा कि शायद मेरा करियर अब कभी शुरू नहीं हो पाएगा।बूम और साया के बाद लंबे समय तक कटरीना को कोई फिल्?म नहीं मिली। ऐसे में फिर उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में एंट्री की। साल 2004 में तेलुगु फिल्म मल्लिसवरी में काम किया। इस फिल्म के लिए कटरीना 7.5 लाख रुपए फीस चार्ज कर साउथ की हाईएस्ट पेड एक्ट्रेस बनीं। इस फिल्म के लिए कटरीना को फिल्मफेयर में साउथ की बेस्ट एक्ट्रेस के लिए नॉमिनेट किया गया था। इसके बाद फिर कटरीना फिल्म सरकार में अभिषेक बच्चन की गर्लफ्रेंड के रोल में दिखीं। भले ही उनका किरदार छोटा था, लेकिन उनकी खूबसूरती ने लोगों का दिल जीत लिया।जब कटरीना मॉडलिंग कर रही थीं उस दौरान उनकी दोस्ती सलमान खान की बहन अलवीरा खान से हुई। अलवीरा ने एक बार सलमान के जन्मदिन पर कटरीना को इनवाइट किया, जो उनके ही घर पर थी। जब कटरीना उनके घर पहुंचीं तो सलमान खान अचानक बिना शर्ट पहने कमरे से बाहर आ गए और कटरीना उन्हें देखकर हंसने लगीं। हालांकि उस वक्त वह यह नहीं जानती थीं कि सलमान एक सुपरस्टार हैं। कटरीना को हंसता देखकर सलमान ने सफाई में कहा कि मैं बस नहाकर ही निकला हूं, मुझे नहीं पता था कि मेहमान पहले ही आ चुके हैं और मेरा इंतजार कर रहे हैं। इसके बाद पार्टी में दोनों की छोटी सी बातचीत में ही दोस्ती हो गई। फिर कुछ समय बाद सलमान ने कटरीना को अपनी अगली फिल्म मैंने प्यार क्यों किया का ऑफर दे दिया। यह फिल्म कटरीना के करियर के लिए टर्निंग पॉइंट साबित हुई। इससे न सिर्फ उन्हें अलग पहचान मिली, बल्कि कई फिल्मों के ऑफर भी मिलने लगे। कटरीना फिर हमको दीवाना कर गए, नमस्ते लंदन, वेलकम, पार्टनर, सिंह इज किंग, अजब प्रेम की गजब कहानी और राजनीति जैसी कई हिट फिल्मों में नजर आईं।साल 2005 में कटरीना कैफ और सलमान खान पहली बार फिल्म मैंने प्यार क्यों किया में साथ नजर आए थे। यह फिल्म न सिर्फ हिट साबित हुई, बल्कि दोनों की जोड़ी को भी दर्शकों ने खूब पसंद किया। जल्द ही अखबारों और मैगजीन में दोनों के अफेयर की चर्चाएं होने लगीं, हालांकि दोनों ने कभी अपने रिश्ते पर कोई रिएक्शन नहीं दिया। इसके बाद साल 2007 में दोनों फिल्म पार्टनर में दोबारा साथ नजर आए, लेकिन इसी साल सलमान को 1998 में हम साथ-साथ हैं की शूटिंग के दौरान हुए चिंकारा शिकार मामले में 25 अगस्त 2007 को गिरफ्तार कर लिया गया। इस दौरान कटरीना सलमान से मिलने जोधपुर जेल भी गईं। कटरीना हर सुख-दुख में सलमान के साथ खड़ी रहीं। सलमान भी कटरीना की सुरक्षा को लेकर इतने चिंतित रहते थे कि जब वे साथ नहीं होते, तो अपने बॉडीगार्ड शेरा को कटरीना के साथ भेजते थे। कई सालों तक दोनों ने एक-दूसरे को डेट किया और फैंस को लगने लगा था कि वे जल्द ही शादी कर लेंगे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ। दोनों का ब्रेकअप हो गया और इसके पीछे की वजह रणबीर कपूर को माना जाता है।सलमान खान से अलग होने के बाद कटरीना कैफ का नाम रणबीर कपूर से जुड़ा। 2013 में स्टारडस्ट में छपी एक वेकेशन फोटो से उनका रिश्ता कन्फर्म हुआ था। प्राइवेट वेकेशन की तस्वीर सामने आने पर कटरीना ने भड़कते हुए इस पर रिएक्शन दिया था। कुछ समय बाद दोनों लिव-इन में रहने लगे और शादी की खबरें भी लगातार सामने आने लगीं। इसी बीच एक बार करीना कपूर, रणबीर के साथ करण जौहर के शो कॉफी विद करण में पहुंची थीं। करण ने रैपिड फायर राउंड में करीना से पूछा कि वो किस एक्ट्रेस के साथ गे एनकाउंटर कर सकती हैं। इसके जवाब में करीना ने कहा था कि वो अपनी भाभी कटरीना के साथ गे एनकाउंटर करने में कंफर्टेबल रहेंगी। हालांकि यह रिश्ता भी नहीं चल सका और 2016 में अचानक दोनों अलग हो गए।विक्की कौशल और कटरीना कैफ की लव स्टोरी काफी प्राइवेट रही है। कहा जाता है कि दोनों की पहली मुलाकात जोया अख्तर के घर पर हुई थी, लेकिन पिंकविला से बात करते हुए विक्की ने बताया था कि शो होस्टिंग के दौरान वह पहली बार कटरीना से मिले थे।उन्होंने कहा था, 'मैं शो की मेजबानी कर रहा था और मुझे लगता है कि यह पहली बार था, जब मैं उनसे मिला और हमारी बात हुई। स्टेज पर तो कान में इयर पीस लगा होता है। लोग पीछे से गाइड करते रहते हैं कि ऐसा करो, वैसा करो। सब कुछ स्क्रिप्टेड होता है, लेकिन स्टेज के पीछे यह पहली बार था जब हमने एक-दूसरे को फॉर्मली इंट्रोडक्शन दिया। इसके बाद से ही दोनों की डेटिंग की खबरें भी आने लगी थीं। वहीं, साल 2020 में कटरीना ने एक सफेद हुडी में तस्वीर शेयर की थी, जो कि असल में विक्की की थी। इसके बाद ही दोनों की कपड़ों की अदला-बदली ने रिलेशनशिप की अफवाहों को कन्फर्म कर दिया।लंबे समय तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद 9 दिसंबर, 2021 को दोनों शादी के बंधन में बंध गए। दोनों ने राजस्थान के माधोपुर के फोर्ट बरवाड़ा में सात फेरे लिए थे।उनकी शादी में हल्दी, मेहंदी, संगीत, जयमाला और सात फेरे सहित सभी पारंपरिक रीति-रिवाज शामिल थे। शादी के बाद कटरीना कैफ अपनी मैरिड लाइफ को खूब एन्जॉय करती नजर आती हैं। वे अक्सर अपने सास-ससुर और देवर के साथ तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर करती रहती हैं।2010 और 2011 में बार्बी डॉल बनाने वाली कंपनी मेटल ने भारत में कटरीना कैफ की बार्बी लॉन्च की थी। कटरीना पहली बॉलीवुड एक्ट्रेस हैं जिनकी बार्बी डॉल बनाई गई है। इसके अलावा यूके मैगजीन ईस्टर्न आई ने 2008-10 तक कटरीना को सेक्सिएस्ट एशियन वुमन का दर्जा दिया था। 2015 में लंदन के मैडम तुसाद म्यूजियम में कटरीना कैफ का वैक्स स्टैच्यू भी लगा।

बांग्लादेश से फिल्ममेकर सत्यजीत रे का घर बचाने की अपीलःभारत ने कहा-पुश्तैनी इमारत गिराने पर दोबारा सोचें

नयी दिल्ली। भारत ने मंगलवार को बांग्लादेश से प्रसिद्ध फिल्ममेकर और साहित्यकार सत्यजीत रे की पैतृक संपत्ति को ध्वस्त करने के फैसले पर रोक लगाने की अपील की। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश सरकार से कहा कि उन्हें अपने फैसले पर पुनर्विचार करने करना चाहिए। विदेश मंत्रालय ने अपने बयान में कहा, 'हमें बहुत दुख है कि बांग्लादेश के मैमनसिंह में स्थित सत्यजीत रे के पुश्तैनी घर को ध्वस्त किया जा रहा है। यह घर सत्यजीत रे के दादा और प्रख्यात साहित्यकार उपेंद्रकिशोर रे चौधरी का था। यह संपत्ति अभी बांग्लादेश सरकार के स्वामित्व में, जर्जर अवस्था में है।'मंत्रालय ने कहा, 'यह इमारत बांग्ला सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। इमारत के इतिहास को देखते हुए बेहतर होगा कि इसे साहित्य संग्रहालय और भारत-बांग्लादेश की साझा संस्कृति के प्रतीक के तौर पर मरम्मत और पुनर्निर्माण के विकल्पों पर विचार किया जाए।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डॉ. दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।